THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 89 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.1 2083 मंगलवार, 30 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

डीसीपी के वाहन से टकराया कार चालक

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में रविवार को एक कार चालक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के आधिकारिक वाहन से टकरा गया, जिससे वह घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, घायल चालक के विदेशी नागरिक होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि वह कथित तौर पर लापरवाही से वाहन चला रहा था। मोड़ लेते समय उसकी कार जुबली हिल्स जोन के डीसीपी के आधिकारिक वाहन से टकरा गई। हादसे में डीसीपी के वाहन को नुकसान पहुंचा, जबकि चालक घायल हो गया। घटना के समय डीसीपी वाहन में मौजूद नहीं थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

22 राज्यों तक पहुंचे मानसून की रफ्तार धीमी पड़ी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। मानसून ने 24 जून तक देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है, लेकिन बीते 5 दिन से इसकी रफ्तार धीमी पड़ी है।

यह मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में आगे नहीं बढ़ पा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। 6 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। विभाग ने असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों और सिक्किम में आज तेज बारिश और कुछ जगहों के लिए बहुत तेज बारिश की चेतावनी जारी की है।

सेशेल्स में भारतीय समुदाय से मिले पीएम

गणेश मंदिर में पूजा भी की, महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर भारत रवाना हुए

पीएम मोदी सेशेल्स दौरे के आखिरी दिन भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करते हुए। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए ।

विक्टोरिया, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे के आखिरी दिन भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने विक्टोरिया में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

प्रधानमंत्री ने अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने विक्टोरिया के पीस पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए है। इससे पहले भारत और सेशेल्स ने 19 बड़े समझौतों और विकास परियोजनाओं का ऐलान किया। इनमें सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करना, 1,250 करोड़ रुपये की लाइन ऑफ क्रेडिट (लोन), साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति शामिल है।

भारत ने सेशेल्स को एक फास्ट पेट्रोल वेसल, 10 यूटिलिटी वाहन, 5 नौकाएं, 6 एम्बुलेंस, 500 मीट्रिक टन चावल और 8,500 मीट्रिक टन सीमेंट भी सौंपा। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर ये समझौते किए गए।

सेशेल्स के गोल्डन जुबली नेशनल डे में चीफ गेस्ट बने मोदी :

मोदी ने रविवार को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। वह सेशेल्स के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस साल सेशेल्स की आजादी और भारत-सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष भी पूरे हुए हैं।

राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित परेड में असम राइफल्स, भारतीय नौसेना और नौसेना के मार्चिंग बैंड ने हिस्सा लिया। परेड के दौरान प्रधानमंत्री मोदी भारतीय सैन्य दल के सम्मान में खड़े हो गए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तरकश और आईएनएस इक्षाक भी पोर्ट विक्टोरिया पहुंचे। इससे पहले उन्हें सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया गया। उन्हें अब तक 34 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है।

गोल्डन जुबली नेशनल डे में मुख्य अतिथि :

पीएम मोदी 28 जून को सेशल्स की आजादी के 50 साल पूरे होने पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी और भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस तरकश और हाइड्रोग्राफिक सर्वे शिप आईएनएस इक्षक भी परेड और समारोह का हिस्सा बनी।

175 मिलियन डॉलर का आर्थिक पैकेज :

भारत ने सेशल्स के विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1651 करोड़) के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। इसके अलावा भारत ने सेशेल्स को भारत में बना फास्ट पेट्रोल वेसल (एफपीवी) 'पीएस लेस्पवार' गिफ्ट किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में निर्मित फास्ट पेट्रोल वेसल पीएस लेस्पवार सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी को गिफ्ट किया। यह सेशेल्स की समुद्री निगरानी क्षमता को मजबूत करेगा।

नए समझौतों पर हस्ताक्षर :

भारत और सेशेल्स ने 19 अहम समझौतों और घोषणाओं का ऐलान किया। >12

'ऐसे आयोजनों पर ध्यान तक नहीं देते'

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को कहा कि भारत-पाकिस्तान संबंधों पर विदेशों में आयोजित ट्रैक-2 संवाद से सरकार का कोई संबंध नहीं है। विक्रम मिसरी ने स्पष्ट किया कि संवाद में हिस्सा लेने वाले सेवानिवृत्त राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों या अन्य लोगों की यह निजी भागीदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे आयोजनों का संज्ञान तक नहीं लेती है। सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में मीडिया से बातचीत के दौरान मिसरी ने यह टिप्पणी उन खबरों के संदर्भ में की, जिनमें कहा गया था कि पिछले सप्ताह कोलंबो में आयोजित एक क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन के दौरान भारत और पाकिस्तान के विशेषज्ञों ने ट्रैक-2 वार्ता में हिस्सा लिया।

कपिल सिब्बल ने भाजपा पर साधा निशाना

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : मोदी का 'अच्छे दिन' का नारा भी झूठा साबित हुआ

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश को लूटा गया है और भगवान राम के नाम पर भी कथित अनियमितताओं को अंजाम दिया गया। सिब्बल ने कहा, मोदी सरकार का 'अच्छे दिन' का नारा भी झूठा साबित हुआ है।

कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने लिखा, इस सरकार को हराओ। राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा। उन्होंने आगे कहा, ऐसे शासन को तोड़ेंगे, मिलकर देश को जोड़ेंगे, न दिलों का होगा बंटवारा, सबका देश है देश हमारा।

विपक्ष ने अयोध्या राम मंदिर में दान में कथित घोटाले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने भी सरकार से जवाब मांगा। पार्टी ने कहा कि यह केवल वित्तीय घोटाला नहीं, बल्कि आस्था के साथ विश्वासघात है, क्योंकि राम मंदिर निर्माण को भाजपा ने राष्ट्रीय आंदोलन बताया था। देशभर से लोगों ने दान दिया था।

राममंदिर चोरी- 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

पुलिस ने रिमांड नहीं मांगी, अयोध्या के वकील पैरवी नहीं करेंगे

अयोध्या/लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद चंपत राय दिल्ली चले गए। इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अनूप अवस्थी की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कोर्ट ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है। छुट्टियों के बाद ही मामला सुना जाएगा।

इधर, पुलिस सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे जेल में बंद 8 आरोपियों के खाते खंगालने के लिए एसबीआई की अयोध्या धाम ब्रांच पहुंची। 7 आरोपियों के खाते इसी ब्रांच में हैं। पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट लिए। अब यह जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। पुलिस ने बैंक के 2 कर्मचारियों को भी नोटिस दिया है।

इस बीच, सभी 8 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस आरोपियों की रिमांड नहीं मांगी। फिर कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। तब तक आरोपी जेल में ही रहेंगे।

हालांकि, इससे पहले ही अयोध्या के वकीलों ने बड़ी बैठक की। इसमें फैसला लिया कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। साथ ही, चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के अयोध्या छोड़ने की मांग की। नहीं छोड़ने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई। जिसने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर एफआईआर हुई। इसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 को नामजद किया गया। हालांकि, चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक 6 जुलाई को अयोध्या में होगी :

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक अब 6 जुलाई को होगी। इससे पहले बैठक 11 जुलाई को प्रस्तावित थी। सूत्रों के मुताबिक, इस बार बैठक मणि रामदास जी की छावनी की जगह कारसेवक पुरम में आयोजित की जा सकती है। बलिया के सपा सांसद सनातन पाण्डेय ने सोमवार को सपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे में चोरी और इसकी जांच प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाए। भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री, उनकी सीबीआई, उनकी सीबीसीआईडी और पूरा तंत्र इस मामले का पता नहीं लगा सका।

हाई कोर्ट से महिला एयरफोर्स अधिकारियों को मिली राहत

परमानेंट कमीशन विवाद के बीच अगले महीने सुनवाई

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय वायु सेना की उन महिला अधिकारियों को फिलहाल राहत दी है, जिन्हें परमानेंट कमीशन नहीं मिलने के बाद हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। इन महिला अधिकारियों ने पहले अपनी याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया कि आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल या हाई कोर्ट में उपलब्ध कानूनी रास्ते अपनाएं। सोमवार दिल्ली हाई कोर्ट ने उन महिला अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम सुरक्षा को आगे बढ़ा दिया है, जिन्होंने इंडियन एयर फोर्स के उन्हें परमानेंट कमीशन न देने के फैसले को चुनौती दी थी। यह मामला इंडियन एयर फोर्स की महिला अधिकारियों की उस बड़ी चुनौती का हिस्सा है, जिन्होंने परमानेंट कमीशन न दिए जाने का विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम सुरक्षा के बावजूद उन्हें सेवा से हटाने के आदेश जारी किए गए थे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि एयर फोर्स ने 3 जून को डिस्चार्ज ऑर्डर जारी करके जल्दबाजी की, जबकि उस समय दिल्ली हाई कोर्ट और एएफटी दोनों में छुट्टियां चल रही थीं।

याचिकाकर्ताओं ने बताया कि साल 2013 में कमीशन प्राप्त इन अधिकारियों को 2023 तक परमानेंट कमीशन के लिए विचार ही नहीं किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जब तक मामला पेंडिंग है तक सेवा से हटाने पर रोक जारी रहेगी।

श्रीलंका में भारत-पाकिस्तान डेलिगेशन के बीच हुई वार्ता

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के कई सैन्य अधिकारियों, डिप्लोमैट्स और राजनीतिक शख्सियतों के बीच अनौपचारिक संवाद हुआ है। यह मीटिंग बीते सप्ताह कोलंबो में हुई। इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ स्ट्रेटेजिक स्टडीज की ओर से आयोजित एक कॉन्फ्रेंस से इतर दोनों पक्षों के बीच यह बैठक हुई।

इस आयोजन में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव, यूके समेत कई देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस आयोजन के इतर ही भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों की औपचारिक मुलाकात हुई। इसे ट्रैक टू डायलॉग कहा जा रहा है। इस मीटिंग में अकादमिक जगत के कुछ विद्वान, पूर्व अधिकारी, सिविल सोसायटी के प्रतिनिधि मौजूद थे। दोनों देशों की सरकारों के बीच होने वाले संवाद के समानांतर ये अनौपचारिक मीटिंग थी।

कर्नाटक में एसआईआर पर कांग्रेस और चुनाव आयोग आमने-सामने

प्रियांक खड़गे ने ईसी से पूछे कौन-कौन से सवाल

बेंगलूरू, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंगलवार से शुरू होने वाली चुनाव आयोग (ईसीआई) की प्रस्तावित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से पहले राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस द्वारा उठाई गई चिंताओं का समाधान किए बिना चुनाव आयोग को इस प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए।

किनके सवालों का जवाब चाहते हैं खड़गे :

बेंगलूरू में पत्रकारों से बातचीत के दौरान खड़गे ने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ चर्चा करेगी। उन्होंने कहा चुनाव आयोग को पहले एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए

सवालों का जवाब देना चाहिए। इन चिंताओं का समाधान होने के बाद ही कर्नाटक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया आगे बढ़नी चाहिए।

कर्नाटक में कब से शुरू होने वाला है एसआईआर :

इस बीच चुनाव आयोग ने राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम के तहत 29 जून से 29 जुलाई तक घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। कांग्रेस ने पूरे कर्नाटक में जागरूकता अभियान शुरू किया है और अपने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान सतर्क रहने की अपील की है।

किन-किन मुद्दों पर मांगा स्पष्टीकरण :

खड़गे ने बताया कि कांग्रेस पहले ही मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखित रूप में अपनी आपत्तियां सौंप चुकी है, जिसमें आठ से दस प्रमुख मुद्दे उठाए गए हैं।

हमने कई बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। इनमें यह भी शामिल है कि चुनाव आयोग 'तार्किक विसंगति' से क्या आशय रखता है। किसी मतदाता का नाम किस आधार पर मतदाता सूची से हटाया जा सकता है?

भारत को अमेरिका से रिश्ते मजबूत करने चाहिए

पर स्ट्रेटजिक ऑटोनॉमी कीमत पर नहीं, पूर्व डिप्लोमैट की खरी-खरी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। ईरान- अमेरिका में टकराव की वजह से बीते कुछ महीनों के दौरान पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है। इसका असर दुनिया भर के देशों में नजर आया। हालांकि, अब यूएस-ईरान अब बातचीत के जरिए टकराव को दूर करने में जुटे हैं। इस बीच भारत और अमेरिका के रिश्तों को लेकर पूर्व राजनयिक कंवल सिब्बल ने अहम टिप्पणी की है।

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने एक्स पर अपना एक लेख शेयर किया है, जिसमें उन्होंने दो टूक कहा कि भारत को यूएस के साथ रिश्ते और गहरे करने चाहिए, लेकिन स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी की कीमत पर नहीं। इसके साथ ही उन्होंने रूस, ट्रेड, एनर्जी, चीन, इंडो-पैसिफिक समेत कई मुद्दों का भी जिक्र किया है।

पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने क्या कहा :

कंवल सिब्बल ने अपने लेख में कहा कि अमेरिका के साथ करीबी रिश्ते बनाने में भारत के सामने दुविधा यह है कि दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक, तकनीकी और सैन्य ताकत के साथ ऐसे रिश्तों से कई फायदे तो हो सकते हैं, लेकिन जब अमेरिका और भारत के हित अलग-अलग होंगे, तो भारत पर दबाव भी पड़ सकता है।

भारत के हित और विदेश नीति की प्राथमिकताएं वैसी नहीं हो सकतीं जैसी अमेरिका की हैं। अमेरिका एक वैश्विक शक्ति है जो अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बाहरी रिश्तों का फायदा उठाना चाहती है, जिसमें भारत के साथ उसके संबंध भी शामिल हैं। हम अभी एक उभरती हुई शक्ति हैं और हमारे पास ऐसे कोई साधन या 'प्रेशर पॉइंट्स' नहीं हैं जिनसे हम अमेरिका की नीतियों को अपने हितों के अनुकूल प्रभावित कर सकें।

रक्षा क्षेत्र में बड़ा गेमचेंजर!

राजनाथ सिंह के फैसले से डीआरडीओ को मिलेगी नई रफ्तार

डीएफपी-2026 जारी करते हुए राजनाथ सिंह एवं सैन्यअधिकारी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को नई गति देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को बड़ा कदम उठाया। उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के लिए डेलीगेशन ऑफ फाइनेंशियल पावर्स-2026 (डीएफपी-2026) जारी किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह बड़ा सुधार डीआरडीओ की रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास (आर&डी) परियोजनाओं में दक्षता, जवाबदेही और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा।

रणनीतिक परियोजनाओं में आएगी तेजी :

रक्षा मंत्री ने कहा कि डीएफपी-2026 के लागू होने से डीआरडीओ की ओर से विकसित रक्षा प्रणालियों, प्लेटफॉर्म और अत्याधुनिक तकनीकों का उत्पादन और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल करने की प्रक्रिया पहले से अधिक तेज होगी। इससे रक्षा अनुसंधान से लेकर सेना तक तकनीकों के पहुंचने में लगने वाला समय कम होगा और परियोजनाओं का बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि नया वित्तीय ढांचा उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ डीआरडीओ के सहयोग को और मजबूत करेगा। इससे रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य देश में अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों का स्वदेशी विकास सुनिश्चित करना है।

आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगा बल :

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, संशोधित डीएफपी-2026 ढांचा देश की रक्षा तकनीकों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा तैयारियों को भी मजबूत करेगा। सरकार का मानना है कि यह सुधार भविष्य की रक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डीआरडीओ की कार्यक्षमता बढ़ाएगा और देश की सामरिक क्षमता को नई मजबूती प्रदान करेगा।

'राजनाथ सिंह इस्तीफा दें', ऑपरेशन सिंदूर पर संसद को गुमराह करने का आरोप

बीके हरिप्रसाद ने की जवाबदेही तय करने की मांग

बेंगलुरू, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख बीके हरिप्रसाद ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने यह मांग 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शहीद हुए छह सैन्यकर्मियों के नामों को लेकर उठे हालिया विवाद के बीच की। इन छह जवानों के नाम हाल ही में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (नेशनल वॉर मेमोरियल) पर अंकित किए गए हैं।

बीके हरिप्रसाद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में 2025 में संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दिए गए बयान का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि रक्षा मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई थी। उन्होंने कहा कि बाद में ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए सैन्यकर्मियों के नाम सार्वजनिक किए जाने से रक्षा मंत्री के पहले दिए गए बयान और बाद में सामने आई जानकारी के बीच गंभीर विरोधाभास सामने आता है।

हरिप्रसाद ने 'एक्स' पर लिखा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में स्पष्ट रूप से कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई। लेकिन भाजपा सरकार द्वारा बाद में उन सैन्यकर्मियों के नाम सार्वजनिक करना जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया, उनके पहले दिए गए बयान में एक गंभीर विरोधाभास को उजागर करता है। हरिप्रसाद ने आगे कहा, अगर राष्ट्रीय महत्व के इतने गंभीर मुद्दे पर संसद को गुमराह किया गया है तो इसकी जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। संसद को गुमराह करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस्तीफा देना चाहिए। हमारे शहीद सत्य, ईमानदारी और सम्मान के हकदार हैं ना कि विरोधाभासी बयानों के। आपको बता दें कि मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ चार दिनों तक चले 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शहीद हुए छह भारतीय सुरक्षा बलों के जवानों के नाम अब नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (नेशनल वॉर मेमोरियल) पर अंकित कर दिए गए हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में दो महत्वपूर्ण ओबीसी आरक्षण विधेयक पारित

टीएमसी काल की ओबीसी सूची रद्द

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण से संबंधित दो महत्वपूर्ण विधेयक सोमवार को विधानसभा में ध्वनि मत से पारित हो गए। इसके साथ ही, राज्य सरकार के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की पिछली सरकार के दौरान तैयार की गई ओबीसी सूची को रद्द करने का रास्ता साफ हो गया है। विधानसभा द्वारा पारित किए गए दो विधेयक "पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति के अलावा) सेवाओं और पदों में रिक्तियों के आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2026" और "पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग (संशोधन) विधेयक 2026" हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं जन शिक्षा विस्तार एवं पुस्तकालय सेवा मंत्री गौरी शंकर घोष ने ये दोनों विधेयक पेश किए।

सदन में बहस के दौरान बोलते हुए भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि पिछली टीएमसी सरकार ने जानबूझकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को बड़ी संख्या में शामिल करके एक पक्षपातपूर्ण ओबीसी सूची तैयार की थी ताकि अपने अल्पसंख्यक वोट बैंक को खुश किया जा सके।

पार्टी ने यह भी दावा किया कि संशोधित सूची ने हिंदू समुदायों की कीमत पर मुस्लिम समुदायों को अतिरिक्त लाभ दिए हैं।

उस समय भाजपा ने टीएमसी शासन के दौरान तैयार की गई नई सूची पर आपत्ति जताई थी और दावा किया था कि उस सूची में "मुस्लिम" पृष्ठभूमि वाले समुदायों को अतिरिक्त लाभ दिया गया था, जिससे "हिंदू" पृष्ठभूमि वाले समुदायों को वंचित किया गया था।

इन दो विधेयकों के पारित होने के साथ ही मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली कैबिनेट द्वारा तैयार की गई ओबीसी सूची को रद्द करने का रास्ता साफ कर दिया है। इन संशोधनों से पिछड़ा वर्ग आयोग को ओबीसी सूची में किसी भी समुदाय को शामिल करने या बाहर करने पर आपत्ति उठाने का अधिकार भी मिल गया है।

इन विधेयकों में यह भी प्रावधान है कि राज्य सरकार पिछड़ा वर्ग आयोग के परामर्श से राज्य सरकार की नौकरियों में अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का प्रतिशत निर्धारित करेगी। यद्यपि आरक्षण कोटा समय-समय पर संशोधित किया जा सकता है, कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

ग्वालियर-चंबल में 5 साल में 128 बेटियों की मौत

शादी के बाद सौदेबाजी, कार की चाहत; इंस्टाग्राम क्वीन पलक, निशा को भी गंवानी पड़ी जान

ग्वालियर, 29 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश का ग्वालियर-चंबल अंचल हमेशा से दहेज प्रताड़ना और दहेज हत्या के मामलों के लिए सुर्खियों में रहता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में यहां आंकड़ों में कमी आई है, लेकिन हालात अभी भी काफी खराब हैं। भोपाल की ट्विशा की तरह ग्वालियर की बेटियां (बहुएं) भी शादी के बाद सौदेबाजी और दहेज की भेंट चढ़ गईं। यहां इंस्टाग्राम गर्ल पलक रजक, थाटीपुर की निशा और कंपू की प्रीति के साथ ही कई मामले सामने आए हैं। इनमें शादी के तत्काल बाद ही दहेज की मांग को लेकर परेशान किया जाने लगा। इससे परेशान होकर उन्होंने खुदकुशी जैसा कदम उठा लिया या उनकी हत्या कर दी गई। ग्वालियर जिले में पिछले 5 वर्षों के भीतर 128 से अधिक बेटियां ससुराल पक्ष के लालच और क्रूरता की भेंट चढ़ चुकी हैं। ये वे बेटियां थीं, जिनके हाथों की मेहंदी का रंग अभी ठीक से छूटा भी नहीं था कि उन्हें कार, नकदी और सोने-चांदी के जेवरों के लिए या तो मौत के घाट उतार दिया गया। या फिर इस कदर प्रताड़ित किया गया कि वे खुदकुशी करने पर मजबूर हो गईं।

ग्वालियर में पिछले पांच वर्षों में पुलिस विभाग में दर्ज मामलों की बात करें तो 2800 बहुएं-बेटियां शारीरिक, मानसिक व दहेज प्रताड़ना की शिकार हुई हैं, जबकि वर्ष 2021 से 2025 के बीच 128 बहुओं व बेटियों की मौत

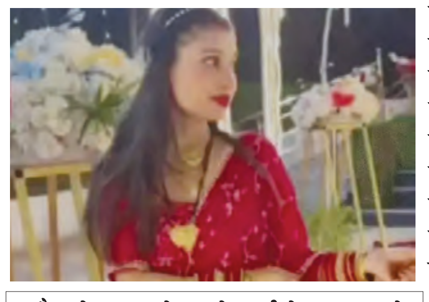

मौत से पलक ने पहले भाई से कहा था ले जाओ वरना यह मार डालेंगे'

हुई है। मतलब हर माह लगभग 50 बहुएं दहेज प्रताड़ना व घरेलू हिंसा की शिकार हो रही हैं। इसके साथ ही हर माह 2 से 3 बहुएं दहेज हत्या की शिकार हो रही हैं।

ग्वालियर के सुरैयापुरा में रहने वाली इंस्टाग्राम क्वीन पलक रजक की 12 मई 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है। मौत से महज 30 मिनट पहले पलक ने अपने भाई प्रिंस को फोन कर जान बचाने की गुहार लगाई थी। पलक ने कहा था, "मुझे ले जाओ, वरना ये मुझे मार डालेंगे।' जब भाई अस्पताल पहुंचा, तब उसकी बहन का शव स्ट्रेचर पर पड़ा था। 21 वर्षीय पलक के सोशल मीडिया पर 10 हजार से अधिक फॉलोअर्स थे। पुलिस और परिवार ने उसके इंस्टाग्राम अकाउंट की जांच की, तो कई ऐसी पोस्ट और रील्स सामने आईं, जिनमें वह मानसिक तनाव, घुटन और टूटन की ओर इशारा करती नजर आई। पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई कि मौत से पहले पलक ने तीन दिन तक खाना नहीं खाया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ससुराल पक्ष दहेज में बुलेट बाइक और कार की मांग कर रहा था।

ग्वालियर के तिघरा थाना क्षेत्र के तिघरा गांव निवासी 22 वर्षीय मुस्कान कुशवाह की शादी एक वर्ष पहले

प्रीति जिसने प्यार में धोखा और दहेज से परेशान होकर दी जान।

सिकंदर कंपू निवासी भूपेंद्र कुशवाह से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही कम दहेज लाने की बात कहकर ससुराल पक्ष उसे प्रताड़ित करता था।

विवाहिता निशा और उसे तेजाब पिलाने वाला पति गजेंद्र राठौर।

मायके पक्ष के अनुसार, ससुराल वाले दहेज में कार की मांग कर रहे थे। इसी वजह से मुस्कान 15 दिन पहले अपने मायके आकर रहने लगी थी। वह मानसिक रूप से काफी परेशान थी। मुस्कान ने घर के एक कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर में केवल उसका छोटा भाई मौजूद था, लेकिन उसे इसकी भनक तक नहीं लगी। उस समय मुस्कान के माता-पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे।

ग्वालियर के थाटीपुर निवासी 26 वर्षीय गर्भवती महिला निशा राठौर की 24 जून 2026 को इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत से पहले रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में उसने अपने पति गजेंद्र राठौर पर दहेज के लिए मारपीट, प्रताड़ित करने और जबरन तेजाब पिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस वीडियो, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। 22 जून को थाटीपुर थाना क्षेत्र की न्यू मेहरा कॉलोनी निवासी निशा राठौर को गंभीर हालत में जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 24 जून की शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ग्वालियर में एक युवती की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने जांच के बाद उसके पति, उसकी पहली पत्नी और बहन के खिलाफ आत्महत्या के लिए विवश करने का मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई का मुख्य आधार आत्महत्या से ठीक पहले युवती द्वारा बनाया गया वीडियो बना। युवती ने रिटायर्ड फौजी पति राजू उर्फ सत्यनारायण भदौरिया की धोखाधड़ी से आहत होकर 11 फरवरी 2026 को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसने 6 महीने के प्रेम संबंध के बाद परिवार के विरोध के बावजूद एक फौजी से नोटरी के माध्यम से प्रेम विवाह किया था। बाद में उसे पता चला कि उसका पति पहले से शादीशुदा है और दो बच्चों का पिता भी है। आरोप है कि जब युवती ने इसका विरोध किया, तो उसके फौजी पति ने दहेज की मांग शुरू कर दी।

600 कर्मचारियों ने 200 एकड़ जंगल से हटाया अतिक्रमण

खंडवा में 30 जेसीबी लेकर पहुंचे थे; कल माफिया के हमले में 8 वनकर्मी हुए थे घायल

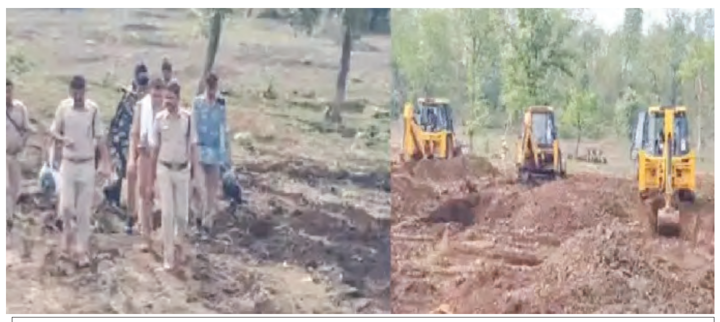

रविवार को वनकर्मियों पर हमले के बाद सोमवार को प्रशासनिक टीम ने वनभूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया।

खंडवा, 29 जून (एजेंसियां)। खंडवा में सोमवार को आमाखुजरी जंगल की करीब 200 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमणकारियों ने यहां पेड़-झाड़ियां काटकर मक्के की फसल बोई थी। वन, राजस्व और पुलिस विभाग के 600 अधिकारी-कर्मचारी 30 जेसीबी मशीनों के साथ कार्रवाई में जुटे, जो करीब 6 घंटे तक चली। किसी भी तरह के विरोध से निपटने के लिए 60 महिला पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहीं। टीम अपने साथ आंसू गैस लेकर पहुंची थी। जंगल में गड्ढों और ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर झटका लगने से गैस का गोला फट गया। इसकी चपेट में कुछ पुलिसकर्मी आ गए। बाद में पेटी को खोलकर पूरी गैस बाहर की गई।

इस दौरान कलेक्टर ऋषभ गुप्ता, एसपी अगम जैन, एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर और डीएफओ राकेश कुमार डामोर भी आमाखुजरी में रहे। इससे पहले रविवार को जंगल में बुआई रोकने गए 40 वनरक्षकों की टीम पर अतिक्रमणकारियों ने पथराव कर दिया था। इसमें 8 कर्मचारी घायल हो गए थे। रविवार को आमाखुजरी जंगल में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर पुलिस 400 अतिक्रमणकारियों ने महिलाओं को आगे कर गोफन से पत्थर फेंके। लाठियों से भी हमला किया। किसी वनकर्मी का सिर फूट गया तो किसी का कान कट गया। सभी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पथराव में वनरक्षक ज्वाला सिंह, रोमांक नायक, शैलेंद्र यादव, राजेंद्र सिंह सक्तावत, राजेंद्र बागड़ी, प्रदीप बघेल, चंद्रपाल तोमर और राहुल लोधी घायल हुए थे। ये सभी 2025 में भर्ती विशेष फ्लाइंग स्क्वॉड का हिस्सा हैं, जिन्हें जंगलों में अतिक्रमण रोकने के लिए तैनात किया गया था।

एमपी के मोहिघाट में 10 मिनट के भीतर दो बसें हादसे का शिकार

22 से ज्यादा यात्री घायल; छह गंभीर नागपुर रेफर

छिंदवाड़ा/पांढुर्णा, 29 जून (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा से लगे पांढुर्णा के मोहि घाट पर सोमवार को हुए दोहरे सड़क हादसे ने यात्रियों में दहशत फैला दी। घाट के खतरनाक मोड़ और ढलान पर कुछ ही मिनटों के अंतराल में दो यात्री बसें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। हादसे में 22 से अधिक यात्री घायल हो गए, जबकि 15 से ज्यादा लोग बसों के भीतर फंस गए थे। गंभीर रूप से घायल छह यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, दोनों बसें भोपाल और इंदौर से यात्रियों को लेकर पांढुर्णा की ओर आ रही थीं। सुबह के समय क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी। इसी दौरान मोहि घाट के ढलान वाले हिस्से में पहले एक बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई। कुछ ही मिनट बाद दूसरी बस भी हादसे का शिकार हो गई। लगातार दो बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार सुनाई देने लगी।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण, राहगीर और पुलिस मौके पर पहुंच गए। कई यात्री बसों के भीतर फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए बसों के शीशे तोड़े और दरवाजे खोलकर यात्रियों को बाहर निकाला। बाद में पुलिस और बचाव दल ने संयुक्त रूप से राहत कार्य चलाया।

अमरनाथ यात्रा से पहले बाबा बर्फानी की प्रथम पूजा

उपराज्यपाल सिन्हा ने दर्शन किए; यात्रा 3 जुलाई से शुरू

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (SASB) के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा में की।

जम्मू-श्रीनगर, 29 जून (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के 3 दिन पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पहली पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा में की।

इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। कुल 57 दिनों की यात्रा चलेगी।

अधिकारियों के मुताबिक, 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा। प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम अंतिम चरण में है। अधिकारियों का कहना है कि इसे अगले दो से तीन दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण के अनुकूल हो जाता है। साथ ही, रास्ते में शेषनाग और पंचतरणी जैसे पौराणिक और धार्मिक महत्व वाले मंदिर के दर्शन भी होते हैं। वहीं, बालटाल रूट अपेक्षाकृत छोटा रास्ता है। इस मार्ग से श्रद्धालु कम समय में यात्रा पूरी कर सकते हैं, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी सीधी, खड़ी और कठिन मानी जाती है।

उद्धव ठाकरे ने बीजेपी को 'बाबर जनता पार्टी' बताया

कहा- 6 बागी सांसदों की सदस्यता रद्द हो, वे विकास नहीं, स्वार्थ के लिए गए

धाराशिव, 29 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए छह 6 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अगर देश में कानून का राज है तो इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। ये सांसद विकास के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए गए हैं।'

उद्धव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाते हुए बीजेपी को 'बाबर जनता पार्टी' बताया। उन्होंने कहा, 'बाबर ने राम मंदिर तोड़ा था। अब बाबर जनता पार्टी नए बने राम मंदिर को लूट रही है। दोनों में क्या फर्क है?' उद्धव इन दिनों मराठवाड़ा के दौरे पर हैं। बाकी सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जाकर जनसभाएं कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने परभणी और धाराशिव में अलग-अलग सभाओं को संबोधित किया। ठाकरे बोले- ये महाराष्ट्र धर्म और मराठी अस्मिता खत्म करना चाहते हैं।

धाराशिव में उद्धव ने कहा, अगर आपके पास पहले से बहुमत है, तो फिर मेरे सांसदों की जरूरत क्यों पड़ी? यह सिर्फ बगावत नहीं, बड़ा राजनीतिक खेल है। वे महाराष्ट्र, शिवसेना और महाराष्ट्र धर्म को खत्म करना चाहते हैं। इसलिए शिवसेना को तोड़ा जा रहा है। मराठी अस्मिता और छत्रपति शिवाजी महाराज के स्वाभिमान को मिटाना चाहते हैं। सब कुछ गुजरात ले जाना चाहते हैं।

राम मंदिर हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। यह लंबे संघर्ष के बाद बना है। पहले नारा था 'मंदिर वहीं बनाएंगे', अब मंदिर में ही लूट हो रही है। मंदिर को दुकान बना दिया गया है। बीजेपी ने हिंदुत्व की विचारधारा के साथ भी विश्वासघात किया।

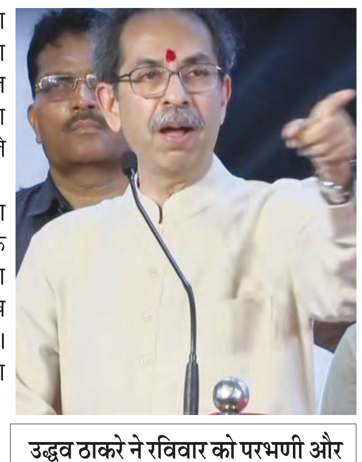

उद्धव ठाकरे ने रविवार को परभणी और धाराशिव में सभाओं को संबोधित किया।

परभणी में ही उद्धव ने कहा कि छह सांसदों का दल-बदल 'ऑपरेशन देवेंद्र' का हिस्सा है। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व पहले अपने ही नेताओं के पर काटता है। शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस इसका उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि गडकरी के पर इसलिए काटे गए, ताकि वे प्रधानमंत्री न बन सकें। अगर वे दूसरी बार बीजेपी अध्यक्ष बनते तो RSS के समर्थन से प्रधानमंत्री बन सकते थे। शिवसेना को तोड़ने के पीछे भी देवेंद्र फडणवीस को रोकने की राजनीति है। वे दिल्ली जाने का सपना देख रहे हैं। यह महाराष्ट्र के लिए एक और झटका होगा।

4 फीट गहरे पूल में छलांग लगाने से युवक की जान गई

सिंधुदुर्ग, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग के एक रिसॉर्ट में स्विमिंग पूल में सिर के बल छलांग लगाने से युवक की मौत हो गई। हादसे का वीडियो सामने आया है। मृतक की पहचान श्रीनिक मिलिंद टाकले के रूप में हुई है। वह कोल्हापुर जिले का रहने वाला था। वीडियो में वह करीब 8 से 10 फीट ऊंचाई से स्विमिंग पूल में सिर के बल छलांग लगाता नजर आ रहा है। इसके बाद उनका सिर पूल के फ्लोर से टकरा जाता है। गंभीर चोट लगने से श्रीनिक की मौत हो जाती है। पुलिस के मुताबिक, जिस स्विमिंग पूल में श्रीनिक ने छलांग लगाई थी, उसकी गहराई करीब 4 फीट थी। हादसे के बाद उनके दोस्त उन्हें तुरंत मालवन ग्रामीण अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। श्रीनिक 20 जून को अपने 9 दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने मालवन के वायरी इलाके स्थित एक रिसॉर्ट गया था। इसी दौरान स्विमिंग पूल में हादसा हो गया।

ट्रक से टकराई कार; एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रविवार दोपहर हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई।

हादसा रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे धामणगांव रेलवे सीमा के पास हुआ। चंद्रपुर निवासी परिवार अकोला में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। मृतकों की पहचान भास्कर जिवने, उनके बेटे और कार चालक रमेश जिवने, रमेश की पत्नी लता, बहू आरती तथा 10 साल की पोती तृषा के रूप में हुई है।

पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले 4 गिरफ्तार

हमले के दो दिन बाद पुलिस कमिश्नर ने लगाई थी फटकार

इंदौर, 29 जून (एजेंसियां)। इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र की डायमंड कॉलोनी में ड्यूटी के दौरान दो पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ के बाद घटना में उपयोग किए गए हथियार भी जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस अब आरोपियों को रिमांड पर लेकर मामले में आगे की पूछताछ करेगी।

एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, 22 जून 2026 की रात डायमंड कॉलोनी में आरक्षक विजयपाल सिकरवार और आशीष शर्मा के साथ मारपीट की गई थी। कनाड़िया थाने में शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट का अपराध दर्ज किया गया। इस मामले में चार आरोपी ग्राम बकनेर, तहसील मनावर, जिला धार निवासी मोहसिन पिता मुश्ताक अली, सम्राट नगर, सिरपुर, धार रोड निवासी मोहम्मद अफजल शेख पिता मोहम्मद लियाकत, ब्रिज विहार कॉलोनी, नर्मदा कॉन्वेंट स्कूल के पास, बड़वानी निवासी दर्शन पिता राधेश्याम तथा कोली मोहल्ला, ठीकरी, जिला बड़वानी निवासी चंदन पिता सुरेश वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला करने की बात कबूल की है। जानकारी के मुताबिक, हमले की रात पहले दोनों सिपाही नोवल अस्पताल में उपचार कराने पहुंचे थे। इसके बाद दोनों को डीएनएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां विजयपाल को 8 और आशीष को 18 टांके आए थे। करीब 24 घंटे से अधिक समय तक कनाड़िया पुलिस ने मामले को दबाकर रखा। हालांकि, सोशल मीडिया पर संदेश वायरल होने के बाद कमिश्नर संतोष सिंह ने टीआई यादव को फटकार लगाई। इसके बाद एफआईआर दर्ज कर मामले में आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

नवनियुक्त निगम नेता प्रतिपक्ष का भाई गिरफ्तार

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन के मामले में सोनिला मिमरोट के पदभार ग्रहण के पहले पुलिस ने उठाया

इंदौर, 29 जून (एजेंसियां)। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष बनाई गईं सोनिला मिमरोट के पदभार ग्रहण से पहले पुलिस ने उनके भाई बदमाश मिमरोट को उठा लिया। उन्हें रविवार रात गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ पंढरीनाथ थाने में एफआईआर दर्ज थी। उन्होंने पिछले दिनों कलेक्ट्रेट के सामने महिला कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान अपशब्द कहे थे। आज पुलिस ने उसे एसीपी कोर्ट भेजा है।

आज सोनिला का पदभार ग्रहण कार्यक्रम था। बदमाश मिमरोट उसकी तैयारी में लगा था, तभी पुलिस ने उसे उठा लिया। पंढरीनाथ टीआई सतीश पटेल ने बताया कि बदमाश मिमरोट को गिरफ्तार

सोनाली के भाई बादशाह मिमरोट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

किया गया है। फिलहाल उसे एसीपी कोर्ट भेजा गया है। कुछ दिन पहले कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान कानून व्यवस्था बिगाड़ने और पुलिस अधिकारियों से अभद्रता का मामला सामने आया था। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कांग्रेस नेत्री ने सार्वजनिक रूप से पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया था। जांच में बादशाह मिमरोट की भूमिका भी सामने आने पर उसे प्रकरण में आरोपी बनाया गया था। बता दें कि पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने नगर निगम नेता प्रतिपक्ष पद की जिम्मेदारी चिंटू चौकसे से लेकर वार्ड 45 की पार्षद सोनिला मिमरोट को सौंप दी है।

वैष्णो देवी जा रही सीआईएसएफ जवानों की बस पलटी, 8 जवान और ड्राइवर घायल

जम्मू, 29 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को माता वैष्णो देवी मंदिर के ताराकोट मार्ग पर सीआईएसएफ जवानों को लेकर जा रही एक बस पलट गई। हादसे में 8 सीआईएसएफ जवान और बस चालक घायल हो गए। इनमें तीन जवानों की हालत गंभीर बताई गई है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के समय सीआईएसएफ के जवान ड्यूटी पूरी कर मंदिर क्षेत्र से अपने कैंप लौट रहे थे।

65 साल के रेप-मर्डर के दोषी को फांसी

3 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था; फास्टट्रैक कोर्ट का 60 दिन में फैसला

पुणे, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले में विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया। कांबले पेशे से मजदूर है। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं।

यह घटना 1 मई को पुणे जिले के नसरापुर गांव में हुई थी। बच्ची गर्मियों की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आई हुई थी। तभी 1 मई को दोपहर 3 बजे से 4 बजे के बीच कांबले ने उसे खाने-पीने की चीजें और गाय के एक नवजात बछड़े का लालच देकर बहला-फुसला लिया। इसके बाद वह उसे मवेशियों के तबेले के पास बने एक शेड में ले गया, जहां उसने उसके साथ रेप किया और फिर उसकी हत्या कर दी।

दोषी करार दिए जाने के बाद अदालत ने कांबले से पूछा कि उसे क्या सजा दी जानी चाहिए। इस पर कांबले ने कहा कि उसने कोई अपराध नहीं किया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी में न तो पश्चाताप के कोई संकेत दिखाई दिए और न ही उसके सुधरने की कोई संभावना है।

नोएडा की सोसाइटी के फ्लैट में आग लगी

नोएडा, 29 जून (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-119 स्थित अरण्य सोसाइटी के एक फ्लैट में सोमवार को आग लग गई। घटना सेक्टर-113 थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 30 जून, 2026 3

सुविचार
"पैर का कांटा निकलने के बाद चलने में जो सुकून मिलता है, वही सुकून मन से अहंकार निकालने के बाद जीवन जीने में मिलता है।"

पुलिस भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर बेरोजगारों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के लकडीकापुल स्थित तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड के कार्यालयों में सोमवार को उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब बेरोजगार युवाओं ने पुलिस भर्ती में रिक्तियों को 5,000 से बढ़ाकर 20,000 करने की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। तेलंगाना बेरोजगार संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) और एसआई एवं पुलिस कांस्टेबल उम्मीदवारों की जेएसी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने भर्ती बोर्ड कार्यालय में प्रवेश करने का प्रयास किया।

यह विरोध राज्य सरकार द्वारा हाल ही में 5,000 पुलिस पदों की भर्ती की घोषणा के बाद शुरू हुआ। कई वर्षों से तैयारी कर रहे उम्मीदवारों ने इस संख्या को बेहद कम बताते हुए कहा कि यह राज्य में बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त नहीं है। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई की और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर मौके से हटाया। पुलिस की इस कार्रवाई पर छात्रों और अभ्यर्थियों ने नाराजगी जताई और अपना आंदोलन जारी रखने की बात कही। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में पुलिस विभाग में पदों की संख्या 5,000 से बढ़ाकर 20,000 करना, 2 लाख सरकारी नौकरियों के वादे को पूरा करना और लंबित नौकरी कैलेंडर को तुरंत जारी करना शामिल है।

बेरोजगारों की गिरफ्तारी पर हरीश राव का विरोध

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने सोमवार को पुलिस भर्ती बोर्ड के सामने नए सिरे से नौकरी की अधिसूचना जारी करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे बेरोजगार युवाओं की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के तानाशाही रवैये को दर्शाती है और सरकार पर दो लाख सरकारी पदों को भरने के वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा कि सरकार ने नौकरी के इच्छुक युवाओं के साथ विश्वासघात किया है और अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों की तत्काल रिहाई की मांग की और साथ ही कांग्रेस सरकार से पहले घोषित 20,000 पुलिस रिक्तियों के लिए भर्ती अधिसूचना जारी करने की अपील की।

ट्रेन से रक्षा कर्मियों की 13 शराब की बोतलें बरामद

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में अचानक निरीक्षण के दौरान निषेध एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों ने शराब की 13 बोतलें बरामद कीं। जांच के दौरान अधिकारियों को डीपीएल डिफेंस शराब की 13 बोतलें मिलीं, जो रक्षा कर्मियों के लिए निर्धारित थीं और कर्नाटक से लाई गई थीं। मौके पर कोई भी व्यक्ति इन बोतलों पर दावा करने नहीं आया, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें जब्त कर लिया। आबकारी अधिकारियों को संदेह है कि कुछ लोग इन शराब की बोतलों को अवैध ढंग से तस्करी कर रहे थे और अधिकारियों को देखकर खेप छोड़कर फरार हो गए।

तेलंगाना हाईकोर्ट अधिवक्ता संघ ने राज्यपाल से की मुलाकात

न्यायपालिका में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की मांग

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एस. सुरेंद्र रेड्डी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप समाज के सभी वर्गों को न्यायपालिका में उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने की मांग की।

इस संबंध में उन्होंने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपते हुए संघ द्वारा उठाए गए मुद्दों को केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष रखने तथा उनके समाधान और क्रियान्वयन के लिए संबंधित तंत्र को आवश्यक दिशा-निर्देश देने का अनुरोध किया। अधिवक्ताओं ने कहा कि न्यायपालिका में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित होने से न्याय व्यवस्था और अधिक समावेशी तथा सशक्त बनेगी। राज्यपाल से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष डी.एल. पांडु, सचिव पी. श्रवण कुमार गौड़, के. निरंजन रेड्डी तथा संयुक्त सचिव कुमारी पी. कृष्ण कीर्तन भी शामिल थे।

खरीद में देरी से किसानों को बड़ा नुकसान

निजी एजेंटों पर भरोसा भारी पड़ा

नागरकर्नूल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा धान और मक्का की खरीद में देरी के कारण किसानों को अपनी उपज निजी एजेंटों को बेचनी पड़ी, जिसके चलते लगभग 80 किसानों को करीब 2 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। यह मामला सोमवार को बिजिनपल्ली मंडल में सामने आया। जानकारी के अनुसार, इस सीजन में सरकारी खरीद समय पर शुरू न होने के कारण वड्डेमान, शायिनिपल्ली, गंगाराम, अल्लीपुर, वेलुगोंडा, महादेवुनिपेटा और बिजिनापल्ली गांवों के किसानों ने मजबूरी में निजी एजेंटों को अपनी फसल बेच दी। किसानों ने अपनी मक्का और धान बिजिनापल्ली के शिवाजी और अरविंद तथा मंगनूर गांव के हसन नामक एजेंटों को बेची थी। कुछ किसानों को नकद भुगतान किया गया, जबकि अन्य को 50,000 रुपये से 2 लाख रुपये तक के पोस्ट-डेटेड चेक दिए गए थे, लेकिन बाद में ये चेक बाउंस हो गए और भुगतान नहीं मिला।

बताया गया कि एजेंटों के कार्यालय बंद पाए गए और उनका कोई पता नहीं चला, जिससे किसानों में चिंता और आक्रोश फैल गया। कुछ दिन पहले शादनगर में एजेंटों में से एक हसन की हत्या के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। इसके बाद शिवाजी और अरविंद के भी फरार होने की खबरें आईं, जिससे किसानों को ठगी का शक और मजबूत हो गया। पीड़ित किसानों ने सोमवार को जिला कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी खरीद में देरी के कारण ही उन्हें मजबूरी में निजी एजेंटों पर निर्भर होना पड़ा।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 37 लाख की ठगी

100 प्रतिशत मुनाफे का झांसा देकर कराया निवेश

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गौलीडोड्डी क्षेत्र में रहने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से साइबर ठगों ने खुद को सेबी (भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड) से अधिकृत शेयर बाजार विश्लेषक बताकर 37 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। आरोपियों ने शेयर बाजार में निवेश पर 100 प्रतिशत गारंटीड मुनाफा दिलाने का दावा किया और इसी झांसे में फंसाकर पीड़ित से बड़ी रकम निवेश करा दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित वर्ष 2022 से शेयर बाजार में निवेश कर रहा था। इसी वर्ष फरवरी में उसके पास बिलाल और मयंक नाम के दो व्यक्तियों के फोन आए। दोनों ने खुद को सेबी द्वारा अधिकृत मार्केट एनालिस्ट बताया और कहा कि यदि वह उनकी सलाह के अनुसार शेयर बाजार में निवेश करेगा तो उसे 100 प्रतिशत तक लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि उनकी सिफारिशें पूरी तरह सुरक्षित और लाभदायक हैं।

आरोपियों की बातों पर विश्वास करते हुए सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने उनकी सलाह के आधार पर अलग-अलग शेयरों में 37 लाख रुपये से अधिक का निवेश कर दिया। लेकिन कुछ समय बाद बाजार में भारी गिरावट आने से उसकी पूरी निवेश राशि डूब गई और उसे लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। जब पीड़ित ने निवेश में हुए नुकसान के बारे में बिलाल और मयंक से संपर्क कर जवाब मांगा, तो दोनों ने किसी भी तरह की जिम्मेदारी लेने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में होने वाले नुकसान के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसके बाद पीड़ित को शक हुआ कि सेबी से अधिकृत सलाहकार होने का दावा करने वाले लोग वास्तव में साइबर ठग थे, जिन्होंने फर्जी पहचान और झूठे वादों के जरिए उसके साथ धोखाधड़ी की है। इसके बाद उसने साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि लोग शेयर बाजार में निवेश करने से पहले किसी भी व्यक्ति या संस्था की विश्वसनीयता की अच्छी तरह जांच करें। केवल गारंटीड मुनाफे का लालच देकर निवेश कराने वाले लोगों से सावधान रहें और बिना सत्यापन के किसी के कहने पर बड़ी रकम निवेश न करें। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

देशव्यापी गौहत्या प्रतिबंध और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू और मुस्लिम धार्मिक नेताओं, बुद्धिजीवियों और सांप्रदायिक सद्भाव के पैरोकारों ने मिलकर बने संगठन हिंदुस्तानी गौ रक्षा समिति (एचजीआरएस) के सदस्यों ने केंद्र सरकार से देशव्यापी, कानूनी रूप से बाध्यकारी गौहत्या प्रतिबंध लागू करने और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की है। एचजीआरएस के नव निर्वाचित अध्यक्ष विजयविहारम रमना मूर्ति ने सोमवार को हैदराबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार से सवाल किया कि यदि वह गाय संरक्षण को लेकर गंभीर है तो अब तक संवैधानिक संशोधन क्यों नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह धारणा गलत है कि गायों की हत्या के लिए केवल मुसलमान जिम्मेदार हैं, और सरकार से पूछा कि भाजपा शासित राज्यों में गोमांस निर्यात सबसे अधिक क्यों है।

एचजीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष मीर इनायत अली बाकरी ने देशभर में गोमांस निर्यात करने वाली सभी कंपनियों को बंद करने की मांग की और सभी मवेशियों के व्यापक संरक्षण की आवश्यकता बताई। महासचिव मौलाना हकीम सूफी सैयद शाह ने केंद्र सरकार से अपील की कि प्रत्येक गांव और कस्बे में मृत गायों के अंतिम संस्कार के लिए उचित भूमि और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। संगठन के मानद सलाहकार रौनक यार खान ने एचजीआरएस के गठन को समाज में सद्भाव और एकता को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मौलाना डॉ. सैयद आसिफ उमरी, मानद सलाहकार और सिख प्रतिनिधि मनप्रीत सिंह, उपाध्यक्ष विजया शंकरस्वामी, डेविड पॉल (ईसाई प्रतिनिधि) सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मानसून तैयारियों का जायजा लेने हिमायत सागर बांध पहुंचे डीसीपी श्रीनिवास

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के तहत राजेंद्रनगर जोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) एस. श्रीनिवास ने रविवार को हिमायत सागर बांध और उसके आसपास के क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ राजेंद्रनगर थाना प्रभारी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बांध की वर्तमान स्थिति, जलस्तर और संभावित बाढ़ प्रबंधन उपायों की समीक्षा की। बताया गया कि हर वर्ष मानसून के दौरान अधिक जल प्रवाह की संभावना को देखते हुए स्थानीय विधायक द्वारा परंपरागत रूप से बांध का एक गेट एक फुट तक खोलकर पानी छोड़ा जाता है। इसी परंपरा के तहत राजेंद्रनगर के विधायक टी. प्रकाश गौड़ ने 28 जून को एक गेट खोलकर पानी छोड़ा था। डीसीपी एस. श्रीनिवास ने कहा कि यदि भारी वर्षा के कारण हिमायत सागर बांध अपनी पूर्ण जल भंडारण क्षमता तक पहुंच जाता है, तो अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए बांध के सभी 17 गेट खोलने पड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में बांध के जलग्रहण क्षेत्र तथा आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के आसपास रहने वाले लोगों को संभावित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और किसी भी प्रकार की दुर्घटना या असुविधा से बचने के लिए सभी आवश्यक मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन किया जाए। डीसीपी ने संवेदनशील और जोखिम वाले क्षेत्रों में पर्याप्त एवं स्पष्ट बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नागरिकों और संबंधित विभागों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य करें। पुलिस और प्रशासन मानसून के दौरान हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

विदेश नौकरी का झांसा देकर 31.42 लाख रुपये की ठगी

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक 30 वर्षीय महिला कथित तौर पर एक कंसल्टेंसी के झांसे में आकर लगभग 31.42 लाख रुपये गंवा बैठी, जिसने उसे यूके का कुशल श्रमिक वीजा और विदेश में रोजगार दिलाने का वादा किया था। फिल्म नगर निवासी शिकायतकर्ता ने ब्रिटेन में नौकरी पाने के लिए ऐन ओवरसीज कंसल्टेंसी से संपर्क किया। कंसल्टेंसी के प्रतिनिधियों (जिनकी पहचान दीप्ति और रूफस वेलेटी के रूप में हुई है) ने कथित तौर पर उसे यूके का स्किल्ड वर्कर वीजा और स्पॉन्सरशिप सर्टिफिकेट दिलाने का आश्वासन दिया। इन वादों पर भरोसा करते हुए महिला ने अलग-अलग किश्तों में कुल लगभग 31.42 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। लेकिन बाद में उसका वीजा आवेदन खारिज कर दिया गया और उसे यह भी बताया गया कि उस पर 10 वर्षों के लिए ब्रिटेन में प्रवेश प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके बाद महिला ने जुबली हिल्स पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कंसल्टेंसी के प्रतिनिधियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

ढाई साल में विधानसभा भंग करने की कोई आवश्यकता नहीं

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने की हरीश राव पर तीखी टिप्पणी

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के हालिया बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं की टिप्पणियां हताशा और आक्रोश को दर्शाती हैं। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना की जनता ने सरकार को पांच साल का जनादेश दिया है, ऐसे में ढाई साल में विधानसभा भंग करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि जब सरकार अभी अपने कार्यकाल में काम कर रही है तो विपक्ष बार-बार चुनाव की मांग क्यों कर रहा है।

बीआरएस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में हुए सभी चुनावों में जनता ने अपना स्पष्ट फैसला दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जनता के फैसले को स्वीकार नहीं कर पा रहा है और अनावश्यक बयानबाजी कर रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार के कामकाज को लेकर आलोचना होना सामान्य है, लेकिन कुछ नेता व्यक्तिगत स्तर पर जाकर टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों का वे हर बार जवाब नहीं देंगे, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर कड़ा जवाब दिया जाएगा। भाजपा पर भी हमला बोलते हुए मंत्री ने कहा कि वह सत्ता को लेकर अतिरिक्त उम्मीदें लगाए बैठी है, जबकि हाल के चुनाव परिणामों में उसका प्रदर्शन कमजोर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस कई मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ अप्रत्यक्ष रूप से खड़े दिखाई देते हैं। कालेश्वरम परियोजना और अन्य मामलों की जांच को लेकर मंत्री ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो सरकार जांच एजेंसियों के माध्यम से कार्रवाई करेगी, लेकिन सरकार का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिशोध नहीं है। किसान योजनाओं पर जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि किसान भरोसा योजना के तहत धनराशि अगले एक सप्ताह में किसानों के खातों में जमा कर दी जाएगी, और यह भुगतान अपेक्षा से पहले पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इंदिरम्मा आवास योजना के तहत अब तक 18 विधानसभा क्षेत्रों में 23 स्थानों की पहचान की गई है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि नई राजस्व डिवीजनों के गठन का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है। भूमि मूल्य निर्धारण को लेकर उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी गलत तरीके से अधिक मूल्य निर्धारित हुआ है, तो सरकार उसे सुधारने के लिए तैयार है और तांडूर क्षेत्र में ऐसी त्रुटि को पहले ही ठीक किया जा चुका है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, T Aruna, W/o, No. 14659133F, Hav, Ravikumar Tamminana, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from T Aruna to Tamminana Revathi, vide Affidavit No. BU 316224 dt. 25.06.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Kintali Ramya, W/o, No. 17014594K, NK, Kintali Satish, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from Kintali Ramya to Nakkalla Ramya, vide Affidavit No. BU 316223 dt. 25.06.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, JC 756654X, Ex Sub Maj, Hony Capt, MD Abdur Rokib SK, R/o, Dist: Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my Daughter's name from Salma Khatoon to Salma Sultana vide Affidavit No. BU 316227 dt. 25.06.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

इस्कॉन राधा मदनमोहन मंदिर की स्वर्ण जयंती

15 से 18 अगस्त तक होंगे विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (आईएसकेकॉन) का प्रबंधन आबिड्स में स्थित राधा मदनमोहन मंदिर की स्वर्ण जयंती मनाने की विशेष तैयारी कर रहा है। यह मंदिर इस वर्ष अपने 50 वर्ष पूरे कर रहा है और इसके उपलक्ष्य में 15 से 18 अगस्त तक चार दिवसीय भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। राधा मदनमोहन मंदिर का निर्माण वर्ष 1976 में नामपल्ली रेलवे स्टेशन रोड के पास आबिड्स में किया गया था। इसका उद्घाटन इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद और तत्कालीन आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जलगम वेंगला राव ने किया था।

इस्कॉन के एक पदाधिकारी राघवेंद्र यादव ने बताया कि मंदिर में गौरा-निताई, जगन्नाथ, बलदेव, सुभद्रा और राधा मदन-मोहन के विग्रह स्थापित हैं। यहां प्रतिदिन पूजा, आरती और विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में शाम 4 बजे से 9 बजे तक विशेष कार्यक्रम होंगे। इनमें रेत कला प्रस्तुति, जगन्नाथ, स्मारक फिल्म, नृत्य नाटक, कॉफी टेबल बुक का विमोचन और 50 के बाद आगे क्या? विषय पर विजन प्रस्तुति शामिल रहेगी। कार्यक्रम में सुदर्शन यज्ञ (15 अगस्त), पुष्प अभिषेक (16 अगस्त), छप्पन भोग (17 अगस्त) और महा अभिषेक (18 अगस्त) जैसे विशेष धार्मिक आयोजन भी किए जाएंगे। इसके अलावा शोभा यात्रा, भजन संध्या और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। प्रबंधन ने बताया कि इस अवसर पर 5 लाख से अधिक थाली प्रसाद वितरण की योजना है और कार्यक्रम में सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

अधूरे वादों को पूरा करने को लेकर कांग्रेस का सामना करें : बंडी संजय

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोमवार को जनता से पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस नेताओं को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। वारंगल में भाजपा के मतदान बूथ अध्यक्षों की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत योजनाओं, एक कोच फैक्ट्री और एक कपड़ा पार्क सहित शहर के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की है। कांग्रेस और बीआरएस दोनों पर विकास निधि के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए, बंडी संजय ने दावा किया कि कुप्रबंधन के कारण वारंगल में मामूली बारिश के बाद भी बाढ़ का खतरा बना रहता है।

उन्होंने कहा कि आगामी नगर निगम चुनावों में महापौर पद मिलने पर भाजपा वास्तविक विकास प्रदर्शित करेगी। पार्टी की जमीनी ताकत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना भर में भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के विकास को गति दे रहे हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि भगवा पार्टी वारंगल नगर निगम पर कब्जा कर लेगी। उन्होंने बीआरएस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में चुनावी ताकत की कमी है और हाल के चुनावों में उम्मीदवार उतारने में उसे काफी संघर्ष करना पड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा विकास और सुशासन के प्रति प्रतिबद्ध है और उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस सरकारों के प्रदर्शन की तुलना भाजपा के प्रदर्शन से की।

युवक को 20 साल की सजा

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर स्थित विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने सोमवार को एक पीओसीएसओ मामले में 25 वर्षीय युवक को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी पर 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया और पीड़िता को 1 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया। पुलिस के अनुसार, सादगी वेंकटेश उर्फ सादुला वेंकटेश ने एक नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई बार यौन उत्पीड़न किया था। पुलिस ने पीड़िता का पता लगाकर मौखिक, दस्तावेजी और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए और भारतीय दंड संहिता तथा पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं में आरोप पत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

तेजस्वी यादव बिना सोचे-समझे कुछ भी बोल देते हैं

भाजपा ने तो सोच पर ही उठा दिए सवाल

पटना/नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव द्वारा चुनाव के दौरान महिलाओं के खातों में 10 हजार रुपये बांटे जाने को रिश्वत बताए जाने पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया था कि चुनाव जीतने के लिए यह पैसा दिया गया और इसे अब श्मशान घाटों से वसूला जाएगा।

तेजस्वी यादव बिना सोचे समझे दे रहे बयानः दिलीप जायसवाल

तेजस्वी यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि कुछ नेता बिना सोचे-समझे बयान देने के आदी हो गए हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे नेता मुद्दाविहीन हैं और विकास की चर्चा करने के बजाय अनर्गल बयानबाजी करते हैं। दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार में सरकार गरीबों के कल्याण और विकास कार्यों पर ध्यान दे रही है, ऐसे में इस तरह के उटपटांग बयान देना उचित नहीं है।

तेजस्वी यादव पर बीजेपी का तीखा तंज

वहीं, कानून व्यवस्था पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि तेजस्वी यादव को कानून और व्यवस्था के बीच अंतर समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दोनों अलग-अलग विषय हैं, लेकिन विपक्षी नेता अक्सर इन्हें मिलाकर भ्रम पैदा करते हैं, जिससे उनकी समझ पर सवाल खड़े होते हैं।

मन की बात पर भी बोले बीजेपी के मंत्री

इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का भी जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सोना न खरीदने और ईंधन का समझदारी से उपयोग करने को लेकर की गई अपील का देश में सकारात्मक असर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने विदेशी उत्पादों की खरीद में कमी की है और स्थानीय उत्पादों को अधिक महत्व देना शुरू किया है। इसी तरह सोना-चांदी की खपत को लेकर भी प्रधानमंत्री की अपील का असर देखा जा रहा है।

राहुल गांधी हास्यास्पदः भाजपा

पश्चिम बंगाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रत्येक राज्य सरकार को अपने स्तर पर कानून बनाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इससे पहले उत्तराखंड जैसे राज्यों में भी इस दिशा में कदम उठाए गए हैं, इसलिए राज्य सरकारें अपने-अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

इसी बीच दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुमशुदा के पोस्टर लगाए जाने को लेकर उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी वैसे भी हास्यास्पद हैं। राहुल गांधी के बारे में लोग हास्यास्पद ही सोचा करते हैं, इसीलिए इस तरह के पोस्टर लगे होंगे।'

बिहार के 15 जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश

दरभंगा में मंदिर पर गिरी बिजली, गुंबद टूटा अंदर मौजूद 25 श्रद्धालु बाल-बाल बचे

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। बिहार में मानसून एक्टिव है। सोमवार को बांका, बेतिया, बगहा, कटिहार, खगड़िया, छपरा, रोहतास, कैमूर, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, आरा, सहरसा, मधुबनी और बक्सर में सुबह बारिश हुई। दरभंगा में पिछले डेढ़ घंटे से तेज बारिश हो रही है।

जिले के होरलपट्टी गांव में जलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के गुंबद पर आकाशीय बिजली गिरने से अफरा-तफरी मच गई। घटना के वक्त मंदिर में करीब 25 श्रद्धालु पूजा कर रहे थे। राहत की बात है कि सभी श्रद्धालु बाल-बाल बच गए।

वहीं, पटना में कई दिनों के बाद मौसम बदला है। राजधानी में सुबह तेज धूप के बाद अचानक काले बादल छा गए। दिन में अंधेरा छा गया है। तेज हवा के चलते गर्मी से राहत मिली। वहीं पटना के कुछ इलाकों में बारिश भी हुई।

राबड़ी ने फिर मांगी बंगले के सामान की लिस्ट

कहा- चीजों का मिलान जरूरी, आवास खाली करने के लिए 5 जुलाई तक वक्त मिले

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव ने सोमवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास खाली कर दिया है। अब वे 1 पोलो रोड स्थित अपने आवास में शिफ्ट हो गए हैं। बंगला खाली करने के नोटिस का आज आखिरी दिन है। इस बीच राबड़ी देवी के आप्त सचिव ने भवन निर्माण विभाग को लेटर लिखकर 5 जुलाई तक आवास खाली करने का वक्त मांगा है। 5 जुलाई को ही राजद का स्थापना दिवस भी है।

पूर्व सीएम राबड़ी देवी की ओर से जो भवन निर्माण विभाग को चिट्ठी लिखी गई है, उसमें कहा गया है कि विभाग की तरफ से चार्ज रजिस्टर उपलब्ध नहीं करवाया जा सका है।

इस रजिस्टर में उन सभी सामानों की लिस्ट दर्ज है, जिन्हें इस बंगले में शिफ्ट होते वक्त राबड़ी देवी को उपलब्ध करवाया गया था। ये चार्ज रजिस्टर राबड़ी देवी को साल 2006 में उपलब्ध करवाया गया था। राबड़ी देवी ने इस लेटर के जरिए चार्ज रजिस्टर दोबारा से उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि सामानों के मिलान में किसी तरह का कन्फ्यूजन न हो।

इधर, तेज प्रताप यादव राबड़ी आवास पहुंचे। जब मीडिया उनके पास पहुंची, तो उन्होंने खुद वीडियो बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, ये लोग सम्राट चौधरी के आदमी हैं। मेरी हत्या कराने की साजिश रच रहे हैं। भवन निर्माण विभाग ने लालू फैमिली को 22 जून को अंतिम नोटिस जारी करते हुए सात दिनों के भीतर आवास खाली करने का निर्देश दिया था। ऐसे में आज सरकारी आवास खाली करने की समय-सीमा का आखिरी दिन है। इससे पहले भी चार बार नोटिस भेजे जा चुके हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 29 जून तक आवास खाली नहीं होने पर बिहार सरकारी परिसर अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। सरकार पहले ही यह बंगला मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित कर चुकी है, लेकिन राबड़ी देवी के कब्जे में होने के कारण नए आवंटी को अब तक इसका कब्जा नहीं मिल सका है।

बर्थ-डे पार्टी से लौट रहे 3 दोस्तों की मौत

100 की स्पीड में 2 स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर, गाड़ी में फंसी बॉडी

बेगूसराय, 29 जून (एजेंसियां)। बेगूसराय में NH-31 फोरलेन पर दो स्कॉर्पियों की आमने-सामने की टक्कर हुई है। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। हादसे में दोनों गाड़ी में सवार 12 लोग घायल हैं। घटना सिंघौल थाना क्षेत्र की है।

मृतकों की पहचान ऋषभ कुमार (24), सन्नी कुमार (24) और हिमांशु कुमार (22) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक रविवार रात हिमांशु के दोस्त का जन्मदिन था। पार्टी में 6 युवक शामिल हुए। इसके बाद सभी रात करीब 12:30 बजे एक स्कॉर्पियो से गंगा स्नान करने के लिए सिमरिया चले गए। स्कॉर्पियो सन्नी चल रहा था। वो एक्साइज थाने का प्राइवेट ड्राइवर भी था। सभी दोस्त अभी सिंघौल थाना से कुछ ही आगे बढ़े थे की अंग्रेजी ढ़ाले के पास रॉन्ग साइड से आ रही एक स्कॉर्पियो से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

हादसे के वक्त दोनों गाड़ियों की स्पीड 100 से ज्यादा थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।

हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां ऋषभ, सन्नी और हिमांशु को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। इधर, सभी युवक जब काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने फोन करना शुरू किया। तब पुलिस से हादसे की जानकारी मिली। जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे।

पंजाब चुनाव में जदयू ने यूं ही नहीं मारी एंट्री

नीतीश का ख्वाब पूरा करने की ख्वाहिश

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। चुनावी जंग के जरिए जनता दल यू केवल विधायकों की संख्या के पीछे नहीं भाग रही है। जदयू सूत्रों की माने तो पार्टी एक नई लड़ाई के मुहाने पर आ गई है। इस जंग में संगठन को और आगे ले जाने का लक्ष्य शामिल है। ये जंग या तो पार्टी विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रही है या फिर जनता दल यू को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने की ओर उठाया गया नया कदम है? झारखंड, मणिपुर के बाद जेडीयू का अगला लक्ष्य पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 बनने जा रहा है। दरअसल राष्ट्रीय पार्टी का ख्वाब नीतीश कुमार ने बहुत पहले देखा था और अब ये पूरी पार्टी की ख्वाहिश बन गई है। कैसे जनता दल यू को मिलेगा राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा और क्या है इसके लिए रणनीति? समझिए।

श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब में नीतीश कुमार

दरअसल वर्ष 2027 में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जनता दल यू का अगला अखाड़ा पंजाब बनने जा रहा है। पंजाब जदयू के प्रदेश अध्यक्ष मालवेंद्र सिंह बेनीपाल के बयान पर भरोसा करें तो जदयू पंजाब में विधानसभा की 117 सीटों में जदयू 45 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। कारण बताया जा रहा है कि जनता दल यू का विशेष प्रभाव पंजाब के जनमानस पर काबिज है। सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के 350 वें प्रकाश पर्व के दोषरहित और अभूतपूर्व आयोजन के कारण राज्य के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार भी पंजाब से अच्छी उम्मीद लगाये बैठे हैं।

क्या है देश के राज्यों में जदयू की राजनैतिक स्थिति?

वैसे तो जनता दल यू का विशेष प्रभाव बिहार में है। वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव में जदयू ने 85 विधानसभा सीटों पर परचम लहराया था। यह वर्ष 2020 विधानसभा चुनाव के 43 सीटों से 42 सीट ज्यादा है। वर्तमान में बिहार से बाहर अन्य राज्यों की विधानसभाओं में जनता दल (यूनाइटेड) का झारखंड में केवल 1 विधायक हैं। मणिपुर विधानसभा में सितंबर 2022 में पार्टी के 6 में से 5 विधायकों के भारतीय जनता पार्टी में विलय के बाद मणिपुर में भी अब जेडीयू का केवल 1 विधायक बचा है।

आसमानी बिजली ने ली महिला की जान

6 लोग बुरी तरह से जख्मी, बिगड़े मौसम का कहर

सीतामढ़ी, 29 जून (एजेंसियां)। जिले में सोमवार को करीब 11 बजे आंधी के साथ बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत तो मिली है, पर बारिश के साथ वज्रपात होने से एक की जान चली गई। वहीं मौके पर मौजूद आधा दर्जन लोग झुलस कर जख्मी हो गए। एक घटना जिले के बेला थाना क्षेत्र, तो दूसरी घटना बोखड़ा प्रखंड की है। बेला में धान की रोपनी के दौरान, तो बोखड़ा के खेलने के दौरान बच्चे वज्रपात के शिकार बने।

बेला थाना क्षेत्र के नरगां गांव में सोमवार की सुबह 10- 11 बजे बीच तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इसी दौरान वज्रपात होने से 40 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं झुलस कर बेहोश हो गईं, जिन्हें ग्रामीणों के सहयोग से सीएचसी, परिहार पहुंचाया गया।

डॉक्टर ने इलाज के बाद बताया कि सभी जख्मी खतरे से बाहर हैं। जख्मी की पहचान राम प्रवेश पासवान की पत्नी गीता देवी, बच्चू पासवान की पत्नी फुलो देवी, उमेश पासवान की पत्नी सोनावती के रूप में हुई है। इधर, मृतका की पहचान थाना क्षेत्र के नरंगा गांव के राज नारायण की पत्नी गीता के रूप में की गई है। ये सभी महिलाएं धान की रोपाई करने गांव सरेह में गई थी। इसी बीच बारिश होने लगी। बारिश होने पर इन सबने एक झोपड़ी में शरण लेने की कोशिश की, तभी बिजली गिरने पर उसकी चपेट में आ गईं। उधर, बोखड़ा प्रखंड के बलुआहा गांव में बिजली गिरने से से तीन बच्चियां जख्मी हो गईं, जिसमें निजामुद्दीन की पुत्री पुत्री मंतशा (12), आएशा (06) और तनवीर की पुत्री आफिया (05) शामिल हैं। बताया गया है कि तीनों बच्चियां आम के बगीचे में खेल रही थीं। तभी वहां बिजली गिरी और तीनों उसकी चपेट में आ गईं।

सूचना मिलते ही प्रमुख सुधीर कुमार साह और बनौल मुखिया कुमारी अर्चना के प्रतिनिधि सिकंदर यादव समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे और तीनों को सीएचसी, बोखड़ा में भर्ती कराया।

अखिलेश बोले- भाजपा के एजेंडे में सरकारी नौकरी नहीं

युवा नाराज हैं, सरकार बनी तो फेक एनकाउंटर की जांच कराएंगे

प्रयागराज, 29 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा- भाजपा के एजेंडे में सरकारी नौकरी नहीं है। वह युवाओं की नाराजगी की परवाह नहीं कर रहे हैं। यूपी में 20 हजार से ज्यादा प्राइमरी स्कूल बंद हो गए। लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। सरकार परीक्षा नहीं करा पा रही है। सरकार पूरी तरह फेल है।

अखिलेश ने कहा- युवा पीढ़ी नाराज है। भाजपा वाले जानते हैं कि युवाओं की नाराजगी को वह अपनी संस्थाओं की मदद से दूर कर लेंगे। वोट खिलाफ भी पड़ेगा तो बाद में संस्थाओं के माध्यम से खरीद लेंगे। इसलिए वह नौकरी नहीं देना चाहते हैं। उन्हें युवाओं की नाराजगी से मतलब नहीं है।

अखिलेश ने कहा कि यूपी में बड़े पैमाने पर फेक एनकाउंटर हुए हैं। समाजवादी पार्टी ने लगातार इसके खिलाफ आवाज उठाई है। पीड़ित परिवार की मदद की है। कानूनी लड़ाई भी लड़ी है। सपा की सरकार आने पर सभी फेक

एनकाउंटर की जांच कराई जाएगी। सपा मुखिया 'विजन इंडियाः प्लान, डेवलप, एसेंट' कार्यक्रम के तहत रेडिसन होटल में आयोजित चर्चा के दौरान बोल रहे थे। वह इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। यहां पेपर लीक, भर्ती, शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश ने कहा- यह चर्चा फैलाई जा रही थी कि यूपी में नवंबर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। सरकार विभिन्न एजेंसियों के जरिए सर्वे कराकर जनता का रुख जानने की कोशिश कर रही थी। पता चला कि प्रदेश में किसानों के लिए डीएपी और खाद की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। सरकार किसानों की जरूरत के मुताबिक खाद उपलब्ध नहीं करा पाएगी। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ सकती है। गेहूं की बुवाई के समय जब डीएपी और खाद की मांग बढ़ेगी, तब सरकार के पास पर्याप्त इंतजाम नहीं होंगे। इसी वजह से सरकार गेहूं की फसल के सीजन से पहले चुनाव कराने की तैयारी कर रही थी, ताकि खाद की कमी का मुद्दा चुनाव में न बन सके। जो लोग 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की बात कर रहे थे। वह पंचायत चुनाव भी नहीं करा पा रहे हैं।

अखिलेश ने कहा- भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर प्राइमरी स्कूल बंद किए जा रहे हैं। चाहते हैं कि बच्चे पढ़े-लिखे नहीं। जागरूक न हों। लोग रूढ़िवादी बने रहें। सामंतवादियों के नीचे रहें। वर्चस्ववादियों के सामने सम्मानजनक जीवन न जी सकें। इसलिए लगातार सरकार शिक्षा को गरीब से दूर करती जा रही है।

पेपर लीक रोकने के लिए सरकार की नियत साफ होनी चाहिए

भविष्य में पेपर लीक की घटनाएं रोकने के लिए सरकार की नियत साफ होनी चाहिए। यदि सरकार ईमानदारी से काम करे तो पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। अगर कहीं पेपर लीक की घटना होती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सरकार बनने पर शिक्षा को बेहतर किया जाएगा।

रोजगारपरक बनाया जाएगा। टेक्नोलॉजी को जोड़ा जाएगा। ज्यादा इन्वेस्टमेंट कैसे आए, उस दिशा में बड़े पैमाने पर हम लोग काम करेंगे। विजन इंडिया कार्यक्रम में जो चर्चा हुई है, शिक्षा अच्छी होगी, परीक्षा सच्ची होगी तो तरक्की पक्की होगी।

ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्रैश, सिक्स लेन हाइवे के पास हादसा

कासगंज, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कासगंज में ट्रेनी एयरक्राफ्ट के क्रैश होने का मामला सामने आया है। कासगंज में सोमवार को यह मामला सामने आया है। यह हादसा पुलिस लाइन के पीछे सिक्स लेन हाइवे के पास हुआ। विमान के उड़ा रही महिला ट्रेनी पायलट इस दुर्घटना में घायल हुई हैं।

मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोग और प्रशासन की टीम पहुंची। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। वहीं, दुर्घटना के कारणों की जांच भी शुरू की गई है। कासगंज में सोमवार को एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट के क्रैश होने का मामला सामने आया। अचानक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दौरान महिला ट्रेनी पायलट विमान उड़ा रही थी। वह भी हादसे का शिकार हो गई। विमान हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम ने घायल पायलट को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। वहां पर प्राथमिक उपचार के बाद पायलट को बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर किया गया है।

विमान के अचानक नीचे की तरफ गिरते ही लोगों का ध्यान इस तरफ गया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग विमान गिरने वाले स्थान की तरफ भागे। सिक्स लेन हाइवे के पास विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस-प्रशासन की टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। लोगों को घटनास्थल से दूर किया गया। अभी विमान दुर्घटना के कारणों की जानकारी सामने नहीं आई है।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का 5 देशरत्न मार्ग में गृह-प्रवेश

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार अब आधिकारिक तौर पर 5 देशरत्न मार्ग में गृह प्रवेश किया है। आज पूर्णिमा का शुभ दिन है। आज सोमवार को पूरे परिवार के साथ नए आवास में गृह प्रवेश और पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस मौके पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे और पूजा में शामिल हुए। करीब 10 मिनट तक कार्यक्रम में मौजूद रहने के बाद वह अपने सरकारी आवास 7 सर्कुलर रोड के लिए रवाना हो गए।

निशांत कुमार इस आवास में नहीं रहेंगे, यहां पर सिर्फ उनके स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा काम होगा, कार्यालय होगा।

30 अप्रैल 2026 को बिहार सरकार ने सीएम आवास '1, अणे मार्ग' का दायरा बढ़ाया। बगल वाला बंगला '5 देशरत्न मार्ग' को भी सीएम आवास का हिस्सा बना लिया। संयुक्त सचिव-सह-भू-संपदा पदाधिकारी शिव रंजन ने आदेश जारी कर कहा कि 5 देशरत्न मार्ग का पुराना आवंटन रद्द कर दिया गया है। अब यह स्वतंत्र बंगला नहीं रहेगा, बल्कि इसे 1 अणे मार्ग के 'विस्तारित हिस्से' के रूप में जाना जाएगा। इस फैसले को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाया है।

शादी वाले घर में महिला की गोली मारकर हत्या

15 नकाबपोश घर में घुसे, लूटपाट की, तलवार से हमला किया, दुल्हन बोली-चाचा ने सब कराया

जमुई, 29 जून (एजेंसियां)। जमुई में शादी वाले घर में अचानक 10 से 15 नकाबपोश घुस गए। उनके हाथों में तलवार, धारदार हथियार और पिस्टल थी। बदमाशों ने घर वालों पर तलवार से वार किया। गहने लूटने के दौरान जो बीच में आया उस पर गोली भी चलाई।

इस घटना में एक महिला की गोली लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान दुल्हन की चाची बेबी देवी (35) के रुप में हुई है। दुल्हन की मां को भी पैर में गोली लगी है। इस घटना में घर के 6 लोग घायल भी हुए हैं। घटना झाझा थाना क्षेत्र के दादपुर गांव में रविवार रात की है।

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को झाझा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल बेबी देवी, सुहागा देवी, काजल कुमारी, कोमल कुमारी और सुबोध कुमार को सदर अस्पताल, जमुई रेफर किया गया।

1 जुलाई को इस घर में शादी होनी थी। मृत महिला बेबी के पति उमेश यादव के मुताबिक 1 जुलाई को छोटे भाई दिनेश की बेटी की शादी होनी है। रविवार की रात सारा परिवार छत पर सोया था। अचानक हमारे भाई वासुदेव यादव ने हमारे घर का दरवाजा खोला और उसके साथ 15 की संख्या में नकाबपोश बदमाश घर के अंदर घुस गए।

दुल्हन काजल का कहना है, मेरे चाचा और मां ने बदमाशों को गहने लूटने से मना किया तो अपराधियों ने फायरिंग की। गोलबारी में मेरी चाची की मौत हो गई जबकि मां सुहागा देवी को पैर में गोली लगी है। गोली चलने और चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सभी बदमाश बाइक से फरार हो चुके थे।

दुल्हन के चाचा दिनेश यादव ने बताया कि काजल की शादी 1 जुलाई को होनी थी, जिसके लिए वे खरीदारी करने झाझा बाजार गए थे। ये हमला हमारे बड़े भाई भाई वासुदेव यादव ने जमीन बंटवारे के विवाद को लेकर करवाया है।

परिजनों ने बताया है कि वासुदेव यादव, सुभाष यादव और मनोज यादव समेत अन्य कई लोगों को पहचान लिया है। परिजनों के अनुसार वासुदेव यादव हमारे घर से दूर योगियाटीला गांव में रहता है, लेकिन घटना को अंजाम देने के लिए वो अपने साथियों के साथ पिछले पांच दिन से यहीं रह रहा था। घटना की सूचना पर झाझा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। SI दीपक कुमार ने अस्पताल पहुंचकर घायलों और परिजनों से पूछताछ की।

जंगल छूटा, जड़ी-बूटी का ज्ञान भी भूला

सोनभद्र, 29 जून (एजेंसियां)। कभी जंगलों की दुर्लभ जड़ी-बूटियों की पहचान और पारंपरिक उपचार पद्धति के लिए दूर-दूर तक सम्मान पाने वाला दुद्धी क्षेत्र का बैगा समुदाय आज अपनी पुश्तैनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। जंगलों में बढ़ती पाबंदियों, वन कानूनों की सख्ती और आजीविका के घटते अवसरों ने इस समुदाय को मनरेगा जैसी योजनाओं में दिहाड़ी मजदूरी करने के लिए मजबूर कर दिया है। इसके साथ ही पीढ़ियों से संजोया गया अमूल्य औषधीय ज्ञान भी धीरे-धीरे विलुप्त हो रहा है।

बैगा समुदाय के बुजुर्ग बताते हैं कि एक समय था, जब वे जंगलों से औषधीय पौधे और जड़ी-बूटियां एकत्र कर बीमार लोगों का उपचार करते थे। उनकी पहचान केवल वैद्य के रूप में नहीं, बल्कि जंगल और प्रकृति के गहरे जानकार के रूप में भी होती थी। यही ज्ञान उनकी आजीविका, सम्मान और सांस्कृतिक विरासत का आधार था, लेकिन वन संरक्षण संबंधी नियमों के सख्त होने, जंगलों में आवाजाही और जड़ी-बूटियां एकत्र करने पर बढ़ी निगरानी के कारण उनका यह पारंपरिक पेशा लगभग खत्म हो गया। रोजगार के सीमित विकल्पों के बीच अब अधिकांश बैगा परिवार मनरेगा और अन्य दिहाड़ी कार्यों पर निर्भर हैं, जहां उन्हें प्रतिदिन करीब 200 से 300 रुपये की मजदूरी मिलती है। समुदाय के लोगों का कहना है कि नई पीढ़ी अब जंगलों की औषधीय पहचान सीखने के बजाय मजदूरी को ही अपना भविष्य मान रही हैं। इससे सदियों से चली आ रही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति और लोकज्ञान तेजी से विलुप्त होता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वन संरक्षण और आदिवासी समुदायों के पारंपरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

'सांसद भोले सिंह को जानते हो, ताऊ हैं हमारे'

फॉर्च्यूनर सवार युवक ने पुलिसवाले को धमकाया, बोला- बहुत वीडियो बनाने का शौक है

कानपुर, 29 जून (एजेंसियां)। कानपुर में रविवार रात नशे में धुत फॉर्च्यूनर सवार युवकों ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट करने लगे। जबरन कार में बैठाने लगे। मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने बीच-बचाव कर वीडियो बनाना शुरू किया तो धमकाना शुरू कर दिया।

पुलिसवाले की तरफ बढ़ते हुए बोला- सांसद भोले सिंह को जानते हो। ताऊ हैं हमारे। अभी बात कराते हैं। हालात बिगड़ते देखकर पुलिसवाले ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। वायरलेस सेट पर कहा- सर, तुरंत फोर्स भेजिए। ये लोग बवाल कर रहे हैं। बदतमीजी कर रहे हैं। मार रहे हैं। गाड़ी में भरकर ले जा रहे हैं।

दबंग ने फिर कहा- बहुत वीडियो बनाने का शौक है, क्या नाम है तुम्हारा? इस पर कॉन्स्टेबल ने जवाब दिया- नेमप्लेट पर लिखा है। पढ़ लो। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना वीआईपी रोड स्थित ग्रीनपार्क चौराहे की है, जिसका वीडियो अब सामने आया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सफेद रंग की फॉर्च्यूनर (यूपी 78 एचवी 6007) डीजी कॉलेज की ओर से आ रही थी। कार में 4-5 लोग सवार थे। वीआईपी रोड स्थित ग्रीनपार्क चौराहे पर मोड़ पर फॉर्च्यूनर की टक्कर से बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा। कार सवार नीचे उतरे और कहासुनी करने लगे। हाथापाई करने लगे।

'सर... तुरंत फोर्स भेजिए, ये लोग मार रहे हैं'

शोर सुनकर आसपास के लोग और ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। युवक को छुड़ाया। हंगामा बढ़ता देखकर ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने वायरलेस सेट पर अतिरिक्त पुलिस बल मांगा। वीडियो बनाने लगे तो दबंग भड़क गए। पुलिसवाले की तरफ बढ़कर धमकाने लगे। सड़क पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। बाद में आरोपी अपनी कार लेकर फूलबाग की ओर फरार हो गए।

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया- 28 जून को एक वीडियो सामने आया था कि कुछ लोगों में आपस में विवाद हुआ था। अभी तक पीड़ित कोई सामने नहीं आया है। हालांकि, पुलिस ने अपनी तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया है। जो दोषी हैं, उन्हें चिह्नित किया जा रहा है।

देवेंद्र सिंह उर्फ भोले सिंह भाजपा के वरिष्ठ नेता और कानपुर देहात की अकबरपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं। जन्म 2 अप्रैल 1954 को औरैया जिले के मधवापुर गांव में हुआ था। 1991 और 1996 में डेरापुर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए।

अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने पर राजी

कतर में फिर बातचीत, होर्मुज से जहाजों का निकलना जारी रहेगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 29 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले 3 दिनों से हमले जारी थे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। इसी सिलसिले में मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे। समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि ईरान ने जवाब में कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद दोनों देशों ने फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोककर बातचीत के जरिए समाधान तलाशने पर सहमति जताई है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि कतर में फंसी ईरान की 12 अरब डॉलर की राशि में से 6 अरब डॉलर जल्द जारी कर दिए जाएंगे। कॉम शहर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि यह अमेरिका के साथ हुए हालिया समझौते का बड़ा नतीजा है और बाकी फ्रीज फंड वापस लाने के प्रयास भी जारी हैं। उन्होंने कहा कि तेल और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र पर लगे प्रतिबंध हटाए जाने से देश की अर्थव्यवस्था को भी राहत मिलेगी।

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर अब आम लोगों की जिंदगी पर भी दिखने लगा है। ईरान के प्रमुख बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में जरूरी सामानों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर सुबह नए दामों के साथ दिन शुरू होता है, जिससे घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

होर्मुज स्ट्रेट के किनारे बसे इस शहर में मछुआरे सुरक्षा कारणों से समुद्र में जाने से डर रहे हैं। ऑटो रिपेयर का काम करने वाले लोगों का कहना है कि स्पेयर पार्ट्स और अन्य सामानों की कीमतें रोज बढ़ रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का प्रभाव लगातार कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि जहाजों से शुल्क वसूलने के ईरान के प्रस्ताव को अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिला और इस मुद्दे पर तेहरान पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वॉल्ट्ज ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब ऐसी तेल पाइपलाइन का विस्तार कर रहे हैं, जो होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं गुजरती। इससे ईरान का दबाव बनाने का असर कम होगा। वॉल्ट्ज ने दावा किया कि चीन भी होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि ओमान ने इस व्यवस्था के लिए जरूरी ढांचा तैयार करने में ईरान का साथ देने से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी राजदूत ने कहा कि अगर ईरान अपना रवैया नहीं बदलता तो वह पूरी तरह बर्बादी के रास्ते पर जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का धैर्य हमेशा नहीं रहेगा।

इजराइल ने दावा किया है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग शुरू होने के बाद ईरान की ओर से साइबर हमलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। इजराइल के नेशनल साइबर डायरेक्टरेट के प्रमुख योसी करादी ने कहा कि पिछले एक साल में ऐसे हमले करीब तीन गुना बढ़ गए हैं।

राज्यसभा के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ली सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को संसद भवन में राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। वे कर्नाटक से पुनर्निर्वाचित होकर संसद के उच्च सदन में पहुंचे हैं। भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मल्लिकार्जुन खड़गे के शपथ ग्रहण के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा तथा कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मल्लिकार्जुन खड़गे वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ-साथ राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष की भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। हाल ही में कर्नाटक से निर्विरोध पुनर्निर्वाचित होने के बाद यह उनका नया कार्यकाल है, जिससे वे उच्च सदन में विपक्ष का नेतृत्व जारी रखेंगे। सोमवार को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ग्रहण के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, उन्हें एक बार फिर राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने का अवसर मिला है। उन्होंने इसे अपने लिए गर्व और बड़ी जिम्मेदारी का विषय बताते हुए कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष के रूप में उच्च सदन में जनता की आवाज बुलंद करने के अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

उन्होंने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन तथा उपसभापति हरिवंश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस नेतृत्व विशेष रूप से सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के सांसदों, पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन और संसदीय सेवा की उनकी लंबी यात्रा में सभी का विश्वास और समर्थन उनकी सबसे बड़ी शक्ति रहा है।

उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर नेताओं विशेषकर इंडिया गठबंधन और व्यापक विपक्ष के सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी मानसून सत्र में विपक्ष पहले से अधिक समन्वय के साथ कार्य करेगा और सरकार को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने का प्रयास करेगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष का सबसे बड़ा दायित्व देश की जनता की समस्याओं, आकांक्षाओं और आवाज को पूरी ईमानदारी, दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ संसद में उठाना है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि वे इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करते रहेंगे। अपने संदेश का समापन उन्होंने जय बापू, जय भीम, जय संविधान जय हिंद के साथ किया। गौरतलब है कि इस से पहले बीते सप्ताह 25 जून को राज्यसभा सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित 10 सदस्यों को राज्यसभा सदन में शपथ एवं प्रतिज्ञान दिलाया था।

विभिन्न राज्यों के सांसद कई सांसदों ने अपनी मातृभाषा में यह शपथ ली थी। जिन सांसदों ने 25 जून को राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली है उनमें प्रवीण चक्रवर्ती, देवाशीष सामंतराय, सना सतीश बाबू, विजय चिंतकायाला, भाष्यम राम कृष्ण, लिंगामनेनी रमेश, राजेश परमानंद शुक्ला, बैद्यनाथ राम, परिमल नथवानी और ताई टागाक शामिल रहे।

वेदांत और सीबीएससी फिर आमने-सामने

आरोप लगाया- दोबारा जांच में मेरे नंबर नहीं बढ़े, सीबीएसई बोला- ये सरासर झूठ

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सीबीएसई बोर्ड और स्टूडेंट वेदांत श्रीवास्तव के बीच एक बार फिर सोशल मीडिया पर 12वीं क्लास के री-वैल्यूएशन रिजल्ट को लेकर विवाद शुरू हो गया है। बता दें की मई में वेदांत ने सीबीएसई के ओएसएम (ऑन स्क्रीन मार्किंग) सिस्टम की खामी को सोशल मीडिया के जरिए बताया था। दरअसल सीबीएससी ने सब्जेक्ट वाइज जारी की आंसर कॉपी में वेदांत की फिजिक्स की गलत यानी, किसी और स्टूडेंट की कॉपी अपलोड की थी। बाद में सीबीएससी ने गलती मानकर उसे ठीक कर दिया था। हाल ही में सीबीएससी ने उन्हीं का री-वैल्यूएशन रिजल्ट जारी किया है। इस रिजल्ट में स्टूडेंट वेदांत ने एक बार फिर आरोप लगाया है कि फिजिक्स सब्जेक्ट में उनके कोई भी नंबर नहीं बढ़े हैं। वेदांत के आरोप के बाद सीबीएसई ने उनके आरोप को खारिज किया और अपने क्लेरिफिकेशन में कहा कि ये आरोप सरासर झूठ' है। उनके दावों में फेक्चुअली कोई सच्चाई नहीं है। सीबीएसई ने कहा- री-इवैल्यूएशन प्रोसेस के बाद वेदांत के कुल 11 नंबर बढ़े हैं। बोर्ड के मुताबिक, वेदांत के मैथ्स में 46 से 47, कंप्यूटर साइंस में 61 से 62 और मुख्य विवाद वाले विषय फिजिक्स में 35 से बढ़कर सीधे 44 नंबर (9 नंबर) मिले हैं। वेदांत ने इस सफाई के बाद सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर बोर्ड के दावे को एक बार फिर खारिज कर दिया है। वेदांत के मुताबिक, री-इवैल्यूएशन में 9 नंबर नहीं बढ़े हैं, बल्कि एक्चुअल (असली) मार्क्स होने की वजह से ये स्कोर बढ़ गया है। गलत कॉपी में फिजिक्स में 35 नंबर थे,जो असली आंसर शीट में 44 हैं।

'पानी हमारी रेड लाइन है . . .'

सिंधु जल संधि पर भारत के सख्त रुख से घबराया पाकिस्तान, जहर उगला

इस्लामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत को एक बार फिर युद्ध की धमकी दी है। इस बार पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को एकतरफा तौर पर न तो बदला जा सकता है और ना ही रद्द किया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि पाकिस्तान के लोगों को इस 'कानूनी' रूप से लागू संधि के तहत सिंधु नदी के जल पर अधिकार है और यह संधि अभी भी लागू है। भारत ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। इसी को लेकर पाकिस्तान बिलबिलाया हुआ है और लगातार भारत को धमकियां दे रहा है।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान का क्या दावा है?

तरार ने कहा कि दुनिया ने माना है कि पाकिस्तान के लिए जल सुरक्षा महत्वपूर्ण है और देश का इस पर अधिकार है। उन्होंने दावा किया, कानूनी तौर पर, पाकिस्तान के रुख को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन मिला है, क्योंकि सिंधु जल संधि को एकतरफा तौर पर रद्द, खत्म या उसमें बदलाव नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि ने स्पष्ट रूप से एक ढांचा तैयार किया था, जो मौजूद है और लागू है। तरार ने भारत को धमकी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने कई बार कहा है कि पानी हमारी जीवन रेखा है, और पानी ही हमारी रेड लाइन भी है।

पाकिस्तान के इस बड़बोले मंत्री ने कहा, हमारे लोगों का पानी पर अधिकार एक ऐसी कानूनी रूप से लागू संधि के माध्यम से है जिसे दोनों देशों ने स्वीकार किया था, जो आज भी लागू है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को इस्लामाबाद में एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा, जिसमें संधि के तहत पाकिस्तान के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा, दुनिया भर से जल और कानूनी विशेषज्ञ सेमिनार में भाग लेंगे। उन्होंने दोहराया कि विशेषज्ञों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के अधिकारों को स्वीकार किया है। उन्होंने दावा किया, यह नैरेटिव के मामले में पाकिस्तान की जीत है कि पूरी दुनिया सिंधु जल संधि पर उसके नैरेटिव और रुख को मान रही है।

सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली के पानी के बंटवारे के लिए 19 सितंबर 1960 को हुआ एक द्विपक्षीय समझौता है। सिंधु जल संधि में विश्व बैंक ने मध्यस्थता की थी। इस संधि पर तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे।

सिंधु जल संधि के तहत सिंधु नदी प्रणाली की पूर्वी नदियां रावी, ब्यास और सतलुज के पानी का पूर्ण उपयोग भारत को सौंपा गया था। सिंधु जल संधि के तहत सिंधु नदी प्रणाली की पश्चिमी नदियां सिंधु, चिनाब और झेलम के पानी का मुख्य अधिकार पाकिस्तान को दिया गया था।

कुदाल चलाते हुए मजदूर को मिला चमकता पत्थर

पन्ना, 29 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पन्ना में गरीब आदिवासी की किस्मत फिर से पलट गई है। काफी मेहनत के बाद राजू आदिवासी को एक बेशकीमती हीरा मिला है। उसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। हीरा मिलने का बाद राजू आदिवासी ने इसे हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है। नीलामी के बाद उसका भुगतान किया जाएगा।

हीरा नगरी पन्ना में फिर एक बड़ा हीरा मिला है। इस बार अहिरगवां की एक निजी खदान से राजू आदिवासी नाम के मजदूर को 11 कैरेट 19 सेंट का उज्ज्वल किस्म का बेशकीमती हीरा मिला है। जानकारी के मुताबिक राजू आदिवासी रोज की तरह अपनी पट्टे की खदान में मिट्टी खोद रहा था। तभी उसे एक चमकता हुआ पत्थर दिखा।

शक होने पर उसने साफ किया तो उसकी आंखें चमक उठीं। यह उज्ज्वल किस्म का हीरा निकला। खुशी से झूमते हुए राजू सीधे पन्ना हीरा कार्यालय पहुंचा और हीरा जमा करवा दिया। हीरा पारखी ने हीरे की जांच की। वजन 11 कैरेट 19 सेंट निकला। क्वालिटी उज्ज्वल किस्म की बताई जा रही है। इसकी अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से ऊपर आंकी गई है। असली कीमत नीलामी के बाद ही तय होगी। पन्ना हीरा कार्यालय में जमा कराते समय राजू आदिवासी के चेहरे की खुशी देखने लायक थी। उसने बताया कि कई सालों से खदान में किस्मत आजमा रहा था। आज मेहनत रंग लाई। नीलामी से मिलने वाली राशि से वह अपने बच्चों को पढ़ाएगा और पक्का मकान बनाएगा।

गौरतलब है कि पन्ना जिले में अक्सर बड़े हीरे निकलते रहते हैं। पिछले महीने भी 8 कैरेट का हीरा मिला था। हीरा कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि नियमानुसार हीरे की नीलामी की जाएगी।

नौकरी के लिए भारत के पास टैलेंट तैयार नहीं

74वें स्थान पर देश, प्रियंका चतुर्वेदी ने शिक्षा मंत्री की लगा दी क्लास

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने एक बार फिर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की क्लास लगा दी। उन्होंने कहा कि भारत में स्किल गैप बहुत ज्यादा हो गया है। नौकरी के लिए हमारे पास टैलेंट तैयार नहीं हैं। हमारे शिक्षा मंत्री किसी भी काम को करने के लिए पूरी तरह अक्षम हैं।

बुधवार को जारी QS वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2026 के अनुसार वर्कफोर्स की तैयारी के मामले में भारत 74वें स्थान पर पहुंच गया है और ह्यूमन कैपिटल के मामले में 73वें स्थान पर पहुंच गया है, जो आर्थिक तेजी और नौकरी के लिए तैयार टैलेंट के बीच अंतर को दिखाता है। अब इस मामले को लेकर शिवसेना

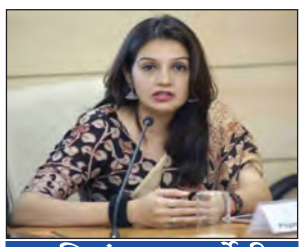

प्रियंका चतुर्वेदी

(यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को घेरा है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान को अक्षम तक करार दे दिया। उन्होंने कहा कि नौकरी के लिए तैयार टैलेंट के मामले में भारत बहुत पीछे है। हमारे शिक्षा मंत्री अपने काम में अक्षम हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत में स्किल गैप (कौशल की कमी) बहुत ज्यादा है। हमारे पास AI-आधारित भविष्य का फायदा उठाने का मौका है, लेकिन हम नौकरी के लिए तैयार टैलेंट के मामले में पीछे हैं। हमारे शिक्षा मंत्री अपने काम में अक्षम हैं और हम तेजी से सुधार करने के लिए स्किल मिनिस्ट्री को काफी प्राथमिकता नहीं देते हैं।

जून 2026 में जारी क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2027 में भारत ने वैश्विक स्तर पर 13वां स्थान हासिल किया है। भारत ने 100 में से 89.4 के समग्र स्कोर के साथ यह उपलब्धि प्राप्त की। इस सूचकांक में संयुक्त राज्य अमेरिका पहले, ऑस्ट्रेलिया दूसरे और यूनाइटेड किंगडम तीसरे स्थान पर है।

इसके अलावा जर्मनी चौथे, कनाडा पांचवें, दक्षिण कोरिया छठे स्थान पर है। भारत दक्षिण एशिया और निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में सर्वोच्च स्थान पर रहा। भारत ने 'आर्थिक क्षमता' श्रेणी में 100 में से 100 अंक हासिल कर वैश्विक स्तर पर पहला स्थान हासिल किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की लंबे समय के कॉम्पिटिटिवनेस के लिए, एआई-ऑगमेंटेड (AI की मदद से होने वाले) और AI-ऑटोमेटेड (AI से खुद-ब-खुद होने वाले) कामों के बीच संतुलन बनाना बहुत जरूरी होगा।

4 साल की बच्ची की हत्या

नदी किनारे मिला शव, शादी में आई थी, पिता बोले- हत्यारे को सख्त सजा मिले

जौनपुर, 29 जून (एजेंसियां)। जौनपुर में एक 4 साल की बच्ची का शव सोमवार सुबह करीब 11 बजे झाड़ियों में पड़ा मिला। वह अपनी नानी के घर शादी समारोह में शामिल होने आई थी। बारात आने के बाद द्वारचार चल रहा था, तभी बच्ची अचानक लापता हो गई। घरवाले तलाश करते रहे, उसका कुछ पता नहीं चला। सोमवार सुबह गांववालों ने सई नदी के किनारे बच्ची का शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जहां शव मिला, वह जगह बच्ची के ननिहाल से करीब 600 मीटर दूर है। बच्ची ने सफेद रंग की फ्रॉक पहन रखी थी।

10वीं के छात्रों के लिए बड़ा फैसला

सीबीएसई बोर्ड ने जारी की तीन भाषा नीति की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली , 29 जून (एजेंसियां)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर बड़ा बदलाव किया है। बोर्ड की नई गाइडलाइंस के अनुसार मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों को अब तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। इस फैसले से लाखों छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। आइए समझते हैं नई गाइडलाइंस के बारे में विस्तार से।

नई गाइडलाइंस के अनुसार मौजूदा कक्षा 10 के छात्रों पर यह नई त्रिभाषा नीति लागू नहीं होगी। इसके अलावा कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे मौजूदा छात्रों को आगे चलकर कक्षा 10 में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। जिन छात्रों ने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी हैं, वे उन्हें जारी रख सकते हैं, लेकिन उनके साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा पढ़ना भी जरूरी होगा।

नई थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के अनुसार छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भाषाएं भारतीय भाषाएं होना जरूरी है। तीसरी भाषा के रूप में गैर-भारतीय भाषा भी चुनी जा सकती है, लेकिन शर्त यही है कि बाकी दो भाषाएं भारतीय हों।

कक्षा 10 (2026-27) के मौजूदा छात्रों के लिए कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्हें तीसरी भाषा की पढ़ाई या बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी और वे पुराने सिस्टम के अनुसार ही पढ़ाई जारी रखेंगे। वहीं कक्षा 9 के सभी छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा। इनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी है, जबकि तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, अरबी या स्पेनिश जैसी गैर-भारतीय भाषा भी चुनी जा सकती है।

सीबीएसई का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कई भारतीय भाषाओं में दक्ष बनाना और भाषा सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना है, ताकि उनकी शिक्षा संतुलित और समग्र रूप से विकसित हो सके। बोर्ड चाहता है कि भाषा सीखना केवल एक विषय न होकर एक सार्थक, रोचक और ज्ञानवर्धक अनुभव बने, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद करे।

बांग्लादेश ने मोंगला पोर्ट चीन को सौंपा

क्या भारत की सीमा के नजदीक ड्रैगन की मौजूदगी खतरे की घंटी?

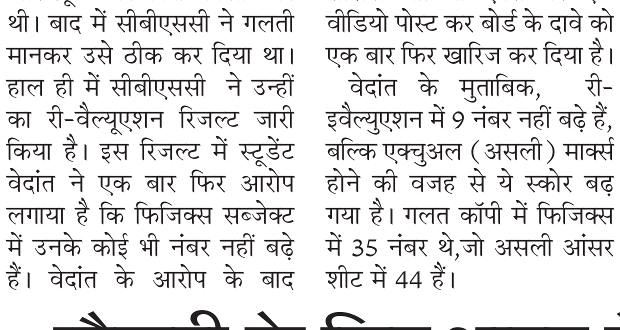

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने रणनीतिक रूप से अहम मोंगला बंदरगाह चीन को सौंपने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के चीन दौरे पर इसे लेकर समझौता भी हो गया है। यह समझौता ढाका और बीजिंग के रणनीतिक और आर्थिक संबंधों में आ रहे महत्वपूर्ण बदलावों को दिखाता है। समझौते के तहत चीन की सरकारी कंपनी, मोंगला बंदरगाह को विकसित करेगी। साथ ही इस प्रोजेक्ट के तहत चीन बागेरहाट में मोंगला बंदरगाह के करीब 110 एकड़ भूमि को भी आर्थिक जोन के रूप में विकसित करेगा, जहां इलेक्ट्रोनिक्स कंपनियां बनेंगी। मोंगला बंदरगाह को विकसित करने की जिम्मेदारी पहले भारत को मिली थी और साल 2015 में इसे लेकर तत्कालीन शेख हसीना सरकार और भारत के बीच एक करार भी हुआ था। साल 2018 में भारत सरकार ने हीरानंदानी ग्रुप को मोंगला बंदरगाह को विकसित करने का ठेका दिया। हालांकि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हो गया और आश्चर्यजनक तौर पर अक्तूबर 2024 में ही तत्कालीन मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के साथ समझौता रद्द कर दिया। अब उसी प्रोजेक्ट को बांग्लादेश ने चीन को सौंप दिया है। मोंगला बंदरगाह पर चीन की मौजूदगी उसकी हिंद महासागर में रणनीतिक मौजूदगी को और विस्तार दे सकती है।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत

समाधान योजना की अवधि 3 महीने बढ़ी, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। मुख्यमंत्री बिजली समाधान योजना की अवधि तीन महीने के लिए एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। इस बात की घोषणा खुद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की है। इस योजना की अवधि पहले 30 जून तक थी। लेकिन अब इसे तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को योजना के बारे में घोषणा की। सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का लाभ अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों के कई उपभोक्ता नहीं ले पाए हैं। इसलिए ग्रामीणों की मांग पर इस योजना को 3 महीने के लिए बढ़ा रहे हैं, ताकि

कोई भी पात्र उपभोक्ता इस योजना के लाभ से वंचित न रहे।

सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का लाभ शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ताओं ने लिया है लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता अभी भी वंचित रह गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए इस योजना की अवधि को 3 महीने के लिए बढ़ाया जा रहा है। अब यह योजना 30 सितंबर तक प्रभावी रहेगी। समाधान योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं की तीन श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। जिनमें 31 मार्च 2023 की स्थिति में निष्क्रिय उपभोक्ता, सक्रिय एकल बत्ती कनेक्शनधारी उपभोक्ता तथा सक्रिय अशासकीय घरेलू एवं अशासकीय कृषि उपभोक्ता शामिल हैं।

उपभोक्ताओं को विद्युत देयक जमा करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में अधिभार की राशि में 100 प्रतिशत छूट तथा मूल बकाया राशि में 75 प्रतिशत तक छूट का प्रावधान है। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को सबसे पहले पंजीयन कराना होगा।

जसपाल राणा के 50वें जन्मदिन पर मां की मौत

बेटे के जाने के 16 दिन बाद ली अंतिम सांस, उन्हें कैंसर था

देहरादून, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के दिग्गज निशानेबाज और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित दिवंगत कोच जसपाल राणा के निधन के 16 दिन बाद उनकी मां श्यामा राणा का भी रविवार शाम निधन हो गया। वे लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थीं और दिल्ली के आरआर अस्पताल में भर्ती थीं। जसपाल राणा का 12 जून को जर्मनी के म्यूनिख से लौटते समय फ्लाइट में तबीयत बिगड़ने के बाद निधन हो गया था। परिवार ने उनकी गंभीर बीमारी को देखते हुए उन्हें जसपाल राणा के निधन की जानकारी नहीं दी थी। वे अंतिम समय तक बेटे से मिलने की इच्छा जताती रहीं।

28 जून को जसपाल राणा का 50वां जन्मदिन था और उसी दिन शाम करीब आठ बजे उनकी मां ने भी अंतिम सांस ली। कुछ ही दिनों में मां-बेटे के निधन से परिवार गहरे सदमे में है। पारिवारिक मित्र मयंक मारवाह ने बताया कि श्यामा राणा के निधन की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य और करीबी दिल्ली पहुंच गए।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 30 जून - 2026

संवाद का मार्ग चुने विश्व

अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर बढ़ता तनाव पूरी दुनिया के लिए गहरी चिंता का विषय बन गया है। युद्धविराम की उम्मीदों के बीच जिस तरह दोनों देशों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए और सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए, उससे स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया अभी भी बारूद के ढेर पर बैठा है। किसी भी छोटी चूक, गलत आकलन या आक्रामक प्रतिक्रिया का परिणाम केवल इन दोनों देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी भारी कीमत चुकाएगी। ऐसे समय में संयम, संवाद और कूटनीति ही वह रास्ता है, जो इस संकट को व्यापक युद्ध में बदलने से रोक सकता है। महाशक्तियों की वास्तविक शक्ति उनके हथियारों में नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में संयम, विवेक और दूरदर्शिता दिखाने की क्षमता में निहित होती है। यदि अमेरिका स्वयं को वैश्विक नेतृत्वकर्ता मानता है, तो उससे यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह शक्ति प्रदर्शन के बजाय शांति स्थापना को प्राथमिकता दे। वहीं, ईरान को भी यह समझना होगा कि हर सैन्य जवाब क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा करता है। प्रतिशोध की राजनीति अंततः किसी पक्ष की विजय नहीं, बल्कि मानवता की पराजय सिद्ध होती है। इतिहास ने बार-बार साबित किया है कि युद्ध की शुरुआत आसान होती है, लेकिन उसका अंत और उसके दुष्परिणाम दशकों तक समाज और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। इस संघर्ष का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देता है। पश्चिम एशिया दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है। जैसे ही वहां तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आ जाती है। इसका सीधा प्रभाव भारत जैसे आयातक देशों पर पड़ता है। महंगा ईंधन परिवहन लागत बढ़ाता है, जिससे खाद्य पदार्थों, उद्योगों और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ने लगते हैं। इसलिए यह संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर देश के आर्थिक संतुलन को प्रभावित करता है। भारत अमेरिका और ईरान दोनों के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक तथा आर्थिक संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर खाड़ी देशों में लाखों भारतीय कार्यरत हैं। ऐसे में किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष का प्रभाव भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और विदेशी मुद्रा पर पड़ सकता है। यही कारण है कि भारत की संतुलित, स्वतंत्र और बहुपक्षीय विदेश नीति आज पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। भारत को शांति, संवाद और कूटनीतिक समाधान का समर्थन जारी रखना चाहिए। पूरा घटनाक्रम संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। कभी वैश्विक शांति का सबसे मजबूत मंच माना जाने वाला यह संगठन आज अपेक्षित प्रभाव के लिए तरस रहा है। जब बड़ी शक्तियां अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और नियमों की अनदेखी करने लगती हैं, तब वैश्विक व्यवस्था कमजोर पड़ने लगती है। संयुक्त राष्ट्र को केवल औपचारिक बयान जारी करने तक सीमित रहने के बजाय अधिक सक्रिय, निष्पक्ष और प्रभावी मध्यस्थ की भूमिका निभानी होगी, ताकि संभावित युद्ध को समय रहते रोका जा सके। इतिहास गवाह है कि अफगानिस्तान, इराक, सीरिया और लीबिया जैसे संघर्षों ने स्थायी समाधान नहीं दिए, बल्कि नई अस्थिरता, मानवीय संकट और आर्थिक विनाश को जन्म दिया। यदि अमेरिका और ईरान भी टकराव का रास्ता चुनते हैं, तो इसका दुष्परिणाम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और मानवीय मूल्यों पर भी गहरा असर पड़ेगा। आज आवश्यकता युद्ध जीतने की नहीं, बल्कि शांति बचाने की है। संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान ही स्थायी समाधान का आधार बन सकता है। महाशक्तियों को यह समझना होगा कि वास्तविक विजय हथियारों से नहीं, बल्कि मानवता की रक्षा से मिलती है। यदि विश्व समुदाय समय रहते संयम, सहयोग और विवेक का मार्ग नहीं अपनाता, तो आने वाला संकट पूरी मानव सभ्यता के लिए कहीं अधिक गंभीर साबित हो सकता है। यही निर्णय आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करेगा।

अति पर्यटन चौपट न कर दे पर्यटन उद्योग को

प्रयाग पाण्डे

भारतीय संस्कृति में अतिथियों को बहुत महत्व दिया गया है। भारत की संस्कृति का प्राचीन सिद्धांत है- अतिथिदेवो भव। इस कथन में अतिथि को देवताओं के तुल्य माना गया है। अतिथियों का देवता के रूप में सम्मान करने की सलाह दी गई है। आधुनिक पर्यटन के वर्तमान दौर में अनियंत्रित, अनियोजित एवं असंयोजित अति जन पर्यटन ने भारतीय संस्कृति के इस प्राचीन सिद्धांत को अप्रासंगिक बना दिया है। पर्यटक स्थलों की क्षमता से कई गुना अधिक भीड़, घोर बाजारवाद और उपभोक्तावाद ने अतिथि और आतिथ्यकर्ता के मैत्रीपूर्ण व्यवहार में खटास घोल दी है। दोनों के मध्य का सौहार्द गड़बड़ा गया है।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आवागमन से मेहमान और मेजबान के बीच टकराव की घटनाओं में यकायक बढ़ोत्तरी हुई है। पहाड़ के पर्यटक स्थलों में आए दिन पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के बीच छोटी - छोटी बातों पर लड़ाई - झगड़े, गाली - गलौच, मारपीट और हाथापाई जैसी अप्रिय घटनाएं सामने आ रही हैं। अति पर्यटन के कारण उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों में पर्यटकों से संबंधित अपराध बढ़ रहे हैं। पर्यटन कुप्रबंधन के कारण उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों में पचाने की क्षमता नहीं रह गई है। अनियंत्रित पर्यटन ने पहाड़ के आधारभूत सुविधाओं के ढांचे को चरमरा दिया है। बड़ी संख्या में पर्यटकों के आवागमन से पहाड़ की अधिकांश मोटर सड़कें दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट गई हैं। लोगों को घंटों सड़क जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। पहाड़ में एक घंटे के सफ़र में दस घंटे लग रहे हैं। गाड़ियों की भीड़ और जाम से समूचा पहाड़ त्रस्त है। स्थानीय निवासियों की दैनंदिन की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। अति जन पर्यटन से पहाड़ में भौतिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं। वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आने से मेजबान और मेहमान के बीच टकराव बढ़ा है। उत्तराखंड में पर्यटन प्रबंध की माँग और आपूर्ति में सामंजस्य बैठाए बगैर अनियंत्रित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जबकि यहाँ स्थानीय संसाधनों के अनुसार सही प्रबंधन और नियोजित पर्यटन की आवश्यकता है।

जब स्थानीय निवासियों के लिए चलने को सड़क - रास्ते न बचें, बुनियादी सुविधाओं का अभाव हो और स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को नजरअंदाज कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए तो स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति शत्रुता का भाव उत्पन्न होने की आशंका बन जाती है। पर्यटन के इस अनियोजित विकास में स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं की सरासर अनदेखी की जा रही है। सुनियोजित पर्यटन व्यवस्था के लिए स्थानीय क्षमताओं की समझ होना जरूरी है। पर्यटकों की अति भीड़ स्थानीय लोगों के लिए भौतिक एवं सामाजिक बोझ न बने इसके लिए पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता के आधार पर पर्यटकों की संख्या को नियंत्रण में रखना आवश्यक है।

अति पर्यटन से स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति विद्वेष का भाव उत्पन्न हो जाता है, यह स्थिति पर्यटन उद्यम के लिए हितकर नहीं है। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता और उनकी व्यावसायिक उपयोगिता को बनाए रखने के लिए पर्यटकों की संख्या सुनिश्चित करना आवश्यक है।

बेटियां आगे बढ़कर माता-पिता का सहारा बन रही हैं

अशोक भाटिया

विवाह के समय मंडप में होने वाली 'कन्यादान' की रस्म अक्सर विदाई के आंसुओं के साथ एक गहरी उदासी छोड़ जाती है। सदियों से चली आ रही इस परंपरा के शाब्दिक अर्थ 'दान' को लेकर आज के आधुनिक समाज में कई सवाल उठ रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच कन्यादान का मतलब बेटी से माता-पिता के रिश्ते का अंत है? बिल्कुल नहीं। आज के बदलते दौर में इस रस्म के मायने बदल चुके हैं। यह विदाई नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है। सनातन संस्कृति में 'दान' का अर्थ किसी वस्तु को त्यागना होता है, लेकिन बेटी कोई वस्तु नहीं है। पारंपरिक दृष्टिकोण से देखें तो कन्यादान का अर्थ अपनी सबसे अनमोल धरोहर को किसी योग्य व्यक्ति के हाथों में सौंपना है। यह दो परिवारों के बीच विश्वास का एक सेतु है। माता-पिता वर पक्ष को यह विश्वास दिलाते हैं कि जिस बेटी को उन्होंने लाड़-प्यार से पाला है, अब वह उनके घर की खुशियों को बढ़ाएगी। आज के बदलते सामाजिक ताने-बाने में बेटियां शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वतंत्र और मानसिक रूप से सशक्त हैं। वे शादी के बाद भी अपने माता-पिता के प्रति अपनी नैतिक और आर्थिक जिम्मेदारियों को उतनी ही शिद्दत से निभा रही हैं, जितना एक बेटा निभाता है। कई मायनों में तो बेटियां बेटों से आगे बढ़कर अपने बुजुर्ग माता-पिता का सहारा बन रही हैं। ऐसे में कन्यादान को 'बंधन टूटने' के रूप में देखना बेमानी है। यह रस्म वास्तव में माता-पिता द्वारा अपनी सबसे अनमोल धरोहर को एक नए सहयात्री को सौंपने, उस पर भरोसा जताने और दो परिवारों के बीच विश्वास का एक मजबूत सेतु बनाने का प्रतीक है।

जब समाज के सामने ट्वीशा शर्मा जैसे मामले आते है तो समाज सोचने पर मजबूर हो जाता है . ट्वीशा शर्मा एक पूर्व मॉडल और अभिनेत्री थीं, जिनकी 12 मई 2026 को भोपाल स्थित उनके ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनके परिवार ने पति समर्थ सिंह और सास (रिटायर्ड जज) गिरिबाला सिंह पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया है।

ट्वीशा शर्मा जैसे कई मामले ऐसे भी होते हैं, जहां न्याय प्रक्रिया शुरू होती है, कई अपराधी कानून में खामियां ढूंढकर बच जाते हैं, और फिर कोई अपनी राय उठाता है, आलोचना करता है, और साथ ही कहीं दूसरी ट्वीशा शर्मा को इस तरह की अन्याय का सामना करना पड़ता है और एक बार फिर दूसरे पीड़ित की मौत की खबर सामने आती है। लेकिन एक बेटी जीवन भर माता-पिता होती है, उसकी गरिमा, उसकी सुरक्षा और उसका जीवन किसी भी परंपरा से बड़ा होता है। लेकिन गर्भ में जन्म लेने वाली लड़की भी अक्सर शादी के बाद अपने माता-पिता के लिए अजनबी बन जाती है। यह विश्वास अभी भी कई माता-पिता के मन में है। अब आपके ससुराल वाले आपका घर हैं। यह वाक्य उसके जीवन का नियम बन जाता है। सवाल यह है कि क्या शादी एक बेटी को अपने माता-पिता के साथ रहने से रोकती है? आज भी कई शादीशुदा महिलाएं मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक या आर्थिक रूप से पीड़ित रहती हैं और जब वे मदद के लिए अपने माता-पिता के घर आती हैं तो उन्हें अक्सर सहारा देने के बजाय समझ की खुराक दी जाती है। यदि उसे मानसिक, शारीरिक या आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है तो कितने माता-पिता उसके ससुराल वालों के साथ खड़े हैं? यह मेरे ससुर हैं ... कुछ चीजों को सहना पड़ता है..., आपको इसकी आदत हो जाएगी..., थोड़ा समझो... इस समझ के साथ, कई लड़कियों को यातना के उसी माहौल में वापस भेज दिया जाता है। इसे थोड़ा सहन करें, यह हर घर में होता है, लोग क्या कहेंगे?, दुनिया को मत तोड़ो। लेकिन सहना सलाह हमेशा सही नहीं होती है। दुर्भाग्य से, इस तरह के फैसले कुछ लड़कियों को अवसाद, आत्महत्या या संदिग्ध मौत के कगार पर ला सकते हैं। जो माता-पिता समय पर बालिका के साथ खड़े नहीं होते हैं, वे भी अनजाने में स्थिति को मजबूत करते हैं। अक्सर, लड़कियों के प्रति यह सहिष्णुता अपराधियों का हौसला बढ़ाती है। कभी-कभी स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि उसके लिए जीने की तुलना में मौत आसान हो जाती है। लेकिन यह माता-पिता की जिम्मेदारी का अंत नहीं है। सच्ची पेरेंटिंग एक बेटी को मुसीबत में होने पर धैर्यपूर्वक सुनना, उस पर भरोसा करना, उसे एक सुरक्षित वातावरण देना और उसे आवश्यक कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना है। आज की जरूरत लड़कियों को इसे सहन करने के लिए कहने की नहीं है, बल्कि उन्हें आश्वस्त करने की है कि हम आपके साथ हैं क्योंकि दुनिया फिर से उठ सकती है। लेकिन एक बार चले जाने के बाद, जीवन वापस नहीं आता है।

उन्होंने कहा कि भारत ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए दशकों तक कानूनी लड़ाई लड़ी है और यह सुरक्षा आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि पीढ़ियों से महिलाओं की आवाज को दबाया गया है, नजरअंदाज किया गया है, गुमराह किया गया है, आर्थिक बाधाओं के अधीन किया गया है और सामाजिक रूप से शर्मिंदा किया गया है। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था अपने आप में महिलाओं पर दबाव डालने, डराने और उनकी गरिमा को धूमिल करने का एक उपकरण बन सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा, सामाजिक मानदंड, न्याय तक पहुंच में देरी और कानूनों के बारे में अपर्याप्त जागरूकता जैसी समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। यह अभी भी चल रहा है। क्योंकि जो लोग कानूनी व्यवस्था को इतनी अच्छी तरह से जानते हैं, वे कभी-कभी इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। कई आरोपी कानून और कानून की खामियों से बच जाते हैं। त्विशा शर्मा मामले में क्या होता है जब आरोपी कानून से अनभिज्ञ सामान्य लोग नहीं होते हैं, बल्कि कानून या संस्थागत नेटवर्क के गहरे ज्ञान वाले लोग होते हैं; जब अग्रिम जमानत जल्दी मिल जाती है तो लड़ाई अदालतों से बाहर निकल जाती है और सामाजिक दबाव, सबूतों में हेरफेर और सार्वजनिक चरित्र हनन तक पहुंच जाती है। इसलिए जो लोग कानून की खामियों का फायदा उठाना जानते हैं, वे उन्हें हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। तभी आपको एहसास होता है कि यह लड़ाई कितनी असमान हो सकती है। ज्यादातर महिलाओं के लिए अदालत का माहौल पहले से ही डराने वाला है। जब सिस्टम प्रभावशाली लोगों के साथ आम लोगों से अलग व्यवहार करता है, तो न्याय में विश्वास कम होने लगता है। इसका सबसे दुखद हिस्सा यह है कि आज की युवा महिलाएं न केवल खुद से पूछती हैं कि उनके होने वाले पति अच्छे हैं या नहीं, न ही वे पूछती हैं कि वे किस तरह के परिवार में शादी कर रही हैं। क्या मैं वहां सुरक्षित रहूंगा? और अगर कुछ गलत होता है, तो समाज किस पर भरोसा करेगा? भोपाल में तीशा शर्मा और उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में दीपिका की मौत इसका ताजा उदाहरण है।

सफल होते भागीरथी प्रयास

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजस्थान में कहावत है कि जल थोड़ो नेह घणो तो दूसरी और घी मांग्या मळे पण पाणी मांग्या नहीं मळे। यानी राजस्थान में पानी भले ही कम हो पर नेह अर्थात स्नेह खूब है तो दूसरी और राजस्थान में घी आसानी से मिल जाता है पर पानी बहुत कम मिल पाता है। यह आज के नहीं सदियों से चले आ रहे हालात है। मृग मरिचिका की तरह पानी की तलाश में लंबी दूरिया तय करनी पड़ती थी पर आज हालात तेजी से बदल रहे हैं। पानी को लेकर समग्र प्रयास किये जा रहे है। राजस्थान नहर ने जहां पश्चिमी राजस्थान की तकदीर ही बदल दी है वहीं नदियों को जोड़ने या अतरिक्त पानी को संजोने के समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री का पद संभालते ही पानी को लेकर भागीरथी प्रयास शुरु किये और उन प्रयासों ने रंग लाना शुरु कर दिया है। यमुना जल समझौते के साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थानवासियों के लिए पानी की समस्या के समाधान के लिए किये जा रहे भागीरथी प्रयासों की कड़ी में एक और मनका जुड़ गया है। देश के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि राजस्थान पानी की कमी से जूझता प्रदेश है। यहां पर पेयजल सहित पानी की निर्भरता बरसाती पानी को लेकर ही रही है। अत्यधिक दोहन के चलते जहां पानी उपलब्ध भी है तो वहां पर जलस्तर तेजी से नीचे जाता जा रहा है ऐसे में पानी को लेकर समग्र, समन्वित और योजनाबद्ध प्रयास किया जाना जरुरी हो जाता है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर मेमोरण्डम ऑफ एग्रीमेंट एमओए के हस्तांतरण के साथ ही राजस्थान में यमुना जल के 32 साल पुराने सपने के साकार होने की राह प्रशस्त हो गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों का ही परिणाम है कि राजस्थान और हरियाणा के बीच ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच समझौते से खासतौर से शेखावटी के तीन जिले चुरु, झुन्झुनू और सीकर तक यमुना का जल पहुंच सकेगा। इससे इन जिलों की पेयजल और सिंचाई की समस्या का समाधान संभव हो सकेगा। दरअसल 12 मई, 1994 को उपरी यमुना जल बेसिन समझौता हुआ और इसके अनुसार राजस्थान को 10.4 प्रतिशत पानी मिलना था। पर 32 साल बीत जाने के बाद भी यह समझौता धरातल पर उतरने की स्थिति में नहीं आ सका। 29 जून, 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति पर ऐतिहासिक समझौते का परस्पर हस्तांतरण होना अपने आपमें महत्वपूर्ण हो जाता है।

लंबे समय से राजनीतिक आरोप प्रत्यारोपों के बीच राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के साथ ही राजस्थान में पानी की समस्या को दूर करने के लिए भागीरथी प्रयास शुरु कर दिए गए। उसी का परिणाम है कि पहले पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी पर बात बनी और उसके बाद रामजल सेतु लिंक प्रोजेक्ट धरातल पर आना शुरु हुआ। अब यमुना जल समझौते के साथ ही भजनलाल शर्मा के सही मायने में मरुधरा में पानी लाने के भागीरथी प्रयास आकार लेने लगे हैं। भजनलाल शर्मा की पानी को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों गंगा दशहरे से विश्व पर्यावरण दिवस तक वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान समूचे प्रदेश में संचालित किया गया। देखा जाए तो यह दूरदर्शी निर्णय और प्रयास जल संकट से निजात और बर्बाद होते पानी के सदुपयोग की दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए। दरअसल नदियों के बरबाद होते पानी का सही उपयोग तय करने के लिए 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना आरंभ की थी।

यह योजना सिरे से चढ़ती उससे पहले ही 2004 में नई सरकार आते ही इस परियोजना को ठंडें बस्ते में ड़ाल दिया गया। इसके बाद 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जारी रखने के केन्द्र सरकार को निर्देश दिए। राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण द्वारा 44605 करोड़ की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम किया जा रहा है। गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है। यह राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार व केन्द्र से सहमति नहीं बनने के कारण लंबे समय से आगे नहीं बढ़ पा रही थी। ईआरसीपी 13 जिलों, 9 लोकसभा क्षेत्रों और करीब 83 विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी होने के कारण यह परियोजना राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का कारण भी रही। इस परियोजना क्षेत्र में राज्य के झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर जिलों के निवासी लाभान्वित हो सकेंगे। यह कोई छोटा मोटा क्षेत्र नहीं है।

देखा जाए तो ईआरसीपी परियोजना हो या रामजल सेतु लिंक योजना या फिर 29 जून को राजस्थान व हरियाणा के बीच संपन्न यमुना जल समझौता हो कुल मिलाकर इसे एक मुख्यमंत्री के भागीरथी प्रयास के रुप में देखा जा सकता है। पानी को सहेजना समय की मांग है और विशेषज्ञों का यह मानना है कि भविष्य का विश्वयुद्ध पानी को लेकर हो सकता है तो अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान सबसे अधिक चिंता का विषय यह भी रहा है कि कही आपसी लड़ाई में डीसेलाइन स्थानों पर आक्रमण हो गया तो पीने के पानी का गंभीर संकट हो जाएगा। हांलाकि ऐसा नहीं होना अच्छी बात रही है। खैर यह विषयांतर होगा। पर निश्चित रुप से भजनलाल शर्मा के पानी की समस्या हल करने के भागीरथी प्रयासों को देश के अन्य हिस्सों में भी आकार में लाने के ठोस प्रयास किये जाते हैं तो देश में पानी का संकट एक हद तक दूर किया जा सकेगा।

सब कुछ नाम में ही

डॉ टी महादेव राव

शेक्सपियर ने कहा था नाम में क्या रखा है, अगर गुलाब को हम किसी और नाम से बुलाएं तब भी वह वही सुगंध देगा। लेकिन शेक्सपियर को गुजरे कितनी सदियां बीत गईं और इस संसार की नश्वरता में कितना कुछ हो गया और लगातार हो भी रहा है। मैंने एक सज्जन से पूछा, "भाई साहब! नाम में क्या रखा है? आजकल लोग अपने नाम को लेकर उद्वेलित तो हैं ही, पुराने नामों को मिटाकर अपने नाम बेचने पर तुले हैं। आपकी क्या राय है?"

पहले वे सज्जन बोले " मेरे उत्तर के साथ मेरा नाम भी छपेगा न आपके लेख में?" अपना नाम उन्होने बताया "सादगी लाल"। मैं खुश हो गया उनका नाम सुनकर। वे व्याख्यान देने लगे-" आदमी बेनाम पैदा होता है। नामकरण के बाद ही उसका नाम आता है अस्तित्व में। बचपन में चिंकू, पिंटू और गुड्डू होता है जो बाद में जाकर चिरौंजी लाल, परमेश्वर प्रसाद, गोवर्धन कुमार बन जाता है। और अब जहां तक राजनीति की बात है तो कम अक्षरों वाले नाम ज्यादा फेमस हो गए हैं।

"अब पहले के प्रधानमंत्री का प्रभाव ऐसा रहा, जैसा कि वर्तमान प्रधानमंत्री कहते हैं, आज सत्ता हथियाने के दस साल बाद भी उन्हीं का नाम लिया जाता है, उन्हीं के नाम का रोना रोया जाता है । आज अगर ऐसी दुर्गति हो रही है तो उसके कारण हैं वे पुराने चावल। अगर अच्छा हो रहा है तो यह हमारा कमाल है। यह है नाम धरने का नया शगूफा।"सादगी भरे वक्ता से प्रभावित होता हुआ मैं बोला "वह तो ठीक है! पर पुराने नामों का इस्तेमाल आप कर रहे हो कि उन पूर्व महानों की वजह से, उनकी अकुशलता के कारण आज परिस्थितियाँ बुरी बनी हुई हैं, तो उन नामों को मिटाने युद्धस्तरीय कार्य करने के पीछे आपकी मंशा क्या है?" चिंतक भाई सादगी लाल ने कहा " आप शायद सामान्य ज्ञान नहीं रखते। लेकिन बड़े भैया तो कहते हैं नाम गुम जाएगा, चेहरा ये बदल जाएगा (बदल ही रहा है), मेरी आवाज़ ही पहचान है, गर याद रहे। लेकिन इन सबके बावजूद पुराने नाम पुराने चेहरे, अपने भक्तों की भक्ति सागर में तैरते रहने के बाद भी, उनके सपनों में आते हैं और वे अनिद्रा के कारण परेशान हो जाते हैं।"

कुछ रुककर सोचते हुये बोले सादगीलाल जी " मैं तो कहता हूँ राजनीति का पर्याय ही है नाम का चक्कर। आदमी करता है सिर्फ खुद को, स्वयं के नाम को बढ़ाने की और बेचने की कोशिश। और क्या? अब बचपन में बाप ने गाया ही होगा -मेरा नाम करेगा रोशन, जग में मेरा राजदुलारा"

मैं इस ज्ञानी से अभिभूत था, फिर भी पूछ बैठा -" लेकिन आम जनता को नामों से क्या लेना देना? उनके लिए तो महंगाई कम करो, सही सुविधाएं मुहैया करो, तेल, नून, लकड़ी(ईंधन गैस – एल पी जी) सही दामों में मिलती रहे। अब पुराने आठ दस साल के पहले की तुलना में देखा जाये तो महंगाई कितनी बढ़ गई है? प्रचार-प्रसार, यात्रा, भाषण और उद्‌घाटनों पर कितने खरबों खर्च हो रहे हैं। अगर इस धन को जनकल्याण पर लगाया जाये तो नाम तो होगा ही, चुने जाने की वज़ह जो है, काम भी होगा न?"

"आप भी किस जमाने में जी रहे हो? जनता खुश रहेगी तो कौन होगा नामलेवा? हें कौन पूछेगा? नाम का ही महत्व है, वरना लोगों में भूलने की आदत बड़ी तेज़ी से बढ़ रही है। तभी न पुराने नामों को बदनाम करके अपने नाम की तख्ती लगाकर विदेशों में भी अपने नाम को चमकाने की कोशिशें की जा रही हैं। " "तो राम नाम जपना, पराया माल अपना और नामों की फहरिश्त में जीते जी अपना नाम किसी मैदान के लिए रख लेना, पुराने प्रभावी महान नामों को मिटा कर - क्या सही है सादगी लाल जी?" " राजनीति में, सत्ता में कभी कोई मापदंड नहीं माना जाता। सही और गलत की परिभाषाएँ ही नहीं, वे शब्द ही इनके लिए बेमानी है।

ताजिया की आड़ में नफरत दहशत उन्माद का प्रदर्शन कब तक

मनोज कुमार अग्रवाल

मोहर्रम एक मातम मनाने का मौका है लेकिन देश के कई हिस्सों में ताजिया जुलूस की आड़ में दहशत नफरत हिंसा और उन्माद फैलाने का सिलसिला दशकों से जारी है। इस बार भी मोहर्रम और ताजिया जुलूस के मौके पर देश के कई हिस्सों से हिंसक झड़प, पथराव और तनाव नफरत और हथियार प्रदर्शन की घटनाएं सामने आना चिंता जनक है । बिहार के सीतामढ़ी, समस्तीपुर, अररिया, मुजफ्फरपुर और दरभंगा, और उत्तर प्रदेश के वाराणसी और बरेली समेत कई शहरों में जुलूस के दौरान विवाद और अराजकता का माहौल देखने को मिला।बिहार के समस्तीपुर और सीतामढ़ी में ताजिया जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच झड़प और भारी पथराव की घटनाएं हुईं। इसके अलावा, अररिया, मुजफ्फरपुर, कटरा और दरभंगा के कुछ इलाकों में भी तनाव की खबरें सामने आईं, जिसके बाद पुलिस को बल का प्रयोग करना पड़ा। उत्तरप्रदेश के वाराणसी के चेतगंज इलाके में जुलूस के मार्ग को लेकर विवाद और हंगामा हुआ। वहीं, बरेली के एक गांव में ताजिया जुलूस के दौरान नोट उड़ाने को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडे चले। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार ने दावा किया कि राज्य में लगभग 12 हजार जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए और कड़ी सख्ती के चलते कोई दंगा या कर्फ्यू जैसी स्थिति नहीं बनी।

बिहार में उपद्रवी तत्वों ने उपद्रव करने का पूरा प्रयास किया। समस्तीपुर में ताजिया मिलान के दौरान दो पक्षों के बीच जमकर पत्थरबाजी और मारपीट हुई। बीच-बचाव करने पहुंची पुलिस पर भी भीड़ ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।अररिया मोहर्रम के मौके पर जुलूस के दौरान कुछ उपद्रवियों द्वारा पथराव किए जाने की घटनाएं सामने आईं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को शांत करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया।कटिहार में मोहर्रम जुलूस के दौरान नया टोला स्थित महावीर मंदिर पर पथराव किया गया था। इस दौरान कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए और लगभग 20 लोग घायल हो गए थे।जुमेइ में भी जुलूस के दौरान तनाव और झड़पों की खबरें आईं, जिसके बाद पुलिस ने अतिरिक्त बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया।अररिया में जुम्मन ॐ श्शशक में मोहर्रम के अखाड़ों के प्रदर्शन के दौरान दो गुट आपस में भिड़ गए। जमकर हुई पत्थरबाजी में करीब 10-15 लोग घायल हुए। पुलिस ने कुल 45 लोगों को नामजद कर एफआईआर दर्ज की है।सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर में ताजिया जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच नोकझोंक के बाद लाठी-डंडे चले और पथराव हुआ, जिसमें कई लोग घायल हुए।

उत्तर प्रदेश में भी कुछ भाईजान ने नफरत फैलाने की खुराफात की। कानपुर के बजरिया थाना क्षेत्र में मोहर्रम के जुलूस के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे और पथराव से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कई उपद्रवियों को हिरासत में लिया है और मुकदमा दर्ज किया है।प्रयागराज आनापुर इलाके में ताजिया के रास्ते में आने वाली कुछ सीढ़ियों को लेकर विवाद हो गया। रास्ता साफ करने की बात पर हुए टकराव में कुछ लोगों ने पुलिस पर ही पथराव कर दिया। पुलिस ने उग्र भीड़ को नियंत्रित किया और 12 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया।रामपुर के मिलक कस्बे में मोहर्रम का ताजिया जुलूस समाप्त होने के बाद दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश के चलते हिंसक झड़प और पथराव हो गया, जिसमें 6 लोग घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया और जांच शुरू कर दी है।लखीमपुर खीरी ताजिया जुलूस के दौरान एक मंदिर के पास भंडारे को लेकर दूसरे पक्ष से कहासुनी हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और पथराव की घटना हुई। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात करके स्थिति शांत कराई गई।बदायूं में मोहर्रम के जुलूस के दौरान मामूली बात पर पथराव और सड़कों पर तलवारबाजी की घटनाएं सामने आईं। मध्य प्रदेश महाकाल की नगरी उज्जैन के बड़नगर इलाके में मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक कार को क्रेन से लगभग 40 फीट ऊपर उठाया गया. फिर उसे "धमाके से उड़ा दिया गया". अब इस मामले में चार लोगों के खिलाफ पुलिस केस दर्ज किया गया है. अधिकारियों का कहना है कि ये खतरनाक काम स्थानीय अखाड़ों के बीच एक प्रतियोगिता के तौर पर किया गया था, ताकि भीड़ जुटाई जा सके और सोशल मीडिया पर ध्यान खींचा जा सके.पुलिस के मुताबिक, बड़नगर के अदान इलाके से मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था, तभी लोगों की भारी भीड़ के सामने यह स्टंट किया गया. जिस कार पर "ले फिर आ गए" लिखा था, उसे क्रेन से ऊपर उठाया गया. कार में सवार दो युवक लाल झंडे लहरा रहे थे, तभी धुएं, चिंगारियों और टूटे हुए कांच से ऐसा नजारा बना जैसे कोई जबरदस्त धमाका हुआ हो. मौके पर "शेरे अदान अखाड़ा" के पोस्टर भी दिखाई दिए.आपको बता दें कि इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने 'मुहर्रम' का मुख्य उद्देश्य पैगंबर हज़रत मुहम्मद के नवासे, इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में हुई शहादत का शोक और मातम मनाना है।

जब अष्टभैरव ने रोका हनुमानजी का रास्ता!

फिर जो हुआ... देखकर कांप उठे थे सब, मौन थे देवी-देवता

काशी को भगवान शिव की अविनाशी नगरी कहा जाता है। मान्यता है कि यह केवल एक शहर नहीं बल्कि स्वयं महादेव का दिव्य धाम है, जहां हर दिशा की रक्षा अष्टभैरव करते हैं। पौराणिक परंपराओं के अनुसार, काशी में प्रवेश करने वाली प्रत्येक दिव्य शक्ति की परीक्षा लेना अष्टभैरव का दायित्व है। यही कारण है कि एक बार जब भगवान हनुमान काशी पहुंचे, तो अष्टभैरव ने उनका मार्ग रोक लिया। आखिर ऐसा क्यों हुआ? आइए जानते हैं इस रोचक कथा का रहस्य।

भगवान शिव की नगरी काशी कोई साधारण नगर नहीं है, यह विश्व के सबसे प्राचीन और जीवंत शहरों में से एक है। इसे आध्यात्मिक राजधानी मोक्ष का द्वार मानी जाती है। इसे भगवान शिव की शाश्वत भूमि माना जाता है, जिसकी रक्षा अष्टभैरव नामक भयंकर दिव्य रक्षक करते हैं। कोई भी नकारात्मक शक्ति, राक्षस या अज्ञात ऊर्जा उनकी अनुमति के बिना इस पवित्र नगर में प्रवेश नहीं कर सकती। लेकिन फिर एक ऐसा क्षण आया जिसे देखकर सभी देवी-देवताओं भी स्तब्ध कर दिया। जब हनुमानजी काशी पहुंचे, तो कहा जाता है कि अष्टभैरवों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद जो हुआ वह इतना शक्तिशाली था कि पूरा नगर कांप उठा। हनुमानजी ने एक ऐसा दिव्य और भयानक रूप प्रकट किया कि शक्तिशाली भैरव भी मौन हो गए। आइए जानते हैं इस रोचक कथा का रहस्य।

काशी की रक्षा करते हैं अष्टभैरव - धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान भैरव को काशी का कोतवाल कहा जाता है। उनके आठ स्वरूप, जिन्हें अष्टभैरव कहा जाता है, काशी की आठों दिशाओं की रक्षा करते हैं। मान्यता है कि कोई भी देवता, दानव या अदृश्य शक्ति बिना उनकी अनुमति के इस पवित्र क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकती। यह व्यवस्था काशी की दिव्यता और मर्यादा की रक्षा के लिए मानी जाती है।

जब हनुमानजी पहुंचे काशी - लोककथाओं के अनुसार, लंका विजय के बाद हनुमानजी भगवान श्रीराम के आदेश से काशी नगरी भगवान विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे। जैसे ही वे नगर की सीमा पर पहुंचे, अष्टभैरव उनके सामने प्रकट हुए और उनसे उनके आगमन का उद्देश्य पूछा। हनुमानजी ने विनम्रता से उत्तर दिया कि वे भगवान श्रीराम का संदेश लेकर आए हैं और भगवान विश्वनाथ के दर्शन करना चाहते हैं। लेकिन अष्टभैरव केवल शब्दों से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने हनुमानजी की भक्ति, धैर्य और विनम्रता की परीक्षा लेने का निश्चय किया।

हनुमानजी ने दिखाया अपना दिव्य स्वरूप - कुछ पौराणिक कथाओं में वर्णन मिलता है कि जब अष्टभैरव ने उन्हें आगे बढ़ने से रोका, तब हनुमानजी ने अपना विराट तेज प्रकट किया। हनुमानजी के दिव्य स्वरूप से चारों ओर अद्भुत ऊर्जा फैल गई। आकाश अंधकारमय हो गया, पृथ्वी कांप उठी और काशी का आध्यात्मिक कंपन तुरंत बदल गया। कथाओं के अनुसार, वातावरण इतना तीव्र हो गया था कि देवता भी मौन होकर यह सब देख रहे थे। हालांकि अधिकांश परंपराओं में इसे युद्ध नहीं, बल्कि दिव्य शक्तियों की पहचान और परीक्षा का प्रसंग माना गया है।

जब सामने आया सबसे बड़ा सत्य - कथा के अनुसार, अंततः अष्टभैरव को यह स्मरण हुआ कि भगवान हनुमान स्वयं भगवान शिव के रुद्रांश माने जाते हैं। इसलिए उनके और महादेव के बीच कोई भेद नहीं है। यह सत्य ज्ञात होते ही अष्टभैरव ने हनुमानजी का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और उन्हें काशी में प्रवेश की अनुमति प्रदान की। अष्टभैरव की अनुमित के बाद हनुमानजी ने काशी विश्वनाथ के दर्शन किए और काशी में फिर से शांति हो गई। कुछ कथाओं में बताया जाता है कि हनुमानजी में ग्यारह भैरवों की संयुक्त शक्ति थी।
नोटः यह कथा विभिन्न लोकमान्यताओं और पौराणिक परंपराओं पर आधारित है। इस प्रसंग का विस्तृत उल्लेख सभी प्रमुख धर्मग्रंथों में समान रूप से नहीं मिलता, इसलिए विभिन्न क्षेत्रों में इसके अलग-अलग स्वरूप प्रचलित हैं।

संत की दुखी व्यक्ति को सीख

सफलता तभी मिलती है जब हम अपनी ऊर्जा को बिखेरने के बजाय एक दिशा में लगाते हैं, एक समय में एक लक्ष्य बनाना चाहिए

पुराने समय में एक व्यक्ति गरीबी से बहुत दुखी था। उसके पास न अच्छा घर था, न पर्याप्त भोजन और न ही जीवन में कोई स्थिरता। वह अक्सर सोचता कि अगर वह भी किसी धनवान सेठ जैसा बन जाए, तो उसका जीवन सुखी हो जाएगा। एक दिन वह बाजार में एक समृद्ध सेठ को देखता है। सेठ के वस्त्र, उसका सम्मान और उसकी जीवनशैली देखकर उसके मन में गहरी इच्छा पैदा होती है कि उसे भी ऐसा ही बनना है।

उस दिन से वह व्यक्ति केवल धन कमाने की कोशिश में लग जाता है। वह दिन-रात मेहनत करता है, छोटे-मोटे काम करता है, और धीरे-धीरे कुछ पैसा भी जमा कर लेता है, लेकिन जैसे-जैसे उसकी इच्छाएं बढ़ती जाती हैं, वैसे-वैसे उसे यह धन भी कम लगने लगता है। उसे फिर भी संतोष नहीं मिलता। उसका मन फिर से बेचैन और दुखी हो जाता है।

एक दिन उसकी मुलाकात एक विद्वान से होती है। विद्वान शांत स्वभाव का था और जीवन के गहरे अर्थ समझाता था। बातचीत के दौरान वह व्यक्ति अपनी पूरी कहानी बताता है। विद्वान उसे समझाता है कि केवल धन ही सुख का आधार नहीं है, बल्कि ज्ञान और समझ ही असली संपत्ति है। प्रभावित होकर वह व्यक्ति धन का विचार छोड़कर ज्ञान की ओर मुड़ जाता है। वह रोज किताबें पढ़ने लगता है, नए विचार सीखता है और सोचता है कि अब वह ज्ञानी बन जाएगा तो जीवन सफल हो जाएगा। कुछ समय बाद फिर उसका मन भटकने लगता है। एक दिन उसे एक संगीतज्ञ दिखता है, उसे देखकर वह सोचने लगता है कि शायद संगीत सीखने से जीवन अधिक सुंदर बन सकता है। वह संगीतज्ञ से मिलने के बाद संगीत सीखना शुरू कर देता है, लेकिन यहां भी कुछ समय बाद उसका उत्साह कम हो जाता है और वह फिर से असंतुष्ट हो जाता है।अंत में उसकी मुलाकात एक संत से होती है। वह संत को अपनी पूरी कहानी सुनाता है। संत मुस्कुराते हुए कहते हैं कि समस्या धन, ज्ञान या संगीत नहीं है, बल्कि तुम्हारा बार-बार लक्ष्य बदलना है। अगर मन स्थिर नहीं होगा, तो कोई भी मार्ग सफलता तक नहीं ले जाएगा। जीवन में एक ही लक्ष्य चुनकर उस पर लगातार मेहनत करना ही सच्ची सफलता का सूत्र है।

प्रसंग की सीख

जीवन प्रबंधन का सबसे पहला सूत्र है- स्पष्ट लक्ष्य तय करना। जब तक हमें यह स्पष्ट नहीं होगा कि हम क्या बनना चाहते हैं, तब तक हम किसी भी दिशा में सही प्रगति नहीं कर सकते। बार-बार लक्ष्य बदलना समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी करता है।

दूसरा महत्वपूर्ण सूत्र है- अनुशासन। अनुशासन का अर्थ है अपने तय किए गए कार्यों को समय पर पूरा करना, चाहे मन हो या न हो। सफल लोग अपने मन के अनुसार नहीं, बल्कि अपने लक्ष्य के अनुसार काम करते हैं।

तीसरा सूत्र है- ध्यान केंद्रित करना (फोकस)। आसपास की चीजें हमारा ध्यान आसानी से भटका देती हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अपने ध्यान को लक्ष्य पर केंद्रित रखें। चौथा सूत्र है- धैर्य रखना। सफलता एक दिन में नहीं मिलती। लगातार प्रयास और समय ही किसी व्यक्ति को उसके लक्ष्य तक पहुंचाते हैं। बीच में परिणाम न दिखने पर हार मान लेना सबसे बड़ी गलती होती है।

पांचवां सूत्र है- आत्म-विश्लेषण करना चाहिए। समय-समय पर यह देखना जरूरी है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं या नहीं। अगर कहीं गलती हो रही है, तो उसे सुधारना चाहिए।

छठा सूत्र है- सही संगति में रहें। हम जिन लोगों के साथ रहते हैं, उनका प्रभाव हमारे विचारों और आदतों पर पड़ता है। इसलिए ऐसे लोगों के साथ रहना चाहिए जो हमें प्रेरित करें और सकारात्मक सोच दें।

सातवां सूत्र है- समय का सही उपयोग करना चाहिए। समय सबसे मूल्यवान संसाधन है जिसे वापस नहीं पाया जा सकता। इसलिए हर दिन का एक छोटा सा प्लान बनाना चाहिए।

आठवां सूत्र है- सीखते रहना चाहिए। जीवन में हमेशा कुछ नया सीखने की आदत हमें आगे बढ़ाती है और हमें बेहतर इंसान बनाती है। एक समय में एक ही लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। सफलता तभी मिलती है जब हम अपनी ऊर्जा को बिखेरने के बजाय एक दिशा में लगाते हैं।

पूजा में हर फूल-फल नहीं होता शुभ

किस भगवान को कौन-सी चीज नहीं चढ़ानी चाहिए, शिव, विष्णु, गणेश और देवी पूजा के नियम

पूजा-पाठ करते समय ज्यादातर लोग यही सोचते हैं कि भगवान को फल, फूल और प्रसाद श्रद्धा से चढ़ा दिया जाए तो पूजा पूरी हो जाती है, लेकिन सनातन परंपरा में सिर्फ श्रद्धा ही नहीं, पूजा की विधि और सामग्री का भी खास महत्व माना गया है। कई बार लोग अनजाने में ऐसी चीजें भी अर्पित कर देते हैं जो किसी विशेष देवी-देवता की पूजा में वर्जित मानी गई हैं। इसका मतलब यह नहीं कि भगवान नाराज हो जाते हैं, बल्कि शास्त्र बताते हैं कि हर देवता की अपनी प्रिय और निषिद्ध पूजन सामग्री होती है।

इसलिए सही जानकारी के साथ पूजा करना अधिक शुभ माना जाता है, अगर आप भी रोज पूजा करते हैं या किसी खास व्रत और त्योहार पर विधि-विधान से आराधना करते हैं, तो यह जानना आपके लिए उपयोगी हो सकता है कि किन देवी-देवताओं को कौन-सी चीज अर्पित नहीं करनी चाहिए और इसके पीछे क्या मान्यता बताई गई है।

भगवान विष्णु की पूजा में इन चीजों से करें परहेज

भगवान विष्णु की पूजा में हमेशा साफ और साबुत अक्षत चढ़ाने की परंपरा है। टूटे हुए चावल यानी खंडित अक्षत अर्पित करना शुभ नहीं माना जाता। इसके साथ ही आक और धतूरा भी भगवान विष्णु को नहीं चढ़ाए जाते। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये दोनों सामग्री भगवान शिव को प्रिय मानी जाती हैं। इसलिए विष्णु पूजा में तुलसी दल, पीले फूल और स्वच्छ अक्षत का इस्तेमाल अधिक शुभ माना गया है।

भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र, धतूरा और आक का विशेष महत्व है, लेकिन केतकी का फूल अर्पित नहीं किया जाता। इसके पीछे एक प्रसिद्ध कथा प्रचलित है। मान्यता है कि भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु के बीच श्रेष्ठता के विवाद के दौरान केतकी के फूल ने असत्य का साथ दिया था। इससे भगवान शिव ने उसे अपनी पूजा में निषिद्ध कर दिया। यही वजह है कि आज भी शिवलिंग पर केतकी का फूल नहीं चढ़ाया जाता।

गणेश जी को तुलसी क्यों नहीं चढ़ाई जाती?

तुलसी का पौधा हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है, लेकिन भगवान गणेश की पूजा में तुलसी दल अर्पित नहीं किया जाता। मान्यता है कि तुलसी ने गणेश जी से विवाह की इच्छा जताई थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद दोनों के बीच शाप और वरदान से जुड़ी कथा सामने आती है। इसी कारण गणेश पूजा में तुलसी चढ़ाने से बचने की सलाह दी जाती है।

देवी दुर्गा की पूजा में हमेशा ताजे फल ही चढ़ाएं

देवी दुर्गा की आराधना में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। पूजा में कभी भी बासी, कटे हुए या सड़े-गले फल नहीं चढ़ाने चाहिए। ताजे, साफ और बिना खराब हुए फल अर्पित करना शुभ माना जाता है। यही नियम लगभग सभी देवी-देवताओं की पूजा पर भी लागू होता है, अगर फल लंबे समय से रखा हुआ है या उसमें खराबी आ गई है, तो उसे पूजा में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

सूर्य देव को बिल्व पत्र अर्पित नहीं किए जाते

भगवान सूर्य की पूजा में लाल रंग के फूल, गेहूं, गुड़ और जल से अर्घ्य देने का विशेष महत्व बताया गया है। वहीं बिल्व पत्र सामान्य रूप से भगवान शिव की पूजा से जुड़ा माना जाता है। इसलिए सूर्य देव को बिल्व पत्र अर्पित करने की परंपरा नहीं है। सूर्य उपासना में उनकी प्रिय सामग्री का ही उपयोग करना बेहतर माना जाता है।

धार्मिक ग्रंथों में पूजा सामग्री को लेकर कई नियम बताए गए हैं, लेकिन अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों की परंपराओं में कुछ अंतर भी देखने को मिलता है। इसलिए अगर किसी विशेष व्रत, अनुष्ठान या पारिवारिक पूजा की बात हो तो स्थानीय परंपरा या जानकार विद्वान की सलाह लेना बेहतर रहता है।

आज भी कई घरों में पूजा की तैयारी करते समय सबसे पहले फूल और फल की शुद्धता देखी जाती है। यही छोटी-छोटी बातें पूजा को विधि-विधान के अनुसार पूरा करने में मदद करती हैं। श्रद्धा के साथ सही सामग्री का उपयोग करने से मन को भी संतोष मिलता है और पूजा का अनुभव अधिक सकारात्मक बनता है।

किन देवी-देवताओं को क्या नहीं चढ़ाएं?

भारतीय पौराणिक कथाओं में कावेरी नदी की बहुत ही रोचक कहानी

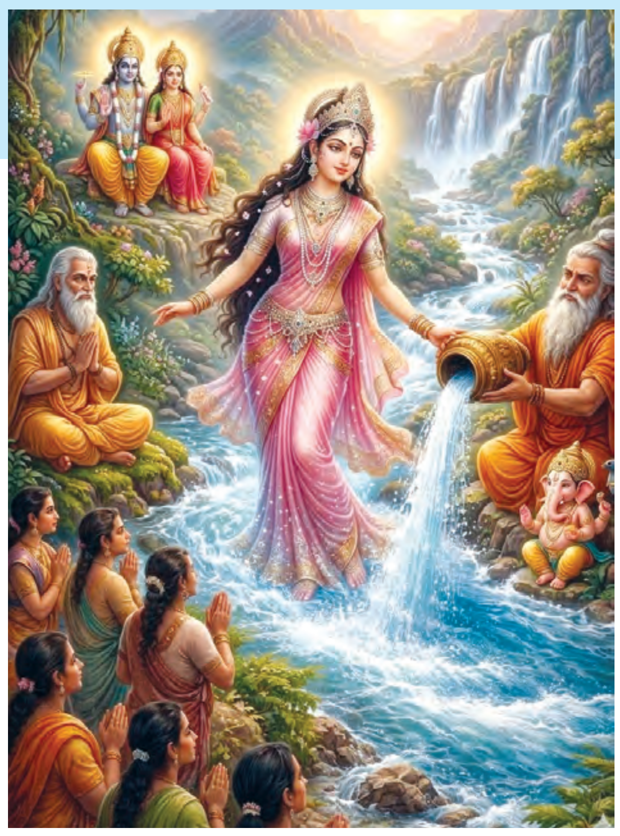

कावेरी नदी की कहानी भारतीय पौराणिक कथाओं में बहुत ही रोचक है। यह कहानी न केवल भक्ति और समर्पण को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि कैसे एक व्यक्ति का दृढ़ संकल्प जन-कल्याण का कारण बनता है।

कावेरी की उत्पत्ति की कहानी मुख्य रूप से दो भागों में बंटी हुई हैः उनका 'विष्णु पुत्री' के रूप में जन्म और 'अगस्त्य मुनि' के कमंडल से नदी बनना।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, ब्रह्मदेव की एक मानस पुत्री थी, जिनका नाम 'विशमाया' था। उन्होंने भगवान विष्णु की कठोर तपस्या की ताकि वे उनके चरणों की सेवा कर सकें। भगवान विष्णु ने उन्हें वरदान दिया कि वे अगले जन्म में 'कावेर' नाम के राजा की पुत्री के रूप में जन्म लेंगी।

राजा कावेर ने संतान प्राप्ति के लिए ब्रह्मगिरि पर्वत पर तपस्या की थी।

वरदान स्वरूप उन्हें वही दिव्य कन्या प्राप्त हुई, जिसका नाम 'कावेरी' रखा गया।

कावेरी बचपन से ही बहुत आध्यात्मिक थीं। वे चाहती थीं कि उनका अस्तित्व ऐसा हो कि वे समस्त संसार के पापों को धो सकें और प्यासी धरती को तृप्त कर सकें। एक समय दक्षिण भारत में भयानक सूखा पड़ा था। ऋषियों और मुनियों ने इसके समाधान के लिए प्रार्थना की। उसी दौरान महान महर्षि अगस्त्य ने कावेरी की सुंदरता और भक्ति को देखकर उनसे विवाह का प्रस्ताव रखा।

कावेरी ने एक शर्त पर विवाह स्वीकार किया:

₹स्वामी, यदि आप मुझे कभी भी अकेला छोड़कर कहीं दूर जाएंगे, तो मैं स्वतंत्र होकर बहने लगूंगी।

अगर आपको कथा संग्रह की पोस्ट पसंद आती है तो आज ही सब्सक्राइब करें कथा संग्रह

एक दिन, महर्षि अगस्त्य एक गहरी चर्चा में इतने मग्न हो गए कि वे कावेरी को अपने कमंडल में सुरक्षित रख कर पास के जलाशय में स्नान करने चले गए।

भगवान इंद्र और अन्य देवता चाहते थे कि कावेरी एक नदी का रूप ले लें ताकि दक्षिण भारत का सूखा समाप्त हो सके। इसलिए उन्होंने भगवान गणेश की सहायता मांगी।

जब अगस्त्य मुनि ध्यान में थे, तब गणेश जी ने एक छोटे कौवे का रूप धारण किया और अगस्त्य मुनि के कमंडल पर जाकर बैठ गए। जब अगस्त्य मुनि ने कौवे को हटाने के लिए हाथ हिलाया, तो कौवे ने चतुराई से कमंडल को पलट दिया।

जैसे ही कमंडल का पवित्र जल जमीन पर गिरा, कावेरी ने एक विशाल नदी का रूप ले लिया और ढलान की ओर बहने लगीं।

जब अगस्त्य मुनि ने देखा कि उनका कमंडल उलट गया है और कावेरी नदी बनकर बह रही हैं, तो वे क्रोधित हो गए और कौवे के पीछे भागे। तब गणेश जी ने अपने असली रूप में दर्शन दिए और समझाया कि यह सब लोक-कल्याण के लिए हुआ है।

कावेरी ने अपनी शर्त याद दिलाई कि उन्हें अकेला छोड़ा गया था, इसलिए अब वे नदी के रूप में जन-जन की प्यास बुझाएंगी। अगस्त्य मुनि ने इसे ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार कर लिया।

कावेरी का महत्व (तालकावेरी)

आज भी कर्नाटक के कोडागु जिले में 'तालकावेरी' नाम का स्थान है, जहाँ से यह नदी निकलती है।

हर साल अक्टूबर के महीने में यहाँ 'तुला संक्रमण' का त्यौहार मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन एक निश्चित समय पर कुंड में पानी अचानक ऊपर की ओर उछलता है, जिसे देवी कावेरी का साक्षात प्राकट्य माना जाता है। कावेरी को दक्षिण भारत में वही सम्मान प्राप्त है जो उत्तर भारत में गंगा को है।

एक दिलचस्प बात: कावेरी नदी के किनारे ही प्रसिद्ध श्रीरंगम मंदिर (भगवान विष्णु का निवास) स्थित है, जिससे उनकी वह इच्छा भी पूरी हुई कि वे सदैव भगवान के चरणों के पास रहें।

रामायण की वो राक्षसी, जिसके सपने को माना गया है लंका के विनाश का इशारा

रामायण में त्रिजटा एक बुद्धिमान राक्षसी थी, जो माता सीता की शुभचिंतक थीं। उन्होंने लंका के विनाश का सपना पहले ही देख लिया था। सुंदरकांड में वर्णित इस सपने में उन्होंने श्रीराम की विजय और रावण की हार का संकेत माता सीता को दिया था। त्रिजटा का यह स्वप्न लंका युद्ध के महत्वपूर्ण मोड़ का सूचक था।

रामायण एक पावन हिंदू धर्म ग्रंथ है। इसमें भगवान श्रीराम के जीवन और लीलाओं का वर्णन है। भगवान विष्णु ने त्रेतायुग में श्रीराम के रूप में अवतार लिया था और रावण का वध करके धरती पर पुनः धर्म की स्थापना की थी। रामायण में लंका युद्ध का विस्तार से वर्णन किया गया है। रामायण में एक राक्षसी का वर्णन है, जिसे लंका के विनाश का अनुमान पहले से हो गया था। उस राक्षसी का नाम था त्रिजटा।

जब भगवान श्रीराम की पत्नी माता सीता लंका के अशोक वाटिका में कैद थीं। तब उनकी रक्षा के लिए कई राक्षसियां थीं। उन्हीं में शामिल थी त्रिजटा। त्रिजटा एक बुद्धिमान और वृद्ध राक्षसी थी। त्रिजटा माता सीता की शुभचिंतक थी और हमेशा मां जानकी की रक्षा के लिए काम करती थी। रामायण में सुंदरकांड है, जिसमें अध्याय 27 में इस बात का वर्णन किया गया है कि त्रिजटा राक्षसी को पहले से ही लंका के विनाश का अनुमान हो गया था। एक दिन माता सीता अशोक वाटिका में बैठी थीं, तब त्रिजटा ने उन्हें अपना एक भयावह और लंका के भविष्य से जुड़े सपने के बारे में बताया था। उन्होंने अपने सपने के जरिये माता सीता को ये संकेत दिया था कि युद्ध में श्रीराम की विजय और लंका के राजा रावण की हार होगी। रामायण के सुंदरकांड में एक चौपाई है जो त्रिजटा के सपने के बारे में बताती हैं।

सुंदर की चौपाई में है वर्णन

त्रिजटा नाम राच्छसी एका।राम चरन रति निपुन बिबेका॥ सबन्हौ बोलि सुनाएसि सपना। सीतहि सेइ करहु हित अपना॥ सपनें बानर लंका जारी। जातुधान सेना सब मारी ॥ खर आरूढ़ नगन दससीसा। मुंडित सिर खंडित भुज बीसा

इसका अर्थ है कि त्रिजटा नाम की एक राक्षसी थी, जिसकी श्रीरामचन्द्रजी के चरणों में प्रीत थी। वह ज्ञान में बहुत निपुण थी। उसने सभी को बुलाकर अपना सपना सुनाया और सीता जी की सेवा करके अपना कल्याण कर लेने को कहा। त्रिजटा ने कहा कि उसने सपना देखा है कि एक वानर से लंका जला दी है। राक्षसों की सारी सेना मार डाली है। रावण नग्न है और गधे पर सवार है। उसका सिर मुंडवा दिया गया है और उसकी बीसों भुजाएं कटी हुई हैं। इस स्वप्न में रावण की पराजय का संकेत था।

वेलकम टू जंगल से दिल जीतने के बाद

दिशा पाटनी का सबसे 'दिलकश' अंदाज़ होगा आवारापन 2 में

वेलकम टू जंगल में धमाल मचाने के बाद, दिशा पाटनी अब एकदम नए रंग में नजर आने वाली हैं। आवारापन 2 का टीज़र आज रिलीज हुआ और बस एक झलक में ही लोगों की नज़रें थम गईं! लाल रंग की खूबसूरत ड्रेस में, सेलो बजाते हुए दिशा का ये अंदाज़ क्या कहें — पूरी तरह से सॉफ्ट, एलिगेंट और दिल को छू जाने वाला। इस बार न कोई हाई-ऑक्टेन एक्शन, न कोई तेज़-तर्रार एंट्री बल्कि एक ऐसा किरदार जो शांत है, गहरा है और इमोशन्स से भरा हुआ है। टीज़र देखकर साफ लग रहा है कि आवारापन 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक इमोशनल लव स्टोरी होने वाली है और दिशा इस कहानी के दिल में बसी हुई हैं।

दिलचस्प बात ये है कि मेकर्स ने जानबूझकर दिशा के किरदार को पूरी तरह सीक्रेट रखा है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, दिशा का किरदार इस कहानी की इमोशनल जान है। अगर अभी ज्यादा दिखा दिया, तो कहानी के बड़े राज खुल जाएंगे। टीज़र सिर्फ उनके वजूद और उनकी दुनिया की झलक देने के लिए है। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ेगी, दर्शकों को समझ आएगा कि उनका रोल कितना खास है।

दिशा पाटनी और इमरान हाशमी की जोड़ी ने पहले ही फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। ऊपर से आवारापन की अपनी एक कल्ट फैन फॉलोइंग है तो अब उम्मीदें और भी हाई हैं। सोशल मीडिया पर दिशा के इस नए लुक को लेकर खूब तारीफ हो रही है, कई लोग इसे उनका अब तक का सबसे दिलचस्प अवतार बता रहे हैं।

एक तरफ वेलकम टू जंगल बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है, और दूसरी तरफ आवारापन 2 अपने पहले टीज़र से ही चर्चा में आ गई है — साफ है, दिशा पाटनी अब सिर्फ ग्लैमर नहीं, बल्कि समझदारी से चुने हुए रोल्स के साथ अपने करियर को नए लेवल पर ले जा रही हैं।

विवाद में फंसी अजय देवगन की फिल्म 'चौहान'?

क्षत्रिय परिषद ने जताई नाराजगी; बयान जारी कर मेकर्स से की अपील

अजय देवगन की फिल्म 'चौहान' का बीते दिनों आधिकारिक एलान किया गया। इसका टीजर भी जारी किया गया था। फिल्म का निर्देशन नीरज यादव कर रहे हैं। टीजर जारी होने के बाद यह विवादों में घिर गई है। क्षत्रिय परिषद ने टीजर में दिखाए गए कुछ डायलॉग और राजपूत इतिहास को दिखाए जाने के तरीके पर आपत्ति जताई है।

क्षत्रिय परिषद ने क्या कहा?

क्षत्रिय परिषद ने राजपूत इतिहास को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने पर विरोध किया है। संगठन का कहना है कि ऐसी कोशिशें चुनावी या वैचारिक मकसद से की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में संगठन ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि राजपूत पहचान को एक बार फिर राजनीतिक नैरेटिव में घसीटा जा रहा है।

सोशल मीडिया पर जारी किया बयान

क्षत्रिय परिषद की तरफ से एक्स अकाउंट पर एक बयान जारी किया गया है। इसमें लिखा है, 'हम नीरज यादव और अजय देवगन की आने वाली फिल्म 'चौहान' में मौजूदा सांप्रदायिक राजनीति के लिए 'चौहान' कुल के नाम का इस्तेमाल करने की कोशिश की कड़ी निंदा करते हैं। राजपूत इतिहास कोई राजनीतिक हथियार नहीं है। चौहानों की विरासत राजपूत इतिहास का हिस्सा है, न कि चुनावी नैरेटिव या बाहरी लोगों द्वारा खड़े किए गए विवादों का। हम वैचारिक मकसदों के लिए राजपूत पहचान को हथियार बनाने की हर कोशिश को खारिज करते हैं।

संगठन ने उदाहरण के साथ रखी बात

संगठन ने कहा कि ऐसी बातें भारतीय इतिहास की अज्ञानता को दिखाती हैं और भारतीय उपमहाद्वीप के अतीत को सरल सांप्रदायिक बंटवारे में नहीं बांधा जा सकता। क्षत्रिय परिषद ने उन मौकों के उदाहरण भी दिए जब अफगान और राजपूत एक साथ लड़े थे। संगठन ने बताया, 'महमूद लोदी खानवा की लड़ाई में महाराणा सांगा के नेतृत्व में लड़ा था। हकीम खान सूर ने हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप की सेना की एक टुकड़ी की कमान संभाली थी। फरीद खान, जो बाद में शेरशाह सूरी बना, अपने शुरुआती दौर में राजा रायसल शेखावत के अधीन सैन्य सेवा से जुड़ा था और महाराजा विक्रमादित्य तोमर पानीपत की पहली लड़ाई में लोदी सेना के साथ लड़ते हुए शहीद हुए थे।

मेकर्स से की यह अपील

फिल्म में एक डायलॉग है, 'पठानों से कहना चौहान आ रहा है'। इस पर आपत्ति जताई जा रही है। यह फिल्म कश्मीर की पृष्ठभूमि पर है। यह संवाद भी कश्मीरियों को पठान कहने की कोशिश के संदर्भ में है। इसी को लेकर फिल्म का विरोध हो रहा है। परिषद ने अपील करते हुए लिखा है, 'ऐतिहासिक पलों को सांप्रदायिक हिंसा का जरिया नहीं बनाना चाहिए।

हम राजनीतिक हस्तियों और फिल्म निर्माताओं से अपील करते हैं कि वे भारत के इतिहास के साथ जिम्मेदारी से पेश आएं। ऐतिहासिक जटिलताओं का सम्मान करें, न कि विभाजनकारी राजनीतिक बहस के लिए राजपूत विरासत का इस्तेमाल करें'।

'मुझे यकीन ही नहीं हुआ', अक्षरा सिंह ने 'ईथा' का हिस्सा बनने पर जताई खुशी; श्रद्धा कपूर को लेकर कही ये बात

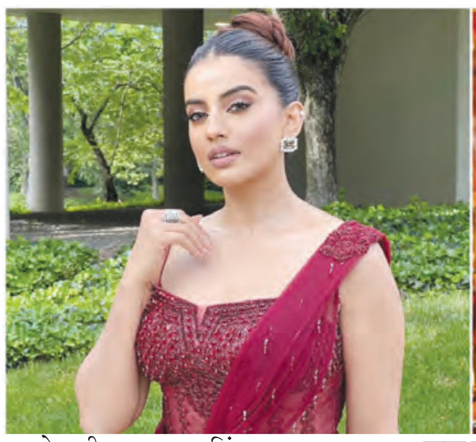

भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में नजर आईं। इस गाने ने सबका ध्यान खींचा है और अब अक्षरा ने खुलासा किया है कि वो श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईथा' में भी नजर आएंगी।

श्रद्धा के साथ स्क्रीन साझा करना खास बात

अक्षरा सिंह ने कहा कि जैसे ही मैंने 'ईथा' के बारे में सुना, मेरे रोंगटे खड़े हो गए। जब मुझे पहली बार इस फिल्म के लिए कॉल आया, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मैं बहुत नर्वस और इमोशनल भी थी। मैं हमेशा से लक्ष्मण उतेकर की बहुत बड़ी फैन रही हूं।

जब मुझे पता चला कि मैं उनके डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हूं, तो यह मेरे लिए एक बहुत बड़ा पल था। श्रद्धा कपूर की तारीफ करते हुए अक्षरा ने कहा कि जब मुझे पता चला कि श्रद्धा कपूर भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, तो मेरी खुशी और बढ़ गई। वह एक बेहतरीन एक्ट्रेस और बहुत ही विनम्र इंसान हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत खास है।

किरदार के बारे में नहीं दी जानकारी

हालांकि, अक्षरा ने 'ईथा' में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं जी। उन्होंने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे जितना हो सके उतना प्यार देंगे।

28 अगस्त को रिलीज होगी 'ईथा'

लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित 'ईथा' 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा और जीशान अय्यूब भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'ईथा' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर यश की मच अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिक' से होगा। 'टॉक्सिक' 26 अगस्त को रिलीज होगी।

90 के दशक में स्टार एक्टर्स उड़ाते थे मेरा मजाक, 34 साल बाद मिला मुकाम: रवि किशन

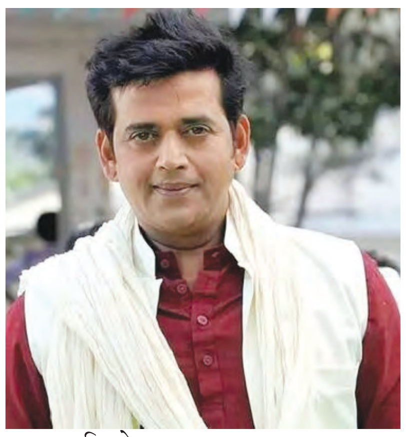

अभिनेता और राजनेता रवि किशन ने अपने कठिन समय, संघर्षों और सब्र भरे सफर को याद करते हुए बताया कि 90 के दशक में जो एक्टर्स स्टार बन रहे थे, वे अक्सर उनका मजाक उड़ाते थे और उन्हें नजरअंदाज करते थे। रियलिटी शो 'अलायंस' में साथी कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए, जिसमें वे खुद भी एक कंटेस्टेंट हैं, रवि ने बड़ी पहचान मिलने से पहले के अपने कई दशकों के सफर के बारे में बताया। रवि ने कहा, अपनी जिंदगी में मैं ऐसे कई लोगों से मिला जो पहले मेरा मजाक उड़ाते थे। वे 90 के दशक में स्टार बन रहे थे और मैं उन्हें आगे बढ़ते हुए देख सकता था।

एक्टर ने बताया कि उन्होंने इंडस्ट्री के लिए खुद को तैयार करने में कई साल बिताए और हर वो हुनर सीखा जो एक एक्टर में होना चाहिए।

उन्होंने कहा, मेरी आवाज अच्छी थी। मुझे घुड़सवारी, एक्शन, उर्दू, हिंदी सब आती थी। मैंने थिएटर किया और डांस भी सीखा था। मैं पूरी तरह तैयार था। इसके बावजूद, मैं पीछे रह गया जबकि बाकी सब आगे बढ़ गए। मैं खुद से कहता रहता था कि अगर उनका समय आया है, तो मेरा भी आएगा। हालांकि मुझे नहीं पता था कि मेरा समय 34 साल बाद आएगा।

रवि किशन ने आगे कहा कि हालात तब बदले जब उनकी परफॉर्मेंस को जबरदस्त कामयाबी और तारीफ मिली। उन्होंने कहा, फिर जो हुआ, वो 34 साल बाद हुआ। उस साल मैंने 'बेस्ट एक्टर' के सभी अवॉर्ड जीते। मैं उन स्टेज पर खड़ा हुआ जहां मुझे पहले कभी नहीं बुलाया गया था। लोग मुझे कभी नहीं बुलाते थे और सब मेरा मजाक उड़ाते थे। किसी को यकीन नहीं था कि मैं कुछ कर सकता हूं, लेकिन आज मैं यहां हूं।

रवि किशन के सब्र, दृढ़ संकल्प और लगन से भरे सफर को सुनकर कंटेस्टेंट्स प्रेरित महसूस कर रहे थे और उनके रोंगटे खड़े हो गए थे।

रवि किशन की बात करें तो उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 90 के दशक की शुरुआत में 'पीतांबर,' 'आतंक,' 'आर्मी' और 'जख्मी दिल' जैसी हिंदी फिल्मों से की थी। हालांकि उस दौरान वे कई बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में नजर आए लेकिन भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री ने ही उन्हें सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक बना दिया।

'सैयां हमार,' 'पंडित जी बताई ना बियाह कब होई' और दूसरी भोजपुरी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ वे भोजपुरी सिनेमा के सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक बन गए। हाल के सालों में रवि ने हिंदी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर शानदार परफॉर्मेंस देकर खुद को एक नए रूप में पेश किया है।

'लापता लेडीज' में उनके रोल को क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही खूब तारीफ मिली और उन्होंने कई अवॉर्ड्स जीते।

'खाकीः द बिहार चैप्टर' जैसी वेब सीरीज में उनके काम ने एक एक्टर के तौर पर उनकी अलग-अलग तरह के रोल निभाने की काबिलियत को और भी बेहतर ढंग से दिखाया।

सूर्या के राजनीति में एंट्री की अफवाहों पर यकीन न करें

ऑल इंडिया सूर्या फैंस क्लब ने आज एक बयान जारी कर साफ किया कि एक्टर सूर्या का राजनीति में आने का कोई प्लान नहीं है। यह सफाई तब दी गई जब फैन क्लब के पूर्व सदस्य और स्पीकर आर. वीरमणि की हालिया राज्य और जिला एडमिनिस्ट्रेटर्स की मीटिंग में की गई टिप्पणियों से सोशल मीडिया पर अटकलें शुरू हो गई थीं।

इससे पहले एक मीटिंग में वीरमणि ने कहा था कि अगर समय तय करे, अगर भगवान तय करे, तो किसी को भी जन-नेता बनने से कोई नहीं रोक सकता। अब फैन क्लब ने अपने बयान में कहा कि वीरमणि ने साफ कर दिया था कि उनकी बातें उनकी निजी राय थीं। क्लब ने कहा कि उनकी बातों का गलत मतलब निकाला जा रहा है, जिससे ऐसा लग रहा है कि ये बातें संगठन की आधिकारिक राय हैं। क्लब ने यह भी कहा कि वीरमणि पिछले तीन साल से इसके एडमिनिस्ट्रेशन का हिस्सा नहीं हैं और लोगों से अपील की कि वे ऑनलाइन फैल रही अफवाहों पर यकीन न करें।

सूर्या का राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं

सूर्या का पक्ष दोहराते हुए बयान में कहा गया, 'मिस्टर सूर्या का राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है। अगराम फाउंडेशन और अपनी कल्याणकारी पहलों के जरिए लोगों की समाज सेवा करते रहने से उन्हें बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती है।' फैन क्लब ने सभी से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर विश्वास न करें और केवल फैन क्लब की आधिकारिक घोषणाओं पर ही ध्यान दें।

आखिरी बार 'करुप्पु' में नजर आए थे सूर्या

वर्कफ्रंट की बात करें तो सूर्या हाल ही में डायरेक्टर आरजे बालाजी की फिल्म 'करुप्पु' में नजर आए थे, जिसने दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये की कमाई की थी। एक्टर ने हाल ही में डायरेक्टर वेंकी अटलूरी की फिल्म 'विश्वनाथ एंड सन्स' का काम पूरा किया है। वह डायरेक्टर जिथु माधवन की एक बिना नाम वाली फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा होम्बले फिल्म्स के साथ उनकी आगामी फिल्म की घोषणा आज ही की गई है। इसे डायरेक्टर टीजे ज्ञानवेल डायरेक्ट करेंगे।

शाहरुख खान के काम से खुश राजकुमार हिरानी

'सुपरस्टार होकर भी रोज भेजते हैं अपनी रिहर्सल वीडियो'

इंडस्ट्री में कलाकारों की काम करने की शैली फिल्म निर्माताओं को काफी प्रभावित करती है। सेट पर उनकी सोच और काम के प्रति रवैया ही कलाकारों की पहचान बन जाती है। इस मुद्दे पर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी ने आईएएनएस से खुलकर बात की। उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान का उदाहरण देते हुए कहा कि वह सुपरस्टार होकर भी अपनी रिहर्सल वीडियो रोज भेजते हैं जबकि कुछ ऐसे कलाकार होते हैं जो सेट पर थकान दिखाते हैं। राजकुमार हिरानी ने कहा, "मैंने अपने करियर में कई बड़े और अलग-अलग पीढ़ी के कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन मेरे लिए असली फर्क उम्र या अनुभव का नहीं बल्कि सोच का होता है। शाहरुख खान, आमिर खान, संजय दत्त और अरशद वारसी जैसे कलाकार अपने काम को लेकर बेहद समर्पित हैं और हर सीन को गंभीरता से लेते हैं। इसी तरह रणबीर कपूर और विक्की कौशल जैसे नए कलाकार भी अपने काम के प्रति उतनी ही मेहनत और लगन दिखाते हैं।" हिरानी ने कहा, "यह कहना गलत होगा कि पुराने कलाकार ज्यादा सहनशील होते हैं और नए कलाकार जल्दी परेशान हो जाते हैं। यह पूरी तरह व्यक्ति की आदत और प्रोफेशनल सोच पर निर्भर करता है। कुछ कलाकार सेट पर थकान दिखाते हैं, लेकिन कई कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर सीन को बेहतर बनाने के लिए लगातार मेहनत करते रहते हैं।"

इसी बातचीत में राजकुमार हिरानी ने शाहरुख खान के काम करने के तरीके पर भी बात की और कहा, "शाहरुख हर दिन शूटिंग के बाद अपनी रिहर्सल खुद मोबाइल फोन में रिकॉर्ड करते हैं और उसे डायरेक्टर को भेजते हैं। वह चाहते हैं कि डायरेक्टर उनके परफॉर्मेंस को देखकर सुझाव दें, ताकि वह हर बार अपने काम में सुधार कर सकें। यह आदत किसी नए कलाकार जैसी लगती है, जो सीखने की प्रक्रिया में होता है और हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करता है।"

उन्होंने बताया, "शाहरुख खान इतने बड़े स्टार है, लेकिन उनके अंदर किसी तरह का घमंड नहीं है और वह हर सुझाव को खुले दिल से स्वीकार करते हैं। वह हर फिल्म में कुछ नया और बेहतर करने की कोशिश करते हैं और अपने किरदार को और मजबूत बनाते हैं।"

राजकुमार हिरानी ने रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, रणबीर कपूर शूटिंग के लिए काफी पहले से तैयारी करके आते हैं और अपने किरदार को गहराई से समझते हैं। वहीं विक्की कौशल भी हर सीन पर डायरेक्टर के साथ बैठकर चर्चा करते हैं और पूरी ईमानदारी के साथ अपने किरदार को निभाते हैं। लेकिन कुछ ऐसे कलाकार भी होते हैं जो उतनी मेहनत नहीं करते और अपने काम को सीमित तरीके से करते हैं। लेकिन मेरा मानना है कि असली फर्क कलाकार की सोच और उसके काम के प्रति रवैये में होता है, न कि सिर्फ उसकी उम्र या अनुभव में।

'इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं संजय दत्त'

अभिनेता के डांस ट्रिक को लेकर उर्मिला मातोंडकर ने खोला राज

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में अभिनेता संजय दत्त को लेकर कई राज खोले। दरअसल, वह शो में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुई थी। इस दौरान जब संजय दत्त का जिक्र हुआ तो उन्होंने अभिनेता के डांस को लेकर यादें साझा कीं। शो में होस्ट हर्ष लिम्बाचिया ने उर्मिला मातोंडकर से संजय दत्त के साथ काम करने के बारे में पूछा, तो उन्होंने पर्दे के पीछे का एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा, संजू (संजय दत्त) की एक बात मैं आपको बताती हूं। मैंने उनके साथ दो-तीन फिल्में की हैं। जिन भी एक्ट्रेसेस ने उनके साथ काम किया है, वे सभी यह बात बताएंगी। जब भी किसी फिल्म में डांस का गाना आता है, तो वह बहुत खराब मूड में रहते हैं और कहते हैं, यार मुझे यह नहीं करना है, वह नहीं करना है।

लेकिन फिर वह चुपचाप जाकर रिहर्सल करते हैं और जब फाइनल शूट में डांस करते हैं, तो देखकर लगता है कि आखिर उन्होंने पहले इतना मना क्यों किया था। यह उनका अंदाज है। वह कभी-कभी थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं, क्योंकि वह इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं, लेकिन उनके साथ काम करना उतना ही आसान और अच्छा भी होता है।

उन्होंने बताया, सबसे दिलचस्प बात यह है कि संजय फिर चुपचाप जाकर रिहर्सल करते हैं और जब फाइनल शूट में डांस करते हैं, तो देखकर लगता है कि आखिर उन्होंने पहले इतना मना क्यों किया था। यह उनका अंदाज है। वह कभी-कभी थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं, क्योंकि वह इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं लेकिन उनके साथ काम करना उतना ही आसान और अच्छा भी है।₹उर्मिला मातोंडकर और संजय दत्त ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'दौड़', 'खूबसूरत' और 'जंग' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। खासकर उनके गाने आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं, जैसे 'ओ भंवरे', 'आना जरा पास तो आ' और 'आईला रे' अपने दौर के हिट गानों में गिने जाते हैं।

मानसून के दौरान आंखों को इन्फेक्शन से बचाने के लिए आज ही अपनाएं ये तरीके

बारिश का मौसम अधिकतर लोगों को खूब पसंद होता है, लेकिन इसके साथ-साथ ही कई तरह-तरह की समस्याएं भी होने लगती है. शरीर में कई सारी बीमारियां घेर लेती हैं. कई तरह के वायरल और बैक्टीरियल संक्रमणों का जोखिम भी हद तक ज्यादा बढ़ जाता है. इन्हीं में से एक है कंजंक्टिवाइटिस (आई फ्लू) का खतरा जिससे हर कोई काफी ज्यादा परेशान होता है. मानसून के दौरान बढ़ी हुई नमी, गंदा पानी, संक्रमण फैलाने वाले वायरस और बैक्टीरिया तेजी से आंखों में घुस जाते हैं, जिस वजह से आंखों में संक्रमण का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है. कई सारे लोग इसके शिकार हो जाते हैं और ये समस्या और भी बढ़ती ही रहती है. अगर समय रहते सावधानी न बरती जाए, तो ये दिक्कत और भी कई गुना तक बढ़ जाती है आइए आपको बताते हैं कि बारिश के मौसम में आंखों की सफाई और सुरक्षा के लिए कौन-कौन से तरीकों को अपना सकते हैं.

क्या होता है कंजंक्टिवाइटिस?

कंजंक्टिवाइटिस बारिश के मौसम में कई गुना तक बढ़ जाता है और फिर लोगों को कई तरह-तरह की दिक्कतों का भी सामना करना पड़ता है. आंख की बाहरी परत में होने वाली सूजन या संक्रमण होता है, जो वाय. रल, बैक्टीरियल या एलर्जी के कारण हो सकता है. ये संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से आसानी से फैल सकते हैं.

कंजंक्टिवाइटिस के आम लक्षण

कंजंक्टिवाइटिस की लक्षणों की बात करें तो ये काफी ज्यादा आम हैं और अधिकतर लोग इसके लक्षणों को आम समझकर नजरअंदाज कर देते हैं जैसे-

आंखों का लाल हो जाना
आंखों में खुजली या जलन
लगातार पानी आना
आंखों से सफेद या पीला चिपचिपा डिस्चार्ज का निकलना
सुबह उठने पर पलकों का चिपक जाना
रोशनी से परेशानी होना

मानसून में आंखों को इन्फेक्शन से कैसे बचाएं?

1. बार-बार हाथ धोएं
2. कॉन्टैक्ट लेंस पहनने से बचें
3. आंखों का मेकअप किसी से भी शेयर न करें
4. आंखों को बार-बार न छुएं
5. डॉक्टर की सलाह के बिना आई ड्रॉप न डालें

शरीर में दिखें ये लक्षण तो बढ़ सकता है स्वाइन फ्लू का खतरा, कहीं आप तो नहीं चपेट में?

बरसात और मौसम बदलने के दौरान कई सारे वायरल संक्रमण होते हैं और ये लोगों के बीच में तेजी से भी फैलता है. कुछ लोग ऐसे ऐसे होते हैं, जो छोटे-छोटे लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना है, वरना शरीर में दिक्कतें काफी ज्यादा बढ़ भी सकती है. इन्हीं में से एक है स्वाइन फ्लू जो एक संक्रामक वायरल बीमारी है. शुरुआत में इसके लक्षण काफी ज्यादा आम होते हैं, जो पता ही नहीं लग पाता है लेकिन किसी भी तरह के लक्षणों को नजरअंदाज गलती से भी नहीं करना चाहिए. छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से किसी

बीमारी से जूझ रहे लोगों में इसका खतरा अधिक होता है आज आपको बताते हैं इसके कुछ शुरूआती लक्षण के बारे में जिसको आपको गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और समय रहते इसके बचाव के तरीकों से अपनाना चाहिए. आइए आज आपको बताते हैं.

स्वाइन फ्लू होने पर शरीर में दिख सकते हैं ये लक्षण

1. तेज बुखार और ठंड लगना

स्वाइन फ्लू के लक्षण शरीर में काफी ज्यादा आम नजर आते हैं, जिसको कई बार लोग नजरअंदाज कर देते हैं आपको बता दें तेज बुखार और ठंड लगना इसका एक आम लक्षण होता है. यदि बुखार 2-3 दिन से अधिक बना रहे तो डॉक्टर की सलाह आपको जरूर लेनी चाहिए.

2. शरीर में तेज दर्द और कमजोरी

शरीर में तेज दर्द और कमजोरी भी शरीर में नजर आ सकती है. स्वाइन फ्लू होने पर शरीर में दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और अत्यधिक थकान भी आपको नजर आ सकती है. रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो रहा है, तो आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

3. लगातार सूखी खांसी और गले में दर्द

स्वाइन फ्लू होने पर लगातार सूखी खांसी और गले में दर्द जैसा महसूस हो सकता है. यह स्वाइन फ्लू का संकेत हो सकता है इसलिए आपको इसको गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. मरीजों को बोलने और निगलने में भी परेशानी काफी ज्यादा होती है.

4. सांस लेने में तकलीफ

अगर आपको सांस लेने में तकलीफ काफी ज्यादा हो रही है, तो इसको आपको गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना ऐसा करने से काफी सारी दिक्कतें आपको देखने के लिए मिल सकती है. तुरंत मेडिकल आपको जाना चाहिए.

5. सिरदर्द, नाक बहना

स्वाइन फ्लू का लक्षण सिरदर्द, नाक बहना भी हो सकता है इसलिए आपको इसको गलती से भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, वरना दिक्कतें काफी ज्यादा बढ़ भी सकती है.

रील्स देखने की लत को छुड़वाने के लिए अपनाएं ये आदतें

आजकल बच्चों से लेकर बड़ों तक को इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स और अन्य शॉर्ट वीडियो देखने का काफी ज्यादा शोक होता है. दिनभर हर किसी के हाथों में केवल फोन ही देखने को मिल जाएगा. ज्यादा रील्स देखने की लत आपके मेंटल पीस को भी खराब कर देती है और ये आदत बिल्कुल ही खराब है. आजकल लोगों के मनोरंजन का ये बेहद ही आसान तरीका बन गया है. जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल मानसिक स्वास्थ्य को भारी नुकसान कर सकती है. दिमाग की कार्यक्षमता पर नकारात्मक प्रभाव भी ये डालता है. किसी भी चीज की अति हमेशा सेहत पर बुरा असर डालती है. लगातार घंटों तक रील्स देखने की आदत दिमाग को तुरंत मिलने वाले आनंद की तरफ तो ले जाती है, लेकिन यही आपके दिमाग को धीरे-धीरे बुढ़ा भी करती है. अगर आप भी इस लत से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आइए आपको कुछ तरीके बताते हैं, जिससे आप आसानी से छुटकारा पा सकते हैं.

रील्स देखने की लत को छुड़वाने के लिए अपनाएं ये 5 आदतें

स्क्रीन टाइम लिमिट सेट करें

अगर आप जरूरत से ज्यादा रील्स देखना पसंद करते हैं, ये आपके मेंटल हेल्थ को बुरी तरह से खराब कर सकती है. इस आदत से छुटकारा पाने के लिए आपको स्क्रीन टाइम लिमिट सेट जरूर करना है. 30 मिनट या 1 घंटे की सीमा तय कर सकते हैं इसके बाद आपका फोन अपने आप ही बंद हो जाएगा.

खाली समय में नई हॉबी उजागर करें

खाली रहने से आप फोन जरूर ही चलाएंगे इसलिए आपको ऐसे में कोई नई हॉबी आपको अपनानी है ताकि रील्स का बुरा असर आपकी मेंटल हेल्थ पर न पड़ सके. आप खाली समय में किताब पढ़ना, पेंटिंग, संगीत सीखना, गार्डनिंग और भी चीजों को अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं, ऐसा करने से आपका दिमाग भी एक ही जगह पर रहेगा.

नोटिफिकेशन बंद कर दें

जैसे ही नोटिफिकेशन आता है, तो हम फोन अपने हाथ में पकड़ देते हैं, जो की आदत बिल्कुल ही बेकार है. इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया ऐप्स के नोटिफिकेशन को आपको बंद करके रखना है. रूरी कॉल और मैसेज की सूचना चालू भी आप रख सकते हैं.

सोने से पहले डिजिटल डिटॉक्स

सोने से पहले आपको डिजिटल डिटॉक्स करना बेहद ही जरूरी है वरना आप इसी जंजाल में फंसकर रह जाएंगे. रात में बिस्तर पर लेटकर रील्स देखना तो आजकल सभी को खूब पसंद होता है. सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, लैपटॉप और अन्य डिजिटल स्क्रीन से दूरी बनाकर आपको रखनी है.

सुबह उठते ही मोबाइल देखने से बचें

अधिकतर लोग ऐसे हैं कि सुबह उठते ही मोबाइल जरूर देखते ही हैं, ये आपकी हेल्थ को नुकासन करता है और दिमाग में भी गलत असर डालता है. सुबह उठने के बाद कम से कम 30 से 60 मिनट तक मोबाइल से दूरी बनाकर ही आपको हमेशा रखनी चाहिए.

हड्डियों को धीरे-धीरे कमजोर बना रही हैं खाने की ये चीजें

आज ही करें अपनी डाइट से बाहर

मजबूत हड्डियां स्वस्थ के लिए काफी ज्यादा जरूरी है. आजकल खान-पान की कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जो आपकी हेल्थ को नुकसान करती हैं और आपको बिल्कुल भी उसको अपनी डाइट में शामिल नहीं करना चाहिए, लेकिन लोग फिर भी खाते हैं. उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों का कमजोर होना बेहद ही आम बात है अगर आप अपने खान-पान पर ठीक से ध्यान नहीं देते हैं, तो आपको कई सारी दिक्कतें शरीर में नजर आ सकती हैं. शरीर को मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम, विटामिन D, मैग्नीशियम और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों की काफी ज्यादा जरूरत होती है. अनहेल्दी चीजों का सेवन हमेशा हड्डियों को कमजोर बनाता है. अगर आपकी डाइट में ऐसी चीजें ज्यादा शामिल हैं, जो आपकी हड्डियां को धीरे-धीरे कमजोर कर रही है, तो आपको उसको आज ही अपनी डाइट से बाहर कर देना चाहिए. आइए आपको बताते हैं.

कौन सी खाने की चीजों को डाइट में शामिल नहीं करना चाहिए?

1. ज्यादा नमक वाली चीजें

आपको अपनी डाइट में भूलकर भी ज्यादा नमक वाली चीजों को शामिल नहीं करना चाहिए. ये आपकी हेल्थ को काफी ज्यादा बेजान करता है और साथ ही साथ हड्डियों को भी कमजोर करता है. अगर आप रोजाना चिप्स, नमकीन, पैकेज्ड स्नैक्स या प्रोसेस्ड फूड खाते हैं, तो आपको इसको तुरंत डाइट से बाहर कर देना चाहिए.

2. सॉफ्ट ड्रिंक्स और कोल्ड ड्रिंक

आपको रोजाना सॉफ्ट ड्रिंक्स और कोल्ड ड्रिंक का सेवन नहीं आपको नहीं करना चाहिए. आपके शरीर में कई सारी दिक्कतें शुरू हो सकती हैं. इनमें मौजूद अधिक चीनी और कुछ प्रकार के एसिड शरीर में कैल्शियम की कमी को पैदा कर देते हैं इसलिए आपको अपनी डाइट में नारियल पानी को शामिल करना चाहिए.

3. जरूरत से ज्यादा कैफीन

जरूरत से ज्यादा कैफीन आपकी हेल्थ के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है. दिनभर कई कप चाय, कॉफी या एनर्जी ड्रिंक पीने की आदत आपकी हड्डियों को बेजान बना रही है. चाय और कॉफी सीमित मात्रा में ही आपको पीनी चाहिए.

4. प्रोसेस्ड फूड

प्रोसेस्ड फूड भी आपके हेल्थ के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायी हो सकता है. अधिक चीनी का सेवन सिर्फ वजन ही नहीं बढ़ाता बल्कि शरीर में सूजन को भी कई गुना तक बढ़ाता है. आपको रोजाना भी इसका सेवन करना चाहिए.

5. फास्ट फूड

अगर आप भी रोजाना अपनी डाइट में बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज, इंस्टेंट नूडल्स को शामिल करते हैं, तो ऐसा आपको गलती से भी नहीं करना चाहिए, वरना आपके शरीर में कई सारी दिक्कतें पैदा हो सकती है. नियमित सेवन आपकी हड्डियों को कमजोर बना सकता है.

सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर नहीं, कम ब्लड प्रेशर भी दिमाग के लिए हो सकता है खतरनाक

अल्जाइमर रोग को आमतौर पर दिमाग से जुड़ी बीमारी माना जाता है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता को प्रभावित करती है, यह दुनिया भर में डिमेंशिया का सबसे बड़ा कारण है और करोड़ों बुजुर्ग इससे प्रभावित हैं. हालांकि अब तक इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन वैज्ञानिक लगातार इसके कारणों और रोकथाम के तरीकों पर शोध कर रहे हैं. क्योंकि अब तक अल्जाइमर के संदर्भ में लो ब्लड प्रेशर पर अपेक्षाकृत कम शोध हुए हैं. आमतौर पर हाई ब्लड प्रेशर को ही हृदय रोग और स्ट्रोक का प्रमुख जोखिम कारक माना जाता रहा है. अध्ययन में हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) और सेरेब्रल इन्फार्क्शन यानी स्ट्रोक के एक प्रकार का भी अल्जाइमर से मजबूत संबंध पाया गया, वहीं, शोधकर्ताओं को हार्ट अटैक (एक्यूट मायोकार्डियल इन्फार्क्शन) और अल्जाइमर के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला.

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर ही नहीं, बल्कि लो ब्लड प्रेशर (हाइपोटेंशन) भी अल्जाइमर रोग से जुड़ा हो सकता है. हालांकि शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि यह अध्ययन केवल दोनों स्थितियों के बीच संबंध दर्शाता है, यह साबित नहीं करता कि लो ब्लड प्रेशर सीधे तौर पर अल्जाइमर का कारण बनता है.

8 लाख लोगों के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण

अध्ययन में मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने लगभग 8 लाख लोगों के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया. इसके लिए ब्रिटेन के यूके बायोबैंक और अमेरिका के 'ऑल ऑफ अस रिसर्च प्रोग्राम' के डेटा का उपयोग किया गया. दोनों डेटाबेस में शामिल करीब 8 लाख प्रतिभागियों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड के आधार पर शोधकर्ताओं ने अल्जाइमर और हृदय संबंधी 11 अलग-अलग बीमारियों के बीच संबंधों की जांच की.

शोध में पाया गया कि अधिकांश हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़ी बीमारियों का संबंध अल्जाइमर से था, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि लो ब्लड प्रेशर का संबंध सबसे मजबूत और लगातार दोनों समूहों में देखने को मिला. यह निष्कर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है

अल्जाइमर और हृदय संबंधी समस्याएं-

वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक (जेनेटिक) स्तर पर भी विश्लेषण किया और पाया कि कुछ जीन, विशेष रूप से एपीओई और एमएपीटी, अल्जाइमर और हृदय संबंधी समस्याओं दोनों से जुड़े हो सकते हैं. ये जीन पहले से ही मस्तिष्क के कार्य और न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जाने जाते हैं.

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लंबे समय तक ब्लड प्रेशर बहुत कम रहता है तो मस्तिष्क तक पर्याप्त मात्रा में रक्त, ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं पहुंच पाते. इससे समय के साथ मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है.

एक अन्य संभावना यह भी है कि लो ब्लड प्रेशर और अल्जाइमर दोनों के पीछे कुछ समान जैविक प्रक्रियाएं काम करती हों, जिन्हें अभी पूरी तरह समझा नहीं जा सका है. कुछ वैज्ञानिक यह भी मानते हैं कि लो ब्लड प्रेशर शुरुआती न्यूरोडीजेनेरेटिव बदलावों का संकेत हो सकता है. शोधकर्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि उनके निष्कर्षों को कारण और परिणाम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि लो ब्लड प्रेशर अल्जाइमर पैदा करता है. इस संबंध को बेहतर तरीके से समझने के लिए आगे और क्लीनिकल तथा जैविक अध्ययन आवश्यक हैं।

एक्ने और ब्लैकहेड्स का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 33 वर्ष है। शादी होकर 8 वर्ष हो गए हैं, अभी तक कोई संतान नहीं हुई है। मासिक बहुत कष्ट से और थोड़ा थोड़ा ही आता है। हमेशा मासिक आने के पहले से ही तनाव रहता है। बहुत इलाज करवाया, बेनतीजा। आपसे प्रार्थना है कि आयुर्वेद में कोई उपचार बताएं।

- श्रीमती हरी प्रिया राव, करीमनगर

उत्तर : माहवारी पूर्व का तनाव (प्रीमेंस्ट्रूअल टेंशन), दर्द, आर्तव स्राव की अनियमिता , कष्टार्तव,अल्पार्तव और बंध्यत्व जैसी स्थितियों का आयुर्वेद में उपचार है। आयुर्वेद में ऐसी कई औषधियां और जड़ी बूटियां है जो स्त्री शरीर को बिना हानी पहुंचाएं, हारमोंस की प्रक्रिया को बिना छेड़े, गर्भाशय से जुड़ी समस्याओं का हल करती है । बबूल की छाल, शिलाजीत, शाल्मली, मुस्ता, लोध, बला, कुमारी, शतावरी, अशोक आदि कुछ ऐसी जड़ी बूटियां है, जो स्त्री के प्रजनन संस्थान को बल प्रदान करती है, दुरुस्त करती है। यह सभी बूटियां औरा फेमीब्लेझ सिरप में उपलब्ध है। इसको 10 से 15 मिलीलीटर, दोगुने पानी के साथ, दिन में दो बार, तीन माह तक सेवन करने से पी एम यस , कष्टार्तव, अल्पार्तव व बंध्यत्व समाप्त होता है। रोज सुबह -शाम शतावरी चूर्ण के साथ ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस टिकिया गाय के दूध से सेवन करें । भोजन के बाद ऊंझा अशोकारिष्ट का प्रयोग करने से भी कष्टार्तव दूर होकर गर्भाशय को बल मिलता है। रक्ताल्पता की स्थिति में ऊंझा ताप्यादि लोह टिकिया लेना गुणकारी होता है।

प्रश्न: मेरी उम्र 60 वर्ष है। जब भी हाथ पैर में दर्द होता है सीधे मेडिकल हाल से काम्बिफ्लाम टिकिया ले लेता हूं। महीने में 15-20 गोलियां लेनी ही पड़ती है। क्या मुझे चिकित्सक को दिखाना चाहिए?

- ए वेंकटेश्वर, सिकंदराबाद

उत्तर : अपनी मर्जी से दवाई लेने की आदत बुरी है ,गलत है। इसकी वजह से कभी-कभी लेने के देने भी पड़ सकते हैं। एक सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि 52% भारतीय बिना चिकित्सकीय सलाह के अपनी मर्जी से दवाई खाते हैं। अपनी इस आदत के चलते कभी लिवर डैमेज, स्ट्रोक, अल्सर , डायरिया, एलर्जी और यहां तक कि किडनी फेल होने तक की समस्या आ सकती है। सभी एलोपैथिक दवाएं विभिन्न केमिकल से बनी होती है, जिनके मात्रा में लेने पर अच्छे असर होते हैं और वही बेहिसाब लेते रहने से यह बेहद हानिकारक और कभी-कभी प्राणघातक भी बन जाते हैं। दवा विक्रेता डॉक्टर या वैद्य नहीं होता। दवा की बारीकियों की उसको पूरी जानकारी नहीं होती। ऐसे व्यक्ति की सलाह ₹नीम हकीम- खतरे जान₹ ही साबित होती है। हिंदुस्तान में सबसे सरल काम बन गया है राय देना, सलाह देना। हर व्यक्ति स्वयं को किसी एक्सपर्ट या विशेषज्ञ से कम नहीं समझता। राय चंदों की राय बिना दिमाग के प्रयोग करने पर हम कभी भी बड़े खतरे में पड़ सकते हैं । इं ट र ने ट देखकर या गूगल कर

केवल लक्षणों को मिलाकर दवा लेना मौत से खेलने के बराबर है। मेरी आपसे गुजारिश है कि आप self-medication ना कर अच्छे वैद्य या चिकित्सक से अपनी पूरी जांच करवाएं। और अपने वैद्य की सलाह पर ही दवा का सेवन करें ।यदि आपका वैद्य परहेज बताता है तो उसका पालन करना हमेशा आपके हित में ही रहेगा। अपने अनमोल शरीर से खेले नहीं। आपका यह खिलवाड़ जाने -अनजाने में काफी महंगा सौदा साबित हो सकता है । अब जाग जाए। अपने भरोसेमंद परिवार के वैद्य से जांच करवा कर ही औषधि का सेवन करें।

प्रश्न : मैं कॉलेज स्टूडेंट हूं। चेहरे पर एक्ने और ब्लैकहेड्स होते जा रहे हैं। इससे छुटकारा पाने क्या करूं? कृपा कर बताएं!

- सदाशिव, जहीराबाद

उत्तर : अधिकांश किशोर वय के युवाओं की यही समस्या है। इस उम्र में हार्मोनल बदलाव की प्रक्रिया तेज हो जाती है। इस कारण चेहरे पर सीबम का रिसाव होने लगता है। यदि इस तैलीय पदार्थ के बाहर निकलने में कुछ बाधा आती है तब यह मुंहासे और ब्लैकहेड्स की शक्ल अख्तियार करते हैं। मलबद्धता यानी कब्जियत इस स्थिति को और खराब करती है। अतः यह ध्यान रहे कि किसी भी स्थिति में हर दिन पेट साफ होता रहे। इसके लिए आप रात सोते समय औरा लैक्झोल पाउडर या फिर ऊंझा निरोग चूर्ण या स्वादिष्ट विरेचन चूर्ण लेवें। जितना हो सके ताजा फल और सलाद खाएं। यह शरीर को डिटॉक्सिफाई करेगा ।औषधि में ऊंझा रक्त शोधक सिरप लेवें। कैशोर गुग्गुल ,महामंजिष्ठादि घन टिकिया व गंधक रसायन टैबलेट भोजन के बाद लेवें। रात में सोने से पहले नींबू व तुलसी का रस बराबर मात्रा में लेकर ब्लैक व्हाइट हेड्स पर लगाएं । रात भर लगे रहने दें। सुबह उसे गुनगुने पानी से धो लेवें। कुछ ही दिनों में चेहरा मुंहासे व ब्लैकहेड से मुक्ति पाकर तरोताजा खिल उठेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

देश में एलपीजी उत्पादन 54% बढ़ा

अमेरिका से आई अतिरिक्त गैस, सरकार ने बताया संकट से कैसे निकला भारत

नई दिल्ली,29 जून (एजेंसियां)। होर्मुज स्ट्रेट में अब हालात सामान्य हो रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है। साथ ही एलपीजी यानी कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की।

फरवरी में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद होर्मुज से निकले वाले जहाजों पर संकट आ गया था। चार महीने तक होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को इस व्यवधान के असर से बचाने के लिए कई आपातकालीन उपाय किए।

रिफाइनरियों में बढ़ा एलपीजी उत्पादन

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जिन रिफाइनरियों में पहले कभी कुकिंग गैस का उत्पादन नहीं हुआ था, उनमें उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ ही दिनों में बदलाव किए गए। इसका नतीजा यह हुआ कि एलपीजी का उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रतिदिन हो गया। यानी इसमें 54 फीसदी की तेजी आई।

इन देशों से बढ़ाई सप्लाई

मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लाकर, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके और कई देशों से एलपीजी की वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित करके घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई की कमी से बचाया। उन्होंने कहा कि सरकार के कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि ग्लोबल एनर्जी संकट के बावजूद कुकिंग गैस और ईंधन की सप्लाई स्थिर बनी रही।उन्होंने कहा कि भारत ने अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ एलपीजी सप्लाई के नए इंतजाम किए।

साथ ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त खेप हासिल कीं।

कालाबाजारी पर लगाम

सरकार की ओर से संकट के दौरान उठाए गए कदमों में मार्च में ईंधन पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती भी शामिल थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घरों तक पहुंचने वाली कुकिंग गैस की पूरी सुरक्षा की गई और कालाबाजारी करने वालों द्वारा इस कीमती सप्लाई की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया।

अडानी पावर का शेयर बनेगा लंबी रेस का घोड़ा?

मॉर्गन स्टेनली ने जताया भरोसा, 1 साल में दिया 100% रिटर्न

नई दिल्ली,29 जून (एजेंसियां)। अडानी पावर का शेयर इस समय लंबी रेस का घोड़ा बना हुआ है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान भी इसने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। पिछले 6 महीने में यह शेयर 60 फीसदी से ज्यादा उछल गया है।

वहीं एक साल में इसका रिटर्न 90 फीसदी से ज्यादा लेकिन 100 फीसदी के करीब रहा है। जानकारों के मुताबिक इस शेयर में आने वाले समय में और तेजी आ सकती है। सोमवार को अडानी पावर के शेयर में कुछ गिरावट आई। दोपहर करीब 1 बजे यह शेयर 0.85% की गिरावट के साथ 227.30 रुपये पर कारोबार कर रहा था। हालांकि कारोबार के दौरान एक समय इसमें गिरावट 224.65 रुपये तक पहुंच गई थी। लेकिन बाद में इसने कुछ बढ़त बनाई।

कितना दिया रिटर्न?

पिछले एक साल में इस शेयर में करीब 94 फीसदी की तेजी आई है। आज यानी सोमवार की गिरावट से पहले यह यह शेयर एक साल में 95 फीसदी से ज्यादा उछल गया था। बात अगर 5 साल के लॉन्ग टर्म की करें तो इसने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। 5 साल में इस शेयर में 900 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है।अगर आपने 5 साल पहले अडानी पावर के एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो उनकी वैल्यू आज 91 लाख रुपये से ज्यादा होती।

शेयर में तेजी का बड़ा कारण

अडानी पावर के शेयर में आने वाले समय में तेजी देखी जा सकती है। इसका बड़ा कारण अडानी ग्रुप की बड़ी प्लानिंग है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने हाल में ग्रुप की एजीएम में बताया कि अडानी ग्रुप अब थर्मल, रिन्यूएबल, हाइड्रो और गैस के बाद देश के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी धमाकेदार एंट्री करने जा रहा है। उन्होंने बताया कि अडानी पावर बिजली उत्पादन में देश का सबसे बड़ा निजी निवेश कार्यक्रम चला रही है। इसके तहत 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत खर्च के साथ अगले 5 वर्षों में उत्पादन क्षमता को 45 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इससे अडानी पावर के शेयर में आने वाले समय में तेजी देखी जा सकती है।अडानी पावर के शेयर पर दिग्गज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने भी भरोसा जताया है।

भारत की साख पर कोई आंच नहीं

मूडीज को पूरा कॉन्फिडेंस, खतरे में भी खड़े होने का दम

नई दिल्ली,29 जून (एजेंसियां)। भारत की साख पर आंच आने का कोई खतरा नहीं है। मूडीज रेटिंग्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा जाहिर किया है। उसके अनुसार, भारत इस साल अपनी इन्वेस्टमेंट-ग्रेड सॉवरेन रेटिंग को जोखिम में डाले बिना मौजूदा अनुमानों से ज्यादा राजकोषीय घाटे (फिस्कल डेफिसिट) को संभालने की अच्छी स्थिति में है। मूडीज का मानना है कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से बजट पर पड़ने वाला कोई भी दबाव अस्थायी हो सकता है। आसान शब्दों में जब सरकार की कमाई कम और खर्च ज्यादा होता है तो उस कमी को पूरा करने के लिए जो कर्ज लेना पड़ता है, उसे ही राजकोषीय घाटा कहते हैं।

इस साल मिडिल ईस्ट में संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बाद देश के राजकोषीय हालात (फिस्कल आउटलुक) को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। तेल की ऊंची कीमतें आमतौर पर भारत के आयात बिल को बढ़ाती हैं। महंगाई का दबाव बढ़ता है। सब्सिडी की लागत में इजाफा होता है। इससे आर्थिक विकास और सरकार की राजकोषीय स्थिति दोनों के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर स्थित मूडीज रेटिंग्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट क्रिश्चियन

डी गुजमैन ने कहा, 'हमें नहीं लगता कि भारत पर इसका कोई खास असर पड़ेगा क्योंकि यह झटका ज्यादातर देशों के लिए निगेटिव है। मूडीज ने अभी भारत को 'बीएए3' रेटिंग दी है। यह इन्वेस्टमेंट-ग्रेड कैटेगरी में सबसे निचला स्तर है। इसका आउटलुक 'स्टेबल' (स्थिर) है। डी गुजमैन के अनुसार, यह रेटिंग कोरोना महामारी के बाद से अपनी राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने में सरकार की लगातार प्रगति को दिखाता है। इस महीने ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट दी थी कि नीति निर्माता मौजूदा वित्त वर्ष (जो मार्च 2027 में खत्म होगा) के दौरान राजकोषीय घाटे के 50 बेसिस पॉइंट्स तक बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 4.8% होने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, डी गुजमैन ने यह नहीं बताया कि राजकोषीय स्थिति में कितनी गिरावट को मूडीज भारत की मौजूदा रेटिंग के अनुकूल मानेगा।

चांदी 5,059 बढ़कर 2.22 लाख किलो पर पहुंची

24 कैरेट सोना 2,038 महंगा होकर 1.42 लाख हुआ, इस साल कीमत 9 हजार बढ़ी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में 29 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 1 किलो आज चांदी 5,059 रुपए बढ़कर 2.22 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना आज 2,038 रुपए महंगा होकर 1.42 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.40 लाख पर था।

सोना इस साल 9 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब

2.22 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 8 हजार रुपए कम हुई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

अमेरिका-चीन ने मिलकर करा दी भारत की 'झींगालाला', भरभरकर भेजे गए टैंकर, टूटे सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली,29 जून (एजेंसियां)। चीन की बढ़ती मांग ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के फ्रोजन झींगा निर्यात को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाने में मदद की। वहीं, अमेरिका ने देश के सबसे बड़े निर्यात बाजार के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत वाणिज्य विभाग ने यह जानकारी दी। कॉमर्स डिपार्टमेंट ने कहा, 'मजबूत प्रदर्शन भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों की निरंतर मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत के समुद्री निर्यात की बढ़ती पहुंच को दिखाता है।'

अब तक के टूटे सारे रिकॉर्ड

विभाग की ओर से अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए एक इन्फोग्राफिक के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश का फ्रोजन श्रिम्प एक्सपोर्ट अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिका 1.61 अरब डॉलर के शिपमेंट के साथ भारतीय फ्रोजन श्रिम्प एक्सपोर्ट के लिए सबसे बड़ा डेस्टिनेशन बना रहा। चीन एक प्रमुख ग्रोथ इंजन के रूप में उभरा। इसका देश में निर्यात 94.16 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। पोस्ट में कहा गया है, 'भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों की निरंतर मांग भारत के समुद्री निर्यात की ताकत और प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को दिखाती है।'

आंकड़े आने का समय क्यों है अहम?

एक्सपोर्ट के ताजा आंकड़े ऐसे समय में आए हैं जब सरकार समुद्री खाद्य निर्यात डेस्टिनेशन में विविधता लाने की कोशिश में जुटी है। साथ ही क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को मजबूत करने के प्रयास बढ़ा रही है। उन प्रयासों के हिस्से के रूप में केंद्र ने इस महीने की शुरुआत में विशाखापत्तनम में दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' का आयोजन किया। इसमें भारत के समुद्री खाद्य निर्यात के विस्तार के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए समुद्री खाद्य उद्योग, निर्यातकों और

राज्य सरकारों के हितधारकों को एक साथ लाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अध्यक्ष के एस श्रीनिवास ने कहा कि भारत का समुद्री खाद्य क्षेत्र वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बावजूद फ्लेक्सिबल बना हुआ है। नए बाजारों में यह सफलतापूर्वक विस्तार कर रहा है।

यह है भारत की स्ट्रेटेजी

श्रीनिवास ने कहा था कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक बाजार स्थितियों के बावजूद भारत का सी फूड एक्सपोर्ट वित्त वर्ष 2025-26 में 19,72,018 टन के साथ 73,890.46 करोड़ रुपये यानी 8.46 अरब डॉलर के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने यह भी कहा था कि इस क्षेत्र में वैल्यू एडेड सी फूड प्रोडक्ट्स की मजबूत मांग देखी जा रही है। आने वाले सालों में एक्सपोर्ट ग्रोथ को बनाए रखने के लिए मार्केट डायवर्सिफिकेशन एक प्रमुख रणनीति बनी रहेगी। वाणिज्य मंत्रालय अपनी लॉन्ग-टर्म एक्सपोर्ट स्ट्रेटेजी के हिस्से के रूप में क्वालिटी स्टैंडर्ड को मजबूत करने, निर्यात बुनियादी ढांचे में सुधार, बाजार पहुंच का विस्तार करने और भारत के समग्र समुद्री निर्यात में वैल्यू एडेड सी फूड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मत्स्य पालन विभाग और एमपीईडीए के साथ भी काम कर रहा है।

उधर जंग के नगाड़ों की आवाज घटी, इधर भारत के लिए गुड न्यूज

फैक्ट्रियों की बढ़ी स्पीड, उत्पादन में आई तेजी

नई दिल्ली,29 जून (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जंग के नगाड़ों की आवाज धीमी होते ही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गुड न्यूज आई है। मई 2026 में देश का औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर 5.1% बढ़ा है। अप्रैल में यह बढ़ोतरी 4.9% थी। माइनिंग में गिरावट के बावजूद फैक्ट्री गतिविधियों में लगातार विस्तार देखा गया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के ताजा अनुमानों में यह जानकारी दी गई। इस बढ़ोतरी में मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग (5.5% विस्तार) और बिजली व गैस सप्लाई (9.9% उछाल) का योगदान रहा। पानी की सप्लाई, सीवरेज और वेस्ट मैनेजमेंट में भी 5.5% की बढ़ोतरी हुई। वहीं माइनिंग और क्वारींग में 1.6% की गिरावट आई। मई 2026 में आईआईपी का क्विक एस्टीमेट 122.7 रहा, जबकि मई 2025 में यह 116.7 था।डेटा जारी होने के साथ ही औद्योगिक उत्पादन सूचकांक तैयार करने के तरीके में भी अहम बदलाव किया गया है। एमओएसपीआई ने कहा कि उसने नई आईआईपी सीरीज (जिसका बेस ईयर 2022-23 है) के लिए होलसेल प्राइस इंडेक्स की जगह आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स को डिफ्लेटर के तौर पर अपनाया है। इस बदलाव का असर आईआईपी बास्केट में शामिल 463 आइटम ग्रुप्स में से 234 पर पड़ा है। यह कुल इंडेक्स वेट का 36.02% हिस्सा हैं। मंत्रालय ने कहा कि संशोधित पीपीआई-आधारित सीरीज 1 जून को जारी पिछली डब्ल्यूपीआई -आधारित आईआईपी 2022-23 सीरीज की जगह लेगी। एमओएसपीआई के अनुसार, आउटपुट पीपीआई कीमतों का ज्यादा विस्तृत स्ट्रक्चर देता है। उन आइटम्स के लिए वास्तविक उत्पादन के माप को बेहतर बनाता है जिनका प्रोडक्शन डेटा वैल्यू के रूप में रिपोर्ट किया जाता है। मंत्रालय ने कहा कि यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने वाले सबसे अच्छे तरीकों और आईआईपी के बेस ईयर में बदलाव पर बनी टेक्निकल एडवाइजरी कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप है।मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 23 इंडस्ट्री ग्रुप्स में से 16 ने मई में पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की। मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ में सबसे बड़ा योगदान देने वाले तीन सेक्टर थे- 'मोटर वाहनों, ट्रेलरों और सेमी-ट्रेलरों का निर्माण' (14.5% ग्रोथ), 'इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट का निर्माण' (20.8% ग्रोथ) और 'बेसिक मेटल्स का निर्माण' (4.6% ग्रोथ)।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव से सेंसेक्स-निफ्टी फिर कमजोर पड़े

मुंबई,29 जून (एजेंसियां)। लगातार दो कारोबारी सत्रों की शानदार तेजी के बाद, सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला है। पश्चिम एशिया में में ईरान और अमेरिका के बीच अचानक बढ़े भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों के मन में डर पैदा कर दिया है। इसी तनाव के चलते सोमवार को न केवल भारतीय बाजार गहरे लाल निशान में बंद हुए, बल्कि दुनियाभर के बाजारों में भी खलबली मच गई।सोमवार के कारोबारी सत्र के अंत में, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 372.10 अंक (0.48%) का गोता लगाकर 76,728.37 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 109.75 अंक (0.46%) फिसलकर 23,946.25 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार की इस भारी गिरावट और अनिश्चितता का सीधा असर भारतीय मुद्रा पर भी दिखाई दिया, जहां अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे कमजोर होकर 94.54 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में आई यह गिरावट सिर्फ लार्ज-कैप शेयरों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि ब्रॉडर मार्केट में भी इसका भारी असर दिखा। निफ्टी स्मॉलकैप 100 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.6% तक टूट गए। अलग-अलग सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी ऑटो इंडेक्स सबसे ज्यादा नुकसान में रहा और 2% से अधिक लुढ़क गया। हालांकि, चौतरफा बिकवाली के इस माहौल में निफ्टी फार्मा ने निवेशकों को थोड़ी राहत दी और यह 1% से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। सोमवार को बाजार का मिजाज पूरी तरह नकारात्मक रहा। एनएसई पर कुल 2,036 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,330 शेयरों में ही बढ़त देखने को मिली और 104 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। प्रमुख कंपनियों की बात करें तो अडाणी एंटरप्राइजेज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में तगड़ी बिकवाली हुई और दोनों कंपनियों के शेयर 2-2 फीसदी तक गिर गए। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का खौफ पूरी दुनिया के शेयर बाजारों पर महसूस किया जा रहा है। एशियाई बाजारों में भारी बिकवाली हुई, जिसमें जापान का टॉपिक्स इंडेक्स सबसे ज्यादा 4.6% गिर गया। हांगकांग का हैंग सेंग 2.8%, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 2.2% और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.4% टूट गया। इसके अलावा, अमेरिकी बाजार के एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में भी 0.6% की गिरावट देखी गई, जबकि यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स में कोई खास बदलाव दर्ज नहीं किया गया।

टाटा मोटर्स करने वाली है बड़ा कमाल! बनेगी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल कंपनी; इस डील से होगा 'खेल'

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल (सीवी) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि इटली की इवेको को खरीदने से कंपनी की सालाना बिक्री शुरुआत में करीब 6 लाख यूनिट्स तक पहुंच जाएगी। यह आंकड़ा कंपनी को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरर बनाएगा। चंद्रशेखरन ने कंपनी की दूसरी एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स सीवी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इस आंकड़े को 10 लाख यूनिट्स तक ले जाना है। चंद्रशेखरन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब टाटा मोटर्स सीवी इवेको के कारोबार को अपने कारोबार में एकीकृत करने पर काम कर रही है।

ग्लोबल लक्ष्यों को तेजी मिलेगी

चंद्रशेखरन ने आगे कहा कि प्रस्तावित इवेको अधिग्रहण से टाटा मोटर्स के ग्लोबल लक्ष्यों को तेजी मिलेगी। इस अधिग्रहण के लिए रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है और उम्मीद है कि यह इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा। इस डील से टाटा मोटर्स को एडवांस्ड पावरट्रेन और अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी मिलेंगी, साथ ही इससे कंपनी की ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्ट पोर्टफोलियो मजबूत होगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी मौजूदगी काफी बढ़ेगी। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल ने हाल ही में अपने कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया है और नई कीमतें 1 जुलाई से लागू होंगी। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि इस बढ़ोतरी की वजह कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी होना और लागत का बढ़ना है। यह बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल पर विभिन्न होगी और 2.5 प्रतिशत तक सीमित होगी। इस बढ़ोतरी से टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स भी उन कंपनियों में शामिल हो गई है, जिन्होंने मध्य पूर्व संकट के चलते कच्चे माल और लागत में बढ़ोतरी के कारण कीमतों में इजाफा किया है। इससे पहले, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल (टीएमपीवी) ने 12 जून को अपनी ईंधन (पेट्रोल, डीजल और सीएनजी) और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। नई कीमतें एक जुलाई से लागू होंगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन	04-48 बजे
चंद्र	धनु	मे	कर्क	07-00 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह	09-32 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या	11-18 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला	13-24 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक	15-34 बजे
शनि	मीन	मे	धनु	17-48 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर	19-53 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ	21-44 बजे
			मीन	23-22 बजे
			मेष	00-58 बजे
			वृष	02-48 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-47
सूर्यास्त. 18 -49
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ मंगलवार 30 June 2026
तिथि - कृष्ण पक्ष प्रतिपदा अहोरात्र
नक्षत्र - पूर्वाषाढा प्रात: 06-51 तक उप उत्तराषाढ़ा
योग. - ब्रह्म 15-18 तक उप ऐन्द्र
करण - बालव 18-33 तक उप कौलव

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 15-37 से 17-15 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-47 - 07-25	अशुभ	काल	18-49 - 20-15	अशुभ
उत्पात	07-25 - 09-03	अशुभ	लाभ	20-15 - 21-37	शुभ
चंचल	09-03 - 10-41	शुभ	उत्पात	21-37 - 22-58	अशुभ
लाभ	10-41 - 12-20	शुभ	शुभ	22-58 - 00-20	शुभ
अमृत	12-20 - 13-58	शुभ	अमृत	00-20 - 01-42	शुभ
काल	13-58 - 15-37	अशुभ	चंचल	01-42 - 03-03	शुभ
शुभ	15-37 - 17-15	शुभ	रोग	03-03 - 04-25	अशुभ
रोग	17-15 - 18-49	अशुभ	काल	04-25 - 05-47	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है ।आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे । इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी । आपको बस यह देखना है की यही स्थिति लगातार बनी रहे और आपको भी कोई परेशानी न हो ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं ।आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितत्ता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा ।आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है ।आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

यमुना जल पर राजस्थान-हरियाणा के बीच बनी सहमति

अमित शाह की मौजूदगी में सीएम भजनलाल-नायब सिंह ने एमओए किए साइन

गृहमंत्री अमित शाह, राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। यमुना जल बंटवारे को लेकर राजस्थान और हरियाणा के बीच 1994 के समझौते को लागू करने के विवाद को सुलझाने पर आखिरकार 32 साल बाद सहमति बन गई है। सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसे लागू करने के मेमोरंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी मौजूद थे। समझौते के बिन्दुओं पर दोनों राज्यों के अधिकारियों के बीच चली मैराथन मीटिंग में सहमति बनी।

राजस्थान और हरियाणा के अधिकारियों के बीच यहां बीकानेर हाउस में दो घंटे चली बैठक में सहमति बनी। राजस्थान से मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, एसीएस अभय कुमार, जल संसाधन विभाग के चीफ इंजीनियर भुवन भास्कर और हरियाणा के एसीएस अनुराग अग्रवाल, चीफ इंजीनियर वीरेन्द्र सिंह मौजूद रहे। हरियाणा के सीएस अनुराग रस्तोगी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। दानोदा कलां से दस क्यूसेक, नयागांव के पास सारसौद डिस्ट्रीब्यूटी से 80 क्यूसेक, चौधरी माइनर पर हिंदवान से 70 क्यूसेक, सरसना माइनर पर पाट्टन पर 20 क्यूसेक, सेगा नरार से 2 क्यूसेक, कैथल टाउन के पास पेओदा से 43 क्यूसेक व कैथल टाउन के पास चांदना मानस रोड से 41.83 क्यूसेक पानी की मांग की है। इसके अतिरिक्त एक और स्थान से भी पानी लिया जाएगा। हरियाणा हाश्यावास के तीन रिजर्वायर में से एक से भी आवश्यकतानुसार पाने के लिए पानी ले जा सकेगा।

हथिनी कुंड बैराज से राजगढ़, चूरू के जलाशय के बीच भूतल के स्तर में करीब 110 मीटर का अन्तर है और राजगढ़ 110 मीटर नीचा है। ऐसे में पानी हथिनी कुंड से ग्रेविटी के प्रवाह से राजगढ़ तक पहुंचेगा। हालांकि इस पाइपलाइन को हाईब्रिड मोड पर बनाया जा रहा है और पम्पिंग स्टेशन भी बनाए जाएंगे ताकि जब पानी कम होगा तब उसे पंप के सहारे राजगढ़ तक लाया जा सके।

परियोजना का संचालन करने के लिए पहले संयुक्त बोर्ड का प्रस्ताव था लेकिन अब दोनों राज्य स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) कंपनी बनाने पर सहमत हो गए है और इसके गठन के और बिन्दु आगे तय होंगे। यह कंपनी ही इस परियोजना का संचालन करेगी। इस परियोजना का पूरा आर्थिक व्यय राजस्थान सरकार वहन करेगी। हालांकि, इस व्यय में केंद्र सरकार से भी सहयोग लेने का प्रयास किया जाएगा। भविष्य में किशाऊ, लखवार, रेणुकाजी से राजस्थान के हिस्से का पानी भी इन्हीं पाइपलाइन के जरिए राजस्थान पहुंच सकेगा। राजस्थान को 1994 के समझौते के आधार पर ही पानी मिलेगा। हरियाणा का समझौते के बाद बदली परिस्थितियों और मांग के अनुसार बंटवारे का प्रस्ताव था जिस पर राजस्थान की ओर से मदर समझौते को ही फिलहाल लागू करने के प्रस्ताव पर दोनों राज्य सहमत हुए। राजस्थान को 1917 क्यूसेक पानी मिलेगा। हथिनी कुंड से चूरू के हाश्यावास तक तीन पाइपलाइन डलेंगी और प्रत्येक का 3.6 डाया मीटर की होंगी। पाइपलाइन के रास्ते में भूमि अवाप्ति की जाएगी निर्माण के टेंडर और वर्कऑर्डर के बाद काम शुरू होगा।

'निजी स्कूलों में बच्चों को भेजने वाले शिक्षक निकम्मे'

मदन दिलावर ने गुटखा खाने-शराब पीने वाले टीचरों को भी चेताया

टोंक, 29 जून (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि जो सरकारी शिक्षक अपने बच्चों को निजी स्कूल में पढ़ाते हैं वे निकम्मापन कर रहे हैं। वे मुफ्त का वेतन ले रहे हैं। यदि उन्हें इस श्रेणी में नहीं आना है तो वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में डाल दें। मंत्री मदन दिलावर टोंक में खटीक समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी ग्रेड थर्ड के टीचरों के ट्रांसफर नहीं हो रहे हैं।

दिलावर ने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए मैंने गालियां तो खाई हैं, लेकिन सुधार किया है। अब केवल शत-प्रतिशत परिणाम दिखाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि 80 अंकों की परीक्षा में विद्यार्थियों को कम से कम 40 अंक लाने होंगे। यदि परिणाम खराब रहा तो संबंधित शिक्षक से जवाब-तलब किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर निलंबन या तबादले करेंगे। दिलावर ने कहा कि गुटखा खाने और शराब पीने वाले शिक्षकों की सूची बना रहे है।

मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि नई पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण और मानवीय मूल्यों से युक्त शिक्षा देने के लिए राज्य सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में कई बड़े बदलाव किए हैं। इन निर्णयों को लेकर आलोचना और गालियां भी सुननी पड़ी। लेकिन बच्चों के भविष्य से कोई समझौता नहीं किया गया। उन्होंने समाज के सक्षम वर्ग से गरीब और निराश्रित बच्चों की शिक्षा का जिम्मा उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे बड़ा माध्यम है। दिलावर खटीक समाज अधिकारी-कर्मचारी समिति की ओर से टॉक में आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। दिलावर ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान केवल सम्मानित होने वालों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देने का माध्यम भी है। शिक्षा मंत्री ने अभिभावकों से बच्चों का प्रवेश सरकारी विद्यालयों में कराने की अपील करते हुए कहा कि स्कूलों में अनुशासन, समयपालन और गुटखा प्रतिबंध जैसे निर्णय विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखकर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायतराज में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। यदि किसी स्तर पर राशि का दुरुपयोग हुआ तो संबंधित अधिकारी से पूरी राशि वसूल की जाएगी। केवल नोटिस या निलंबन से काम नहीं चलेगा।

समारोह की अध्यक्षता जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने की। सरकारी नौकरी के अलावा प्राइवेट क्षेत्र में भी युवाओं को आगे आना होगा। कार्यक्रम में शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली 300 से अधिक प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान देकर सम्मानित किया गया। समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया, लक्ष्मी देवी जैन, सत्यनारायण चंदेल, राधेश्याम जगरवाल, नंदकिशोर, विनोद सांखला, मोतीलाल, समिति संरक्षक शिवजी लाल, संयोजक लालचंद, अध्यक्ष छोटूलाल चंदेल, प्रहलाद खटीक आदि मौजूद थे।

निर्माणाधीन रिसोर्ट की दीवार गिरी

तीन लोगों की मौत, तीन गंभीर घायल

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। जयपुर जिले के चंदवाजी थाना क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां दिल्ली हाईवे पर ताला मोड़ के समीप एक निर्माणाधीन रिसॉर्ट की इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मृतक मजदूर बिहार के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

दिल्ली हाईवे पर ताला मोड़ के समीप 'द पैलेस अरावली' रिसॉर्ट में करीब 100 फीट लंबा, 30 फीट चौड़ा और 20 फीट गहरा सीवरेज का गड्ढा खोदा गया था। सोमवार को मजदूर इसी गड्ढे को दुरुस्त करने के काम में जुटे थे। बताया जा रहा है कि एक तरफ रिसॉर्ट का निर्माण कार्य चल रहा था, वहीं दूसरी तरफ खोदी गई मिट्टी का भराई का काम चल रहा था। इसी दारौन अचानक मिट्टी भरभराकर नीचे काम कर रहे मजदूरों पर आ गिरी। जब तक मजदूर कुछ समझ पाते, सभी मलबे में दब गए।

हादसा होते ही रिसॉर्ट परिसर में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। इस भीषण हादसे को देख ठेकेदार मौके से फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना चंदवाजी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और मलबे को हटाकर भारी मशक्कत के बाद सभी 6 मजदूरों को बाहर निकाला।

चिकित्सकों ने 3 मजदूरों को मृत घोषित कर दिया, वहीं 3 गंभीर घायल मजदूरों को तुरंत नजदीक के निम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार ठेकेदार की तलाश की जा रही है।

10 हजार का इनामी डमी कैंडिडेट गिरफ्तार, 1 लाख लेकर दी थी परीक्षा

असली अभ्यर्थी बन चुका था सरकारी टीचर

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी भर्ती परीक्षा-2022 में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने परीक्षा में दूसरे छात्र की जगह बैठकर पेपर देने वाले डमी अभ्यर्थी चंद्रभान यादव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 10,000 रुपए का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी चंद्रभान यादव सीकर जिले के अजीतगढ़ (किशोरपुरा) का रहने वाला है। वह वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में बीएएमएस प्रथम वर्ष का छात्र है।

जांच में सामने आया कि यह परीक्षा 24 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी। मूल अभ्यर्थी अनिल कुमार मीणा ने खुद विज्ञान विषय की परीक्षा नहीं दी थी। अनिल कुमार मीणा ने चंद्रभान यादव को अपनी जगह परीक्षा में बैठने के लिए 1 लाख दिए थे।

लूटपाट करने वाली महिला गैंग का पर्दाफाश

विरोध करने पर आंखों में डाल देती थीं मिर्ची, ब्लेड से करती हैं वार

झालावाड़, 29 जून (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले की पनवाड़ थाना पुलिस ने कपड़े की दुकान में लूट का प्रयास करने वाली महिला गैंग का खुलासा करते हुए 4 आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए ब्लेड के टुकड़े और लाल मिर्च पाउडर भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार ये गैंग राजस्थान के अन्य जिलों में भी चोरी और नकबजनी जैसी वारदातों को अंजाम दे चुकी हैं। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि जिले में लूट और डकैती की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पनवाड़ थाना पुलिस ने 28 जून 2026 को कार्रवाई करते हुए लूट के प्रयास के मामले में 4 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोराजमल मीणा और खानपुर वृत्ताधिकारी गरीमा जिंदल के सुपरविजन में की गई।

पुलिस के अनुसार पनवाड़ कस्बे में स्थित एक कपड़े की दुकान में लूट का प्रयास किया था। प्रकरण की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी महिलाओं की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हेमलता उर्फ ममता (निवासी सरकन्या थाना सीसवाली जिला बारां), रंगीली, भुली बाई और कोशना (निवासी काचरी थाना अटरू जिला बारां) शामिल हैं।

जांच में सामने आया कि आरोपी महिलाएं वारदात के दौरान यदि कोई व्यक्ति विरोध करता था तो उसकी आंखों में लाल मिर्च पाउडर डाल देती थीं या ब्लेड से हमला कर घायल कर लूट की वारदात को अंजाम देती थीं।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर भीषण हादसा

श्रद्धालुओं से भरी बस को ट्रक ने मारी टक्कर; तीन की मौत

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे-48 पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा दूदू क्षेत्र के मोखमपुरा थाना इलाके में महला गांव के पास सुबह करीब पांच बजे हुआ। सड़क किनारे खराब होकर खड़ी एक निजी बस को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई।

पुलिस के अनुसार, बस में करीब 20 श्रद्धालु सवार थे, जो चित्तौड़गढ़ स्थित सांवरिया सेठ मंदिर के दर्शन कर जयपुर लौट रहे थे। रास्ते में बस का एक्सेल टूट जाने के कारण चालक ने वाहन को हाईवे किनारे खड़ा कर दिया था। वह बस को ठीक करने का प्रयास कर रहा था, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मोखमपुरा थाना अधिकारी सुरेश कुमार गुर्जर ने बताया कि दुर्घटना में जयपुर के घाट की गूनी निवासी मधुराज (30), चांदपोल निवासी राहुल हरिजन (29) और बस चालक साताराम (30) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया है। बस में सवार अन्य यात्रियों को भी मामूली चोटें आई हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मृतकों के शव दूदू अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाए हैं और उनके परिजनों को सूचना दे दी है।

सरकार से नाराज लोगों का 'जीवित समाधि' लेने का प्रयास, नेता प्रतिपक्ष जूली ने निकाला बाहर

अलवर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले से विरोध प्रदर्शन की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है, जिसने पूरे प्रशासनिक महकमे में खलबली मचा दी है। अलवर ग्रामीण विधानसभा के बहादरपुर नगर पालिका क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन और राज्य की भाजपा सरकार की नीतियों से गुस्साए पांच लोगों ने नगर पालिका कार्यालय के ठीक पास बने गड्ढे में उतर कर 'जीवित समाधि' लेने की कोशिश की। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच इन लोगों को गड्ढे में समाधि लेते देख वहां मौजूद आम जनता और राहगीर दंग रह गए।

समाधि लेने का प्रयास कर रहे इन पांचों ग्रामीणों ने अपने हाथों में विरोध प्रदर्शन की तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर इलाके की मूलभूत समस्याओं को लेकर नारे लिखे हुए थे। ग्रामीणों की मुख्य

समाधि लेने की कोशिश

मांगों में पानी दो', 'रामगढ़ रोड का निर्माण, बगीची कॉलोनी में पानी दो, 'मुण्डियाखेड़ा रोड ठीक करवाओ, और 'कचरे की गाड़ी समय पर चलाओ' जैसी जरूरी बातें शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना था कि वे लंबे समय से इन समस्याओं को लेकर चक्कर काट रहे हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन उनकी सुध नहीं ले रहा है।

जैसे ही इस घटना की भनक अलवर ग्रामीण विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को लगी, वे तुरंत बहादरपुर पहुंचे। जूली ने मौके पर पहुंचकर तपती धूप के बीच गड्ढे में बैठे ग्रामीणों का हाथ पकड़ा और उन्हें समझा-बुझाकर सुरक्षित बाहर निकाला।

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने वहीं पर बैठकर आम जनता की तमाम शिकायतों और समस्याओं को सुना। उन्होंने मौके पर ही मौजूद प्रशासनिक और नगर पालिका के अधिकारियों को जनता की समस्याओं को तुरंत दूर करने के सख्त निर्देश दिए।

इस दौरान टीकाराम जूली ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा और तीखे शब्दों में कोसा।

जूली ने कहा कि वर्तमान भाजपा राज में प्रदेश की जनता पानी, सड़क और सफाई जैसी बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है और त्रस्त हो चुकी है। भजनलाल सरकार आमजन को राहत देने में हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। जूली ने मौके पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एकजुट होने की अपील की और कहा कि वे सरकार की इन तमाम नाकामियों और जनविरोधी नीतियों को घर-घर जाकर जनता तक पहुंचाएं।

पाकिस्तान में बैठा अंडरवर्ल्ड डॉन सोशल मीडिया पर करता था राजस्थान के युवाओं से दोस्ती

2 जिलों से संदिग्ध युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ की भारत विरोधी घिनौनी साजिशों का एक और बड़ा और खतरनाक चेहरा सामने आया है। सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील राजस्थान के सीमावर्ती जिलों श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में पाकिस्तानी आतंकी और गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल नेटवर्क ने देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने इन दोनों जिलों में सोशल मीडिया के माध्यम से भट्टी से जुड़े युवकों की गिरफ्तारी की है जो उसके लिए दोनों जिलों के महत्वपूर्ण ठिकानों से संबंधित जानकारी और वीडियो उस तक पहुंचा रहे थे। जांच एजेंसियों के अनुसार पाकिस्तान में बैठा अंडरवर्ल्ड डॉन और आतंकी शहजाद भट्टी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (जैसे इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप) के जरिए सीमावर्ती इलाकों के युवाओं से संपर्क साध रहा है। हाल ही में इन दोनों जिलों से पकड़े गए युवाओं से की गई पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए श्रीगंगानगर जिले के सीमावर्ती इलाके में हेरोइन और हथियारों की खेप भेजने में भट्टी का हाथ होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन केंद्रीय एजेंसी एनआइए ने भट्टी के नार्को टेरर नेटवर्क संचालित करने और उसके मॉड्यूल के ड्रोन के जरिए हेरोइन, विस्फोटक और हथियार भारत में पहुंचाने की साजिश में शामिल होने की पुष्टि की है।

पकड़े गए युवा स्थानीय पुलिस थानों और अन्य संवेदनशील प्रतिष्ठानों के वीडियो, तस्वीरें और जीपीएस लोकेशन सीधे पाकिस्तान भेज रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, शहजाद भट्टी इन स्लीपर सेल्स के जरिए सीमावर्ती थानों पर ग्रेनेड हमले और बड़ी आतंकी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में था, ताकि इलाके में

नीट छात्रों को हॉस्टल में बनाया बंधक- फिर पीटा

वीडियो वायरल होने पर संचालक और बाउंसरों पर केस

सीकर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर शहर से कोचिंग करने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। पिपराली रोड पर रहकर नीट फाउंडेशन की तैयारी कर रहे नाबालिग छात्रों के साथ हॉस्टल संचालक और कोचिंग के बाउंसरों द्वारा अमानवीय तरीके से मारपीट की गई। हैरानी की बात यह है कि आरोपियों ने न केवल बच्चों को 2 घंटे तक बेरहमी से पीटा, बल्कि इस पूरी वारदात का वीडियो बनाकर खुद सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया और दूसरे विद्यार्थियों के परिवारों को डराने के लिए भेजा। घटना के बाद से ही पीड़ित बच्चों के माता-पिता गहरे सदमे में हैं।

जयपुर जिले के बस्सी निवासी पीड़ित छात्र के पिता संजय कुमार बैरवा द्वारा सीकर के उद्योग नगर थाने में दर्ज कराई गई केस के अनुसार, इस पूरी खौफनाक वारदात का घटनाक्रम इस प्रकार संचालित हुआ: मामूली कहासुनी की रंजिश: पीड़ित नाबालिग छात्र पिछले 2 साल से सीकर के जलधारी नगर स्थित हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। हॉस्टल के ही किसी दूसरे छात्र से पीड़ित बच्चों का सामान्य विवाद या झगड़ा हो गया था।

2 घंटे तक लगातार मारपीट: आरोप है कि 26 जून की रात 10 बजे से लेकर रात 12 बजे तक हॉस्टल संचालक पिपराली निवासी हेतराम मूंड, बाउंसर सुभाष बाजिया, दिनेश जाट और संचालक के एक मित्र सूर्यवीर ने मिलकर तीनों नाबालिग छात्रों को एक कमरे में बंद कर दिया और लात-घूसों व लाठियों से उनकी बेरहमी से पिटाई की।

बातचीत पर लगाया प्रतिबंध: मारपीट के बाद आरोपियों ने बच्चों के मोबाइल फोन रूप से अपने कब्जे में ले लिए। जब बस्सी निवासी पिता संजय कुमार ने अपने बेटे से बात करने के लिए हेतराम मूंड को फोन किया, तो उसने लगातार टालमटोल की और 3 दिन तक पिता की अपने बच्चे से कोई बातचीत नहीं होने दी। पुलिस थाने में दी गई शिकायत और सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो फुटेज से इस पूरे मामले में एक और बेहद चौंकाने वाला और अमानवीय पहलू सामने आया है।

महिला ने युवक को मिलने बुलाया और भाई से कहकर करवा दी हत्या

उदयपुर,29 जून (एजेंसियां)। प्रेम प्रसंग के चलते एक व्यक्ति का अपहरण कर हत्या कर दी गई। पहाड़ी पर शव मिलने के बाद पुलिस ने महिला सहित 2 को गिरफ्तार किया है और दो जनों को हिरासत में लिया है। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र के फुटिया घाटी कैलाशपुरी में 26 जून को हिम्मत सिंह सोलंकी (45) पुत्र मोकमसिंह सोलंकी की हत्या कर दी गई। जांच के बाद जहां एक ओर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा, वहीं दूसरी ओर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा। एसपी डॉ. अमृता दुहन ने टीम का गठन किया। घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले और आरोपियों को चिह्नित किया। उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा जिलों में कई स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला पोटिया घाटी कैलाशपुरी निवासी भोली उर्फ भोलकी और उसके भाई प्रतापपुरा अम्बेरी निवासी ललित को गिरफ्तार किया। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नेतृत्व में समाजजन एकत्रित हुए और ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की थी। प्रार्थी भीमल (वागननाड़ा) मावली निवासी सुरेन्द्रसिंह कितावत ने रिपोर्ट दी थी कि उसके दामाद चिरवा मारुवास निवासी हिम्मत सिंह सोलंकी (45) पुत्र मोकमसिंह सोलंकी 22 जून शाम 7.30 बजे कार लेकर फुटिया घाटी कैलाशपुरी (राया मटाटा) निवासी महिला से मिलने गए थे। घर से 100 मीटर की दूरी पर नर्सरी के पास महिला का इंतजार कर रहे थे। उसी वक्त एक तेज रफ्तार पिकअप ने हिम्मत सिंह की कार को टक्कर मारी।

जरख का आतंक, एक के बाद एक 5 लोगों पर किया हमला, 2 महिलाओं की हालत गंभीर

बूंदी, 29 जून (एजेंसियां)। बूंदी जिले के डाबी क्षेत्र में जरख (सियार) के लगातार हमलों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बड़फू गांव के पास सुबह जरख ने अलग-अलग स्थानों पर पांच लोगों पर हमला कर दिया। हमले में दो महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दोनों महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर किया और अन्य घायलों का उपचार डाबी अस्पताल में करने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और जरख को पकड़ने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार बूंदी जिले के बड़फू गांव निवासी संतोष बाई

पत्थर के स्टॉक पर काम करने के लिए जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में झाड़ियों से निकले जरख ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में संतोष बाई के मुंह, होंठ और हाथों पर गंभीर चोटें आईं। महिला की चीख-पुकार सुनकर पास में पत्थर के स्टॉक पर काम कर रहा राहुल बंजारा मौके पर पहुंचा। उसने जरख को भगाने के लिए उस पर पत्थर फेंके लेकिन जरख ने उस पर भी हमला कर दिया। इस हमले में राहुल को हल्की चोटें आईं।

इसके बाद जरख वहां से भागा और रास्ते से गुजर रहे रविराज सिंह तथा रोहित सिंह पर भी हमला करने की कोशिश की। हालांकि दोनों ने सतर्कता दिखाते हुए खुद का बचाव कर लिया और सुरक्षित निकल गए। कुछ दूरी पर खेत की ओर जा रही कमला बाई पर भी जरख ने हमला कर दिया। इस हमले में कमला बाई के सिर, जबड़े, दोनों हाथों और पैर में गंभीर चोटें आईं। उनकी हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कोटा रेफर कर दिया। कमला बाई की आवाज सुनकर सड़क से गुजर रहे बाबूलाल सेन और कालूलाल भील मदद के लिए पहुंचे।

चावल निर्यात को बढ़ावा देने की नीति पर विचार

मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी का बयान

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना सरकार वैश्विक और अंतरराज्यीय बाजारों में विस्तार के लिए चावल निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु एक नीति पर विचार कर रही है। इसका उद्देश्य केंद्रीय खरीद एजेंसियों पर राज्य की निर्भरता कम करना और किसानों एवं चावल मिल मालिकों के लिए बेहतर बाजार अवसर उपलब्ध कराना है। सोमवार को हैदराबाद में केसीपी न्यूट्री की मल्टी-विटामिन चावल श्रृंखला के शुभारंभ के अवसर पर मंत्री ने कहा कि तेलंगाना अब चावल अधिशेष राज्य बन चुका है, जहां उत्पादन 3 करोड़ टन से अधिक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि खरीफ और रबी मौसम में कुल खरीद राज्य की लगभग 36 लाख टन वार्षिक खपत के मुकाबले 1.52 करोड़ टन से अधिक रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) मुख्य रूप से किसानों के लिए चावल खरीदता है, निर्यात के लिए नहीं, इसलिए राज्य के लिए नए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार तलाशना जरूरी हो गया है।

उन्होंने मिल मालिकों और व्यापारियों को सरकार की ओर से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया, बशर्ते वे गुणवत्ता मानकों का पालन करें। मंत्री ने बताया कि हाल ही में समाप्त रबी सीजन में राज्य ने 81 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की और किसानों के खातों में सीधे 19,303 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। उन्होंने चावल उद्योग से नवाचार और मूल्यवर्धन पर ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि पोषक तत्वों से भरपूर चावल उत्पाद न केवल घरेलू बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकते हैं और उपभोक्ताओं की बदलती मांगों को पूरा कर सकते हैं।

जनसेवा संघ तिरुमलगिरी क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ के कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तिरुमलगिरी क्षेत्रीय बैठक जन सेवा संघ अनुशासन समिति के संयोजक पी.पी. पांडेय एवं नार्थ ज़ोन के ज़ोनल प्रेसिडेंट राधे श्याम राय यादव के अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसमें विभिन्न बिंदुओं और महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया।

अवसर पर तिरुमलगिरी क्षेत्रीय समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष के रूप में सुभाष प्रजापति, उपाध्यक्ष बाबूलाल वर्मा एवं टिकोरी प्रसाद, सचिव देव विकास, संयुक्त सचिव श्रीकांत, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण प्रजापति, कार्यकारिणी सदस्यों में रवी वर्मा, राधे श्याम वर्मा, रमेश सिंह, गिरीश शर्मा, अनुज कुमार वर्मा, अखिलेश वर्मा को मनोनीत किया गया।

अग्रसेन बैंक लि. का सहकारी सप्ताह समारोह शुरू

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने अपने हेड ऑफिस, सिद्दीअंबर बाजार में 29 जून, को सहकारी झंडा फहराकर सहकारी सप्ताह समारोह की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया, सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल, बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट के चेयरमैन नारायण दत्त और अन्य डायरेक्टर नरसिंह दास, गोपाल चंद अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, सीए पंकज कुमार अग्रवाल शामिल हुए।

तेलंगाना राज्य सरकार की ओर से असिस्टेंट रजिस्ट्रार श्रीमती एल. शारदा और सहकारी विभाग, हैदराबाद की सीनियर इंस्पेक्टर श्रीमती संगीता भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। सीईओ सी.वी. राव ने सभी मेहमानों का स्वागत करके और बैंक द्वारा सहकारी सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त जानकारी देकर कार्यक्रम की शुरूआत की।

चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने राज्य सरकार के अधिकारियों का स्वागत करके बैठक का उद्घाटन किया। उन्होंने बैंक के बारे में बताया कि कैसे यह सेक्टर केंद्र सरकार, राज्य सरकार के सहकारी विभाग, एनएएफसीयूबी, एनयूसीएफडीसी और रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद के भरपूर सहयोग से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में अग्रसेन बैंक के डीजीएम आनंद अग्रवाल और अन्य स्टाफ़ सदस्य भी शामिल हुए।

सोशल मीडिया के जरिए फर्जी बैंक खाते खरीद रहे साइबर ठग

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए फर्जी बैंक खातों की खरीद के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। वे चालू और बचत खातों के बदले आकर्षक कमीशन का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। पिछले पांच महीनों में शहर में 10 से अधिक महिलाओं समेत 200 से ज्यादा फर्जी खाताधारकों की गिरफ्तारी के बाद इस तरह की धोखाधड़ी का बड़ा नेटवर्क सामने आया है।

इसी को देखते हुए शहर की साइबर क्राइम पुलिस ने इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी बढ़ा दी है, जहां बैंक खाते खरीदने के लिए विज्ञापन पोस्ट किए जा रहे हैं। पुलिस ऐसे खातों और उनसे जुड़े लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ मामले दर्ज कर रही है। साथ ही संदिग्ध बैंक खातों को फ्रीज या निष्क्रिय करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कई प्रयासों के बावजूद फर्जी खातों के दुरुपयोग पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। जांच में कुछ बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता भी सामने आई है, जिनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे कमीशन या त्वरित कमाई के लालच में किसी को अपना बैंक खाता या बैंकिंग जानकारी उपलब्ध न कराएं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस तरह का कार्य गंभीर अपराध है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई के साथ बैंक खाते को स्थायी रूप से ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है।

वनपर्थी के पास एनएच-44 पर आरटीसी की बस पलटी

30 से अधिक लोग घायल, मंत्री ने जांच के आदेश दिए

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वनपर्थी जिले के रंगपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर एक टीजीएसआरटीसी एक्सप्रेस बस के पलट जाने से 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। वनपर्थी डिपो की यह बस कुर्नूल से वनपर्थी जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। राज्य परिवहन एवं बीएसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को सभी घायल यात्रियों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थिति की समीक्षा करने और दुर्घटना के कारणों का विवरण प्राप्त करने के लिए जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ आरटीसी अधिकारियों से बात की। अधिकारियों के अनुसार, बस पलटने के समय उसमें लगभग 50 यात्री सवार थे। वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों ने तुरंत बचाव कार्य में भाग लिया और घायलों को पेब्बर सरकारी अस्पताल पहुंचाने में सहायता की।

डॉक्टरों ने पुष्टि की कि यात्रियों को अधिकतर मामूली चोटें आई हैं और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। मंत्री ने यात्रियों को बचाने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सड़क यातायात नियंत्रण कर्मियों, पुलिस और एम्बुलेंस टीमों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को घायलों की स्थिति पर कड़ी नजर रखने और नियमित रूप से उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने का निर्देश दिया। उन्होंने घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पोन्नम प्रभाकर ने दुर्घटना की व्यापक जांच के आदेश दिए और हादसे के कारणों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। उन्होंने सड़क परिवहन आयोग (आरटीसी) अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का निर्देश भी दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारण एनएच-44 पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, लेकिन अधिकारियों ने पलटी हुई बस को हटाकर यातायात को सामान्य कर दिया।

अंगदान से चार मरीजों को मिला नया जीवन

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणपेट जिले के आलमपल्ली निवासी 23 वर्षीय के. किरण कुमार के परिवार ने उनके ब्रेन डेड घोषित होने के बाद राज्य सरकार की 'जीवन्दन' अंगदान योजना के तहत उनके अंग दान करने का फैसला किया। इस निर्णय से चार जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलने का रास्ता खुला। जानकारी के अनुसार, 25 जून को हैदराबाद के सिटी कॉलेज में अंग्रेजी से एमए की पढ़ाई कर रहे किरण कुमार मेडिपल्ली में दोपहिया वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल होने पर पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल और बाद में बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर सोमवार को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद उनकी मां येल्लम्मा और भाई के. अनिल ने उनके दोनों गुर्दे, लीवर और हृदय दान करने का निर्णय लिया, जिससे चार मरीजों को जीवनदान मिलेगा।

एससीआर के पांच कर्मचारियों को 'एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ' सुरक्षा पुरस्कार

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में रेल परिचालन सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा मानसून के दौरान आवश्यक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने में सतर्कता और समर्पण दिखाने वाले पांच कर्मचारियों को 'एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ' सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित कर्मचारियों में लोको पायलट, पॉइंट्समैन, सहायक ट्रैक्शन वितरण (विद्युत) कर्मचारी तथा कीमैन शामिल हैं। पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों में सिकंदराबाद मंडल के तीन, हैदराबाद मंडल के एक और नांदेड़ मंडल के एक कर्मचारी शामिल रहे।

महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता और समर्पण अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा तथा रेल सुरक्षा मानकों को और मजबूत करेगा। समीक्षा बैठक में सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) तथा विभिन्न विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने टर्मिनल स्टेशनों पर स्थापित उच्च ऊर्जा अवशोषक डेड एंड बफर स्टॉप्स की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की।

उन्होंने रेलवे पटरियों के आसपास पेड़ों की छंटाई कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को इसे और तेज करने के निर्देश दिए, ताकि लोको पायलटों को सिग्नलों की स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आगामी मानसून को देखते हुए सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि मानसून की तैयारी केवल एक मौसमी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे अवसंरचना की मजबूती के प्रति दक्षिण मध्य रेलवे की सक्रिय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों से पूरी तत्परता और सटीकता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कोडंगल में डुप्लिकेट वोटों से सीएम की जीत में मदद मिली : कविता

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष के. कविता ने कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र से मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की चुनावी जीत पर चिंता व्यक्त की है और सुझाव दिया है कि पिछले विधानसभा चुनावों में उनकी जीत डुप्लिकेट वोटों के इस्तेमाल से हासिल की गई थी, जिसमें उन्हें 32,000 वोटों का अंतर प्राप्त हुआ था। सोमवार को हैदराबाद स्थित पार्टी कार्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, कविता ने बताया कि 2018 और 2023 के चुनावों के बीच कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में 30,000 नए वोट जोड़े गए थे। उन्होंने खुलासा किया कि उनकी पार्टी की सत्यापन प्रक्रिया में क्षेत्र में 22,000 से अधिक फर्जी वोट पाए गए और कर्नाटक के सेडम निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित 11,000 वोट कोडंगल में गलत तरीके से पंजीकृत किए गए थे। लगभग 33,000 अनियमित वोटों की पहचान के बावजूद, केवल 800 वोट रद्द किए गए।

कविता ने इस बात पर जोर दिया कि रेवंत रेड्डी की 32,000 वोटों के अंतर से जीत स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि उनकी जीत में डुप्लिकेट वोटों और पड़ोसी राज्य कर्नाटक के वोटों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कविता के अनुसार, इस स्थिति से यह सवाल उठता है कि क्या चुनाव आयोग ने रेवंत रेड्डी के पक्ष में पक्षपात किया है। उन्होंने बताया कि बोधन में 7,000 वोट रद्द किए गए, जबकि कोडंगल में केवल 800 वोटों पर ही कार्रवाई की गई। उन्होंने कोडंगल में लगभग एक लाख वोटों में संभावित हेरफेर पर भी चिंता व्यक्त की और सवाल उठाया कि क्या तेलंगाना चुनावों के लिए कर्नाटक से न केवल धन बल्कि वोट भी स्थानांतरित किए गए थे। हालांकि उन्होंने इस सिद्धांत को स्वीकार किया कि अन्य देशों के व्यक्तियों को भारत में मतदान का अधिकार नहीं होना चाहिए, लेकिन उन्होंने विभिन्न राज्यों के लोगों द्वारा कई राज्यों में मतदान करने की वैधता पर सवाल उठाया।

कविता ने चुनाव आयोग से राज्यों के बीच होने वाले दोहरे मतदान को रोकने के लिए उठाए गए कदमों को स्पष्ट करने का आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि अंतर-राज्यीय मतदान की पुनरावृत्ति के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के बिना, मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया निष्प्रभावी हो जाएगी।

तेलंगाना में आईपीएस अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला

कई पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को राज्य के कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए। इस व्यापक फेरबदल में पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त तथा पुलिस अधीक्षकों सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वारंगल के पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह का तबादला कर उन्हें साइबराबाद में संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें आगामी आदेश तक राजन्ना ज़ोन-3 के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। हैदराबाद शहर के उत्तर क्षेत्र में संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) एन. श्वेता को वारंगल का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। वह भद्राद्री ज़ोन-4 के डीआईजी का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगी। रामागुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा को कलेश्वरम ज़ोन-1 के डीआईजी का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं हैदराबाद शहर के संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस को यादाद्री ज़ोन-5 के डीआईजी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इंटेलिजेंस के सीआई सेल में डीआईजी आर. भास्करन को बसारा ज़ोन-2 के डीआईजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। हैदराबाद शहर के संयुक्त पुलिस आयुक्त (स्पेशल ब्रांच) एस.एम. विजय कुमार अब उत्तर क्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) का अतिरिक्त दायित्व भी निभाएंगे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की संयुक्त निदेशक सीएच. सिंधु शर्मा का तबादला कर उन्हें इंटेलिजेंस के सीआई सेल में पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। उन्हें स्पेशल इंटेलिजेंस ब्यूरो (एसआईबी) के पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। वाई. साई शेखर को सिकंदराबाद रेलवे पुलिस का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। हैदराबाद शहर के डीसीपी (एसएम एंड आईटी) चेन्नूरी रूपेश तथा एसीबी के संयुक्त निदेशक सीएच. प्रवीण कुमार का तबादला कर उन्हें सीआईडी में पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे आर. वेंकटेश्वरलु को हैदराबाद शहर के सीएआर मुख्यालय में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें पूर्व में सीआईडी के पुलिस अधीक्षक के रूप में दी गई नियुक्ति को रद्द कर दिया गया है। वनपर्थी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) राजेश मीणा का तबादला कर उन्हें विकाराबाद में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) नियुक्त किया गया है। उनके स्थान पर कार्यरत बी. रामुलु नायक को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तत्काल प्रभाव से अपने नए पदों का कार्यभार ग्रहण करें।

रैतू भरोसा कार्यक्रम का शुभारंभ अब हैदराबाद में होगा

भारी बारिश के कारण मधिरा में होने वाला कार्यक्रम रद्द

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के मधिरा में मंगलवार को होने वाली रैतू आशीर्वाद सभा खराब मौसम के कारण स्थगित कर दी गई है। इसके परिणामस्वरूप, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा मधिरा में संबोधित किए जाने वाले कार्यक्रम में भी संशोधन किए गए हैं। उसी दिन हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में 'रैतू भरोसा' निधि के वितरण के लिए एक बैठक होगी, जहां मुख्यमंत्री आधिकारिक तौर पर निधि जारी करेंगे। उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों को तदनुसार तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। आरंभ में, रैतू आशीर्वाद सभा का आयोजन मधिरा विधानसभा क्षेत्र के चिंतकनी मंडल के जगन्नाथपुरम में होना था, जिसमें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उपस्थित होकर 'रैतू भरोसा' निधि वितरित करनी थी। इस आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की गई थीं, और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क तथा मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लगभग एक लाख लोगों को आकर्षित करना था और व्यवस्थाएं इसी संख्या के अनुरूप तैयार की गई थीं। हालांकि, हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण निर्धारित स्थल पर काफी जलभराव हो गया है, जिसके चलते जिला अधिकारियों ने मंत्रियों और मुख्यमंत्री कार्यालय को सूचित किया कि वहां बैठक आयोजित करना व्यावहारिक नहीं है। परिणामस्वरूप, सरकार ने मधिरा में होने वाली बैठक को रद्द कर दिया है और इसे हैदराबाद में स्थानांतरित करने का विकल्प चुना है, जहां राज्य भर के किसान अपने स्थानीय 'रैतू वेदिकाओं' के माध्यम से जुड़ेंगे।

ऑपरेशन अमानत के तहत 29.15 लाख रुपये का खोया सामान वापस

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी), सिकंदराबाद ने 'ऑपरेशन अमानत' के तहत दो अलग-अलग घटनाओं में यात्रियों का 29.15 लाख रुपये मूल्य का खोया हुआ सामान बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटा दिया। एक मामले में, आरपीएफ कर्मियों ने हैदराबाद के एक यात्री द्वारा सिम्हापुरी एक्सप्रेस में छोड़े गए एक हैंडबैग का पता लगाया। इस बैग में 172 ग्राम सोने के आभूषण, 45,000 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और 27.05 लाख रुपये मूल्य की एक घड़ी बरामद की गई। एक अन्य घटना में, रेल सहायता की शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने विशाखापट्टनम के एक यात्री द्वारा गलती से ट्रेन में छूट गया 2.10 लाख रुपये से भरा कमरबंद बरामद किया। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि सभी कीमती वस्तुओं को सत्यापन के बाद उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक आरपीएफ सिकंदराबाद ने 101 मामलों में 68.69 लाख रुपये मूल्य की खोई हुई वस्तुएं यात्रियों को वापस दिलाई हैं।

दक्षिण तट रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, आरवाईपीएस, दक्षिण तट रेलवे, वैगन वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित है।

निविदा सं.-एम251-बीआरएस-09-दि.25/06/26 कार्य विवरण: वैगन वर्कशाप, गुन्टुपल्ली के परिसरों पर विभिन्न वैगन पुर्जे व कम्पोनेन्ट्स की सीझिंग, फिटमेंट, संपूर्ण वेल्डिंग, रिवेटिंग/लाक बोल्टिंग कार्य। मात्रा: निविदा दस्तावेज़ में विवरितानुसार। कार्य पूरा करने की अवधि: 24 महिने, निविदा मूल्य रु. 4,75,00,800.67, धरोहर राशि: रु.9,50,000.00, निविदा दस्तावेज़ मूल्य रु. शून्य, निविदा का प्रकार: ओईआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा। निविदाकरण प्रणाली: खुली निविदा-एकल पैकेट। निविदा बंद करने की तिथि व समय: 21-07-2026 के 15.00 बजे। निविदा दस्तावेज़ व शुद्धिपत्र: वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, वैगन वर्कशाप/गुन्टुपल्ली

निविदा नियम शर्तें अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट:http://www.ireps.gov.in पर जाएं।

मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर बीआरएस नेता जगदीश रेड्डी का पलटवार

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सूर्यापेट विधायक जी जगदीश रेड्डी ने नालगोंडा में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा की गई हालिया टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए उन पर जिले की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के बजाय व्यक्तिगत अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो लोग ठोस विकास कार्य नहीं कर पाते, वे ही दूसरों की बाहरी दिखावट और व्यक्तिगत बातों पर टिप्पणी करते हैं। सोमवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने नालगोंडा में अपने भाषण का बड़ा हिस्सा बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव, कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव, बीआरएसएलपी उपनेता टी. हरीश राव और स्वयं उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों में लगाया। उन्होंने कहा कि 30 महीने के शासन में मुख्यमंत्री ने नालगोंडा जिले के विकास के लिए कोई ठोस काम नहीं किया, इसलिए वे राजनीतिक भाषणों और विपक्षी नेताओं पर व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रहे हैं। जगदीश रेड्डी ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दौर में नालगोंडा दौरों के दौरान विकास परियोजनाओं को गति मिलती थी और फंड जारी किए जाते थे, लेकिन वर्तमान सरकार उस दिशा में विफल रही है। उन्होंने कांग्रेस सरकार को चुनौती दी कि वह बताए कि सत्ता में आने के बाद जिले के लिए कौन सी बड़ी विकास योजना शुरू की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कई विधायक मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों से दूरी बना रहे हैं और सरकार जनता के पैसे को ऐसे आयोजनों पर खर्च कर रही है जिनका कोई ठोस परिणाम नहीं निकल रहा। पूर्व विधायक कंचरला रविंद्र कुमार ने भी मुख्यमंत्री की कथित भाषा शैली की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार विकास और कल्याण के बजाय व्यक्तिगत हमलों पर अधिक ध्यान दे रही है।

6 जुलाई तक तेलंगाना में भारी बारिश की चेतावनी

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को राज्य के विभिन्न जिलों में 6 जुलाई तक कुछ स्थानों पर गरज के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार और बुधवार के बीच आदिलाबाद, कोमुरम भीम आसिफाबाद, निर्मल, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों में भारी वर्षा (64.5 मिमी से 115.5 मिमी तक) होने की संभावना जताई गई है। वहीं गुरुवार और शुक्रवार को आदिलाबाद, कोमुरामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, महबूबाबाद, वारंगल, हनुमाकोंडा, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा और सूर्यापेट जिलों में भारी बारिश का अनुमान है।

इस बीच, हैदराबाद शहर के लिए, सोमवार का पूर्वानुमान शाम या रात के समय हल्की से मध्यम बारिश का है। इस दौरान तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सेशेल्स में भारतीय...

इसमें प्रत्यर्पण संधि, यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करने, डिजिटल भुगतान आदि शामिल थे।

मोदी ने कोको डी मेर पौधा लगाया :

कोको डी मेर का पौधा और इसका फल सिर्फ सेशल्स में ही प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। इसके फल के अंदर मिलने वाला बीज दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे भारी बीज माना जाता है। एक अकेले बीज का वजन 15 से 30 किलोग्राम तक हो सकता है। कोको डी मेर के नर और मादा पेड़ अलग-अलग होते हैं। मादा फल महिला के कूल्हे जैसा दिखाई देता है। इसे 'डबल कोकोनट' भी कहा जाता है। वहीं, नर फूल पुरुष के जननांग जैसा दिखता है। इस अनूठी बनावट के कारण सदियों से इस पौधे को लेकर कई तरह की लोककथाएं और पौराणिक कहानियां प्रचलित हैं। इस पेड़ को वयस्क होने और फल देने में 20 से 40 साल का समय लगता है। एक फल को पूरी तरह पककर तैयार होने में 6 से 7 साल लग जाते हैं। यह पेड़ बेहद लंबी उम्र जीता है, माना जाता है कि ये 200 से 350 साल तक जीवित रह सकते हैं।

प्राचीन काल में, जब यह फल समुद्र में तैरता हुआ मालदीव या भारत के तटों पर पहुंच जाता था, तो लोग सोचते थे कि यह समुद्र के तल में उगने वाले किसी जादुई पेड़ का फल है। इसी वजह से फ्रांसीसी भाषा में इसका नाम 'कोको डी मेर' पड़ा, जिसका अर्थ होता है समुद्र का नारियल।

मोदी सेशेल्स जाने वाले सिर्फ दूसरे प्रधानमंत्री :

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी साल 1976 में सेशेल्स गई थीं। उसी साल सेशेल्स आजाद हुआ था। भारत ने सेशेल्स के स्वतंत्रता समारोह में नौसेना का युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि भी भेजा था। इसके बाद इंदिरा गांधी ने 1981 में फिर सेशेल्स का दौरा किया था। उनकी यात्रा के बाद, लगभग 34 साल तक किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री ने सेशेल्स की यात्रा नहीं की थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

खिताब से चूके किदांबी श्रीकांत, फाइनल में चीनी ताइपे के सू ली-यांग ने हराया

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत को यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा. एक थकाऊ और कड़े मुकाबले में 33 साल के श्रीकांत को चीनी ताइपे के खिलाड़ी सू ली-यांग ने तीन गेमों के संघर्ष में शिकस्त दी. इस हार के साथ ही पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत का सीजन का अपना पहला खिताब जीतने का सपना टूट गया और उन्हें रनर-अप बनकर संतोष करना पड़ा. एक घंटे से ज्यादा समय तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत को 15-21, 21-16, 9-21 से हार मिली.

मैच की शुरुआत में श्रीकांत ने अच्छी तेजी दिखाई थी, लेकिन शुरुआती रैलियों के दौरान एक गलती ने उनकी लय बिगाड़ दी. दरअसल, नेट के ऊपर शॉट खेलने के कोशिश में उनका रैकेट नेट के पार चला गया था, इस अनफोर्स्ड गलती के बाद सू ने लगातार अंक बटोरते हुए 7-2 की बढ़त बना ली. श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए अगले 11 में से 8 अंक जीतकर स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया और मिड-गेम ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त भी हासिल कर ली. हालांकि, ब्रेक के बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने रैलियों की रफ्तार बढ़ाई और श्रीकांत को गलतियां करने पर मजबूर कर 17-12 की बढ़त बना ली. आखिरकार सू ने यह गेम 17 मिनट में 21-15 से अपने नाम कर लिया.

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली. 4-4 की बराबरी के बाद श्रीकांत ने लगातार तीन अंक लेकर 7-4 की बढ़त बनाई. सू ने स्कोर को 8-8 से बराबर किया, लेकिन श्रीकांत अपने बेहतरीन नेट प्ले की बदौलत ब्रेक तक 11-8 से आगे रहे. ब्रेक के बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने कुछ दमदार स्मैश लगाए, लेकिन श्रीकांत ने धैर्य नहीं खोया और स्कोर को 18-13 तक पहुंचा दिया. सू की कुछ और गलतियों के बाद श्रीकांत को सात गेम पॉइंट मिले. हालांकि सू ने तीन गेम पॉइंट बचाए, लेकिन श्रीकांत ने एक दमदार डाउन-द-लाइन स्मैश मारकर दूसरा गेम 21-16 से जीता और मैच को तीसरे गेम में ले गए.

आखिरी गेम में सू ली-यांग ने शुरुआत से ही काफी आक्रामक रुख अपनाया और लगातार सटीक स्मैश मारकर 4-1 की बढ़त बना ली. श्रीकांत ने कुछ अच्छे शॉट्स जरूर खेले, लेकिन वो लगातार गलतियां भी करते रहे, जिससे सू ब्रेक तक 11-7 से आगे हो गए. फीर सू ने अपनी बढ़त को 15-7 और फिर 18-8 कर दिया. श्रीकांत के शॉट्स लगातार कोर्ट से बाहर जाते रहे, जिससे सू को 12 चैंपियनशिप पॉइंट मिल गए. श्रीकांत ने एक पॉइंट जरूर बचाया, लेकिन अगली ही रैली में सू ने अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया. यह सू ली-यांग के करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है. वहीं, श्रीकांत के लिए यह सीजन का पहला फाइनल था.

पैरा बैडमिंटन: प्रमोद भगत ने किया शानदार प्रदर्शन, स्वर्ण पदक अपने नाम किया

नागर को मिश्रित में रजत

डबलिन, 29 जून (एजेंसियां)। पैरा बैडमिंटन स्टार प्रमोद भगत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखते हुए ब्रिटिश एंड आयरिश इंटरनेशनल में पुरुषों के एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता. भगत ने फाइनल में हमवतन नितेश कुमार को 23-21, 21-14 से हराया.

भगत ने मिश्रित युगल एसएल3. एसएल5 में मनीषा रामदास के साथ कांस्य पदक हासिल किया. टोक्यो पैरालंपिक चैम्पियन कृष्णा नागर ने मिश्रित युगल एसएच 6 में निल्या श्री के साथ रजत पदक जीता. वहीं, पुरुष युगल और एकल में कांस्य पदक हासिल किया. भगत ने कहा, हर टूर्नामेंट खुद को परखने और बेहतर बनने का एक मौका होता है. नितेश ने बहुत अच्छा खेला, खासकर शुरुआती गेम में. इस जीत से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन मेरा ध्यान लगातार बेहतर होने और आगे आने वाली बड़ी चुनौतियों के लिए, तैयारी करने पर है. मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया है.

जैसे सबका डेब्यू हुआ, वैभव सूर्यवंशी का भी होगा

आयरलैंड से हार पर कोच रयान टेन डोशेट ने कहा- टीम हालात के हिसाब से ढल नहीं पाई

बेलफास्ट, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए पूरी तरह तैयार बताया है. हालांकि, कोच ने साफ तौर पर कहा कि टीम में जगह पाने के लिए वैभव को भी उसी चयन प्रकिया से गुजरना होगा। जिससे अन्य खिलाड़ी गुजरे हैं।

45 साल के साउथ अफ्रीकी कोच ने आयरलैंड से हार पर कहा कि टीम खुद को हालात के हिसाब से ढाल नहीं पाई। टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ एक रन की करीबी हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ आयरलैंड ने भारत को 2-0 से क्लीन स्वीप भी कर दिया था।

सहायक कोच रयान टेन डोशेट

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव को मौका नहीं मिलने पर उठे सवालों के जवाब में टेन डोशेट ने कहा कि संजू सैमसन ने कुछ महीने पहले भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अच्छे आईपीएल सीजन के बाद भी खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देना और उन पर भरोसा बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा- वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए पूरी तरह तैयार है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन संजू सैमसन भी ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने हाल ही में टीम के लिए बड़ा योगदान दिया है। हम खिलाड़ियों को लंबा मौका देना चाहते हैं।

टेन डोशेट ने कहा कि टीम प्रबंधन वैभव को जल्द खेलते देखने के लिए उत्साहित है, लेकिन उनके लिए भी वही मानदंड लागू होंगे जो अन्य खिलाड़ियों पर लागू होते हैं।

हम सभी वैभव को खेलते देखना चाहते हैं, लेकिन उसे भी वही प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उसकी प्रतिभा पर किसी को कोई शक नहीं है।

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए थे। उन्होंने 230 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए ऑरेंज कैप, मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर और इमर्जिंग प्लेयर जैसे पुरस्कार अपने नाम किए थे।

भारत अब 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। यदि इस दौरे पर वैभव को डेब्यू का मौका मिलता है तो वह 16 साल की उम्र में पदार्पण करने वाले सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन जाएंगे।

भारत में विश्व चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर उत्सुक हैं सिंधू, बताया ऐतिहासिक पल

खेल डेस्क, 29 जून (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने नई दिल्ली में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप को भारतीय बैडमिंटन के लिए ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि अपने देश में इस खेल के सबसे बड़े खिताब के लिए मुकाबला करने का मौका इस टूर्नामेंट को और भी खास बना देगा। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने आधिकारिक तौर पर विश्व चैंपियनशिप के लिए 50 दिन की उल्टी गिनती शुरू कर दी है जिसका आयोजन 17 से 23 अगस्त तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होगा।

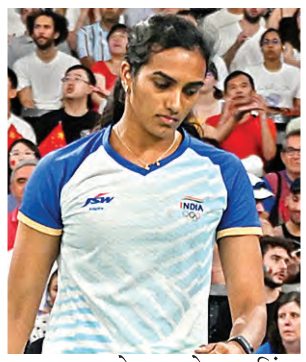

यह प्रतियोगिता 17 साल बाद भारत में वापसी करेगी और राष्ट्रीय राजधानी में पहली बार इसका आयोजन होगा। सिंधु 2019 में बासेल में खिताब जीतकर भारत की एकमात्र विश्व चैंपियन बनी थीं। सिंधु ने कहा, विश्व चैंपियनशिप मेरे करियर के सबसे खास टूर्नामेंट में से एक रही है। मेरे कुछ सबसे यादगार पल, सबसे मुश्किल सबक और सबसे फक्र करने वाली उपलब्धियां इसी मंच पर मिली हैं। भारत में अपने ही प्रशंसकों के सामने विश्व चैंपियनशिप में खेलने का मौका इसे और भी विशेष बनाता है। ऐसा मौका कम ही मिलता है जब आप घर पर विश्व खिताब के लिए मुकाबला कर सकें। मैं उस माहौल का अनुभव करने और उन सभी लोगों के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं जिन्होंने इतने वर्षों मेरा समर्थन किया है।

30 साल की सिंधु ने कहा कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी देश में खेल के विकास को दर्शाती है। उन्होंने कहा, भारतीय बैडमिंटन के लिए 17 साल बाद विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करना एक ऐतिहासिक पल है और यह दिखाता है कि हमारे देश में यह खेल कितनी दूर आ गया है। यह हम सभी के लिए गर्व का मौका है और मैं ऐसे टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं, जिससे मुझे उम्मीद है कि और भी युवा खिलाड़ी बड़े सपने देखने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित होंगे कि वे विश्व स्तर पर सफल हो सकते हैं।

इस चैंपियनशिप में 55 से ज्यादा देशों के खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है जिनमें लगभग 800 खिलाड़ी, टीम अधिकारी, सहयोगी स्टाफ, तकनीकी अधिकारी और मीडियाकर्मी शामिल होंगे। मौजूदा ओलंपिक महिला एकल चैंपियन दक्षिण कोरिया की एन से-यंग, चीन के शी यू की, थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्ण और कई शीर्ष रैंकिंग वाली युगल जोड़ियों के भी इसमें हिस्सा लेने की उम्मीद है।

केप वर्डे के फुटबॉल कप्तान पर रेप के आरोप

ट्रांसलेटर बोली- होटल के कमरे में दुष्कर्म किया; 4 जुलाई को नॉकआउट में अर्जेंटीना से मैच

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। केप वर्डे फुटबॉल टीम के कप्तान रेयान मेंडेस पर रेप के आरोप लगे हैं। न्यूजीलैंड में मार्च 2026 की फीफा सीरीज के दौरान टीम के साथ ट्रांसलेटर के तौर पर काम करने वाली एक महिला ने उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होगा या नहीं। मामले की जांच जारी है। अभी तक उन्हें किसी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है।

यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब केप वर्डे पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में पहुंचा है। वह राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाला दुनिया का सबसे छोटा देश बना है। टीम को 4 जुलाई को अर्जेंटीना से मैच खेलना है। मेंडेस ग्रुप स्टेज के तीनों मैच खेल चुके हैं। हालांकि, उनके नाम एक भी गोल दर्ज नहीं है।

हम किसी भी तरह के गलत आचरण के आरोप को गंभीरता से लेते हैं। हम न्यूजीलैंड की संबंधित एजेंसियों के संपर्क में हैं, लेकिन इससे आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, शिकायत करने वाली महिला ब्राजील की नागरिक है। महिला का आरोप है कि ऑकलैंड के एक होटल में रेयान मेंडेस उसके कमरे में आए और यौन हमला किया। इसके बाद पीड़िता ने स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी और मेडिकल जांच कराई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मेडिकल जांच में महिला के शरीर पर कई चोटों के निशान मिले। रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने इन चोटों की तस्वीरें पुलिस और बाद में ग्लोबो को भी उपलब्ध कराईं।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि महिला ने कथित घटना की जानकारी केप वर्डे फुटबॉल टीम से जुड़े तीन अधिकारियों को भी दी थी, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। केप वर्डे फुटबॉल अधिकारियों ने अब तक इन आरोपों पर कोई बयान नहीं दिया है। राष्ट्रीय टीम ने टिप्पणी के अनुरोध का भी जवाब नहीं दिया।

पहली बार वर्ल्ड कप खेल रहा केप वर्डे ग्रुप स्टेज में अजेय रहा है। उसने स्पेन और उरुग्वे जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों वाले ग्रुप में भी कोई मैच नहीं गंवाया। टीम ने अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा के नेतृत्व में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया।

वैभव सूर्यवंशी के साथी लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक!

एमएलसी इतिहास में ऐसा करने वाले बने दूसरे खिलाड़ी

ओकलैंड, 29 जून (एजेंसियां)। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के स्टार बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने इतिहास रच डाला. वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ ओकलैंड कोलिसियम में हुए मैच में प्रिटोरियस ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और पारी में 7 छक्के जड़े. इसी के चलते उनकी टीम ने मात्र 15.1 ओवर में ही लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा कर लिया. प्रिटोरियस अब मेजर लीग क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने एमआई न्यूयॉर्क के स्टार खिलाड़ी की बराबरी कर ली है. फिन एलन के साथ ओपनिंग करने आए लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने आते ही बड़े शॉट लगाना शुरू किए. प्रिटोरियस ने मात्र 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया. यह एमएलसी इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है. उन्होंने निकोलस पूरन की बराबरी कर ली है, जिन्होंने एमएलसी 2023 के फाइनल में 16 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. अर्धशतक पूरा करने के बाद भी लुआन ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी. 8.3 ओवरों में सैन फ्रांसिस्को ने 125 रन बना डाले थे. प्रिटोरियस ने निखिल चौधरी की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में मिचेल ओवेन को कैच थमा बैठे. राजस्थान रॉयल्स में वैभव सूर्यवंशी के साथी खिलाड़ी लुआन-ड्रे प्रिटोरियस 26 गेंदों में 66 रन बनाकर आउट हो गए. अपनी इस पारी में उन्होंने 253.85 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 7 छक्के एवं 3 चौके जड़े.

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से हराया

2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त, रोच के 300 विकेट पूरे

एंटीगुआ, 29 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने एंटीगुआ टेस्ट में श्रीलंका को पारी और 217 रन के बड़े अंतर से हराया। उसने रोस्टन चेज की कप्तानी में पहला टेस्ट जीता है। इस जीत के साथ विंडीज ने 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 3 जुलाई से खेला जाएगा।

स्पेशल जर्सी के साथ केमार रोच

विवि रिचर्ड्स स्टेडियम में सोमवार को श्रीलंका दूसरी पारी में 101 रन पर सिमट गई। टीम ने चौथे दिन 15/1 से आगे खेलना शुरू किया था और पूरी टीम महज 32 ओवर में पवेलियन लौट गई। टीम के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर सके।

तेज गेंदबाज केमार रोच ने 4 विकेट झटके। उन्होंने टेस्ट करियर में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ वे वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों के एलीट क्लब में शामिल हो गए हैं। वे कर्टली एम्ब्रोज के बाद 300 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले वेस्टइंडीज गेंदबाज बने। उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ कोर्टनी वॉल्श, कर्टली एम्ब्रोस और मैल्कम मार्शल के नाम हैं। कुल मिलाकर वे यह माइल स्टोन हासिल करने वाले वेस्टइंडीज के 5वें गेंदबाज बने हैं।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने श्रीलंकाई पारी के सभी 10 विकेट झटके। केमार रोच ने दिन के पहले ही ओवर में निशान मदुष्का को LBW किया। तीन गेंद बाद जेडन सील्स ने नाइटवॉचमैन कसुन रजिता को स्लिप में कैच कराया।

फिर शमार जोसेफ ने कमिंदु मेंडिस को बोल्ड किया और पहली पारी के शतकवीर धनंजय डी सिल्वा को एलबीडब्ल्यू आउट कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं।

श्रीलंका की ओर से दिनेश चांडीमल ने संघर्ष किया। उन्होंने 60 गेंदों पर 43 रन बनाए। वे श्रीलंका के टॉप स्कोरर रहे। उनके अलावा, कोई भी बल्लेबाज 15 रन के आंकड़े को भी पार नहीं कर सका। कई बल्लेबाज अंदर आती गेंदों पर एलबीडब्ल्यू हुए, जबकि कुछ बाहरी किनारा लेकर आउट हुए। कमिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस दोनों गेंद छोड़ने के बाद बोल्ड हुए।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची

इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल

लॉस एंजिल्स, 29 जून (एजेंसियां)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा।

लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा।

गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

नेमार ने दिखाई दरियादिली: वेनेजुएला के भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर दान किया

बेलफास्ट, 29 जून (एजेंसियां)। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार जूनियर ने मैदान के बाहर भी बड़ा दिल दिखाते हुए भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 2.1 करोड़ रुपये) दान किए हैं। वेनेजुएला के समाचार पोर्टल एल सुमारियो की रिपोर्ट के अनुसार, यह राशि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए इस्तेमाल की जाएगी, जिससे प्रभावित लोगों को भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और रहने की जगह भी उपलब्ध कराया जाएगा। नेमार ने इस मुश्किल घड़ी में वेनेजुएला के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनकी यह छोटी-सी मदद प्रभावित परिवारों को राहत और हौसला देगी। उन्होंने कहा, 'मेरा दिल वेनेजुएला के लोगों के साथ है। मुझे उम्मीद है कि मेरा यह योगदान प्रभावित परिवारों को इस कठिन समय में राहत और हिम्मत देगा।'

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने बताया कि बुधवार को आए दो भीषण भूकंपों में अब तक कम से कम 1,430 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार अपने घर खोने के बाद विस्थापित हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है, लेकिन भारी मशीनों की कमी और लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स के कारण राहत कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं। रिक्टर स्केल पर 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले इन दोनों भूकंपों के बाद कई छोटे झटके भी महसूस किए गए, जिससे हालात और चुनौतीपूर्ण हो गए हैं।

दूसरी ओर, फीफा विश्व कप 2026 में ब्राजील के लिए भी अच्छी खबर सामने आई है। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने बताया कि नेमार की फिटनेस में पिछले एक सप्ताह के दौरान काफी सुधार हुआ है और अब वह पहले की तुलना में ज्यादा समय तक मैदान पर खेल सकते हैं। 34 वर्षीय नेमार चोट के कारण विश्व कप के शुरुआती दो मुकाबले नहीं खेल पाए थे। हालांकि स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण के आखिरी मैच में उन्होंने लंबे समय बाद मैदान पर वापसी की और अंतिम मिनटों में बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी उतरे।

एंसेलोटी ने कहा, 'पिछले एक सप्ताह में नेमार की फिटनेस में काफी सुधार हुआ है। पहले वह 15 मिनट से ज्यादा नहीं खेल सकते थे, लेकिन अब उनकी स्थिति काफी बेहतर है और वह पहले से अधिक समय तक मैदान पर रहने के लिए तैयार हैं।'

तेलंगाना में कार्यकर्ताओं के दम पर खिलेगा कमल : नितिन नबीन

2028 में तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनेगी

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने वारंगल में आयोजित बूथ प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और तेलंगाना का रिश्ता संघर्ष और जनता के विश्वास पर आधारित है। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण के बल पर वर्ष 2028 में तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता ने वर्ष 1984 में भाजपा को यहां से पहला सांसद दिया था और इसके लिए वह हमेशा राज्य की जनता के प्रति कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तेलंगाना राज्य गठन के समय कभी राजनीतिक लाभ-हानि नहीं देखी, बल्कि केवल तेलंगाना की जनता के हितों को प्राथमिकता दी। संसद में दिवंगत नेता सुषमा स्वराज ने तेलंगाना की मांग को मजबूती से उठाया था। नितिन नबीन ने कहा कि जिस उद्देश्य के साथ तेलंगाना का गठन हुआ था, वह सपना आज कहीं खो गया है और भाजपा उसे फिर से साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद और भारतीय संस्कृति के मूल्यों पर आधारित "डबल इंजन सरकार" ही तेलंगाना को विकास की नई दिशा दे सकती है। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से प्रत्येक घर तक पहुंचने, नए पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने तथा केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता 24 घंटे और सातों दिन जनता की सेवा में जुटे रहते हैं और यही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए नितिन नबीन ने कहा कि राज्य सरकार ने दो लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पहचान वादा करो और भूल जाओ वाली राजनीति बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता की बजाय अपने राजनीतिक हितों पर अधिक ध्यान दे रही है। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा वंशवाद की राजनीति में विश्वास नहीं करती, बल्कि राष्ट्रवाद, "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के सिद्धांत पर चलती है। उन्होंने कहा कि भाजपा तुष्टीकरण या वोट बैंक की राजनीति नहीं बल्कि विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। उन्होंने युवाओं, किसानों और महिलाओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार उनके हितों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भाजपा तेलंगाना में भी डबल इंजन सरकार बनाकर जनता के सपनों को साकार करेगी। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाकर अपनी ताकत का परिचय दिया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया गया है। अपने संबोधन के अंत में नितिन नबीन ने वारंगल के भाजपा कार्यकर्ताओं से विकसित वारंगल के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया और कहा कि कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और समर्पण के कारण ही भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है।

पब में विवाद के बाद बंदूक लहराने का आरोप

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के रायदुर्गम स्थित नॉलेज सिटी इलाके में एक पब में देर रात हुई कहासुनी अचानक हिंसा में बदल गई, जिससे वहां मौजूद ग्राहकों में भारी दहशत फैल गई। घटना में आरोप है कि एक व्यक्ति ने बंदूक लहराकर लोगों को धमकाया। जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार को दो समूहों के बीच एक मामूली बात को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद हुई। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि कथित तौर पर एक व्यक्ति ने हथियार निकाल लिया और झगड़े में शामिल लोगों को धमकाने लगा। इस दौरान पब में मौजूद अन्य ग्राहक घबरा गए और अपनी सुरक्षा के लिए बाहर की ओर भागने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी और उसके साथियों ने पब के अंदर जमकर हंगामा किया। उन्होंने शराब की बोतलें तोड़ीं और मेज-कुर्सियां उलट दीं, जिससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

मूसी पुनर्जीवन परियोजना भविष्य की मजबूत नींव : मंत्री पोंगुलेटी

मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की महत्वाकांक्षी मूसी पुनर्जीवन परियोजना तेलंगाना के भविष्य के विकास और हैदराबाद शहर की तस्वीर बदलने वाली ऐतिहासिक परियोजना साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना मूसी नदी को नया जीवन देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार का माध्यम बनेगी। सोमवार को डॉ.बी.आर. आंबेडकर सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में मंत्री ने परियोजना से संबंधित भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और अन्य मुद्दों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में राजस्व सचिव डी.एस. लोकेश कुमार, स्टाम्प एवं पंजीकरण महानिरीक्षक राजीव गांधी हनुमंतु, मूसी रिवर फ्रंट डेवलपमेंट परियोजना के प्रबंध निदेशक ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद तथा हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरि जिलों के कलेक्टर उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की दूरदृष्टि है कि हैदराबाद को विश्वस्तरीय शहर के रूप में विकसित किया जाए और मूसी नदी को पर्यटन, रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल विकास परियोजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल जीवन व्यवस्था सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि मूसी नदी में बढ़ते प्रदूषण और बाढ़ के दौरान नदी तटीय क्षेत्रों के लोगों को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखकर इस परियोजना को तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य बाढ़ नियंत्रण, जल शुद्धिकरण, हरित क्षेत्र विस्तार, सड़कें, पार्क, वॉक-वे और मनोरंजन केंद्र विकसित कर मूसी तटवर्ती क्षेत्रों को आधुनिक जीवन केंद्रों में बदलना है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि मूसी परियोजना किसी के खिलाफ नहीं है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर गरीबों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिए हर निर्णय मानवीय दृष्टिकोण से लिया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास प्रक्रिया में लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जिन परिवारों के घर प्रभावित होंगे, उन्हें डबल बेडरूम आवास उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कार्ययोजना तैयार कर लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की भूमि अधिग्रहित की जाएगी, उन्हें कानूनी प्रावधानों के अनुसार उचित मुआवजा और आवश्यक पुनर्वास उपलब्ध कराने में सरकार किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगी।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में क्रिएटिव डायरेक्टर नियुक्त

राजू कोंडा ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किए गए राजू कोंडा ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उनकी नियुक्ति पर शुभकामनाएं देते हुए विभाग में नई जिम्मेदारियों के लिए प्रोत्साहित किया। राज्य सरकार ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उनके सेवाओं का उपयोग करने के लिए उन्हें अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) आधार पर नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। वे अगले तीन वर्षों तक सरकार को सेवाएं प्रदान करेंगे। राजू कोंडा ने अपनी नियुक्ति के लिए राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

चार दिनों में लगभग 1.73 करोड़ गणना प्रपत्र पूरे

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एसआईआर-2026 (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रगति की समीक्षा करते हुए तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने राज्य के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और निर्वाचन अधिकारियों के उत्कृष्ट कार्य की सराहना की। उन्होंने बताया कि केवल चार दिनों में लगभग 1.73 करोड़ गणना प्रपत्र सफलतापूर्वक पूरे किए गए, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से बीएलओ को प्रेरित करें और निर्धारित समय सीमा में 100 प्रतिशत फॉर्म भरने का लक्ष्य सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएलओ को नियमों और जिम्मेदारियों का सख्ती से पालन करना होगा, अन्यथा कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजनीतिक दलों और बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) से भी अपील की गई कि वे एसआईआर-2026 प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करें। बीएलओ को निर्देश दिया गया कि वे मतदाताओं को सही तरीके से फॉर्म भरने में सहायता करें और 100 प्रतिशत मतदाता कवरेज सुनिश्चित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सुपरवाइज़र्स को फील्ड स्तर पर निरंतर सहायता और समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। एईआरओ और ईआरओ को व्यापक फील्ड विज़िट करने, मतदाता जागरूकता बढ़ाने तथा वोटर हेल्पलाइन 1950 और हेल्प डेस्क नंबरों का प्रचार करने के लिए कहा गया। सोशल मीडिया पर दैनिक गतिविधियों की निगरानी, फील्ड विज़िट का दस्तावेजीकरण और जागरूकता अभियानों को तेज करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वासम वेंकटेश्वर रेड्डी, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी.एस. चारी, सभी नोडल अधिकारी, आईटी प्रबंधक और तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

कल से टी जंक्शन के पास तीन महीने के लिए यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने चल रहे बहुस्तरीय फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण कार्यों के तहत 1 जुलाई से टी जंक्शन के आसपास प्रमुख यातायात मार्ग परिवर्तन की घोषणा की है, जिसके लगभग एक वर्ष तक जारी रहने की उम्मीद है। निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए डीएलएफ गेट नंबर 1 और गच्चीबावली ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के बीच का एक महत्वपूर्ण मार्ग तीन महीने तक बंद रहेगा। रेडिसन होटल से टी जंक्शन की ओर जाने वाले यातायात को केवल डीएलएफ गेट नंबर 1 तक ही अनुमति दी जाएगी, जिसके बाद यातायात को गच्चीबावली जंक्शन और इंदिरा नगर होते हुए डायवर्ट किया जाएगा। लिंगमपल्ली से डीएलएफ रोड की ओर जाने वाले वाहनों को गच्चीबावली ट्रैफिक पुलिस स्टेशन पर टी जंक्शन, गच्चीबावली जंक्शन और रेडिसन जंक्शन होते हुए डायवर्ट किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि टीसीएस नॉन-एसईजेड (सीएमसी) गेट का इस्तेमाल करने वाले कर्मचारियों को नियमित रूप से आवागमन की सुविधा मिलती रहेगी। यात्रियों, विशेषकर आईटी कर्मचारियों को सलाह दी गई है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें, क्योंकि निर्माण कार्य के दौरान टी जंक्शन के आसपास भीड़भाड़ होने की आशंका है।

वेलदुर्थी गुड्स शेड से पहली बार कंटेनर रेक का संचालन

पहली कंटेनर रेक में 2,760 टन पिग आयरन लादा गया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे द्वारा घरेलू कंटेनर यातायात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई एक्सक्लूसिव कंटेनर रेल टर्मिनल (ईसीआरटी) अवधारणा के तहत दक्षिण मध्य रेलवे ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

हैदराबाद मंडल के वेलदुर्थी गुड्स शेड को एक्सक्लूसिव कंटेनर रेल टर्मिनल के रूप में अधिसूचित किए जाने के बाद यहां से पहली बार कंटेनर रेक का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। वेलदुर्थी गुड्स शेड से पहली कंटेनर रेक को पंजाब के फिल्लौर स्थित अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के लिए रवाना किया गया। यह डिपो उत्तरी रेलवे के फिरोजपुर मंडल के अंतर्गत आता है। इस पहल से देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को रेलवे के माध्यम से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पहली कंटेनर रेक में 2,760 टन पिग आयरन लादा गया, जो वेलदुर्थी गुड्स शेड के माल ढुलाई कारोबार में एक नई वस्तु के रूप में शामिल हुआ है। विशेष बात यह है कि पुनर्गठित दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र में वेलदुर्थी पहला और एकमात्र गुड्स शेड बन गया है जहां कंटेनरों के माध्यम से पिग आयरन की ढुलाई की गई है। इससे इस्पात उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे तथा कंटेनरीकृत रेल परिवहन की उपयोगिता और लचीलापन भी प्रदर्शित होगा। इस माल ढुलाई से रेलवे को लगभग 59 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है। यह वेलदुर्थी रेलवे स्टेशन पर स्थापित नए ईसीआरटी की क्षमता और उच्च मूल्य वाले माल यातायात को आकर्षित करने की संभावनाओं को दर्शाता है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) ने हर महीने तीन कंटेनर रेक लोड करने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे क्षेत्र में माल ढुलाई गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा तथा आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

36 डीएसपी का तबादला

सरकार ने जारी किए नए आदेश

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को तेलंगाना भर में कार्यरत 36 डीएसपीओं का तबादला कर उन्हें नए पदों पर नियुक्त किया।

नई पोस्टिंग में कई अधिकारियों को अलग-अलग जिलों और विभागों में जिम्मेदारी सौंपी गई है। पी. श्रीशैलम को एसीपी, सीसीएस निजामाबाद बनाया गया है, जबकि एस. वेंकटेश को डीएसपी, सीआईडी के रूप में नियुक्त किया गया है। बी. श्रीनिवास को डीएसपी, रोड सेफ्टी (नॉर्थ जोन) और जी. महेंद्र रेड्डी को डीएसपी, एसीबी के पद पर तैनात किया गया है।

इसी तरह पी. वेंकटेश्वरलू को डीएसपी, सीआईडी, पी. करुणाकर को एसीपी, एसबी, एम. वेंकट रेड्डी को डीएसपी, इंटेलिजेंस और जी. गोवर्धन गिरि को एसीपी, एसबी नियुक्त किया गया है। एस. वेंकटेश को एसीपी, क्राइम, साइबराबाद की जिम्मेदारी दी गई है। अन्य नियुक्तियों में आर. नरेंद्र को एसीपी, सीटीसी खम्मम, बी. श्रीनिवास राव को एसीपी, टास्क फोर्स रामागुंडम, के. पुरुषोत्तम को एसीपी, एसबी साइबराबाद, एस. राजू को एसीपी, सीसीएस सिद्दिपेट और एम. राजेश को एसीबी में डीएसपी के रूप में तैनात किया गया है। सरकार के इस आदेश के तहत कुल 36 पुलिस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं और उन्हें नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

एमसीईएमई के 109वें दीक्षांत समारोह में 45 अधिकारियों को बीटेक डिग्री प्रदान

विकसित नवाचार परियोजनाओं की प्रदर्शनी भी आयोजित

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सैन्य इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग महाविद्यालय (एमसीईएमई), सिकंदराबाद में आयोजित 109वें दीक्षांत समारोह में 45 अधिकारियों को बीटेक डिग्री प्रदान की गई। 27 जून 2026 को आयोजित इस समारोह में डिग्री इंजीनियरिंग (डीई-106) पाठ्यक्रम के 32 अधिकारियों तथा तकनीकी प्रवेश योजना (टीईएस-44) पाठ्यक्रम के 13 अधिकारियों, जिनमें मित्र देशों के चार अधिकारी भी शामिल थे, को डिग्रियां प्रदान की गईं। समारोह के मुख्य अतिथि एमसीईएमई के कमांडेंट एवं कोर ऑफ ईएमई के कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने सफल प्रशिक्षु अधिकारियों को डिग्रियां प्रदान कीं। डीई-106 पाठ्यक्रम में मेजर भारतेंदु नेगी को सर्वश्रेष्ठ छात्र घोषित करते हुए प्रतिष्ठित डीजीईएमई ट्रॉफी, डीजीईएमई स्वर्ण पदक तथा जीओसी-इन-सी एआरटीआरएसी पुस्तक पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं कैप्टन प्रभात चंद्र, कैप्टन गौतम और कैप्टन रेशिव कश्यप को क्रमशः मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स शाखाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कमांडेंट रजत पदक से सम्मानित किया गया। टीईएस-44 पाठ्यक्रम में लेफ्टिनेंट साहिब सिंह को सर्वश्रेष्ठ छात्र चुना गया और उन्हें जीओसी-इन-सी एआरटीआरएसी ट्रॉफी, पुस्तक पुरस्कार तथा डीजीईएमई स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। रॉयल भूटान आर्मी के लेफ्टिनेंट जेम फुब और लेफ्टिनेंट अनुज वशिष्ठ को मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स शाखाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने पर कमांडेंट रजत पदक से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने युवा अधिकारियों को पेशेवर जीवन के हर अनुभव से सीख लेने, उत्कृष्टता और ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करने तथा चुनौतियों का नए दृष्टिकोण से समाधान खोजने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सफलता केवल उपलब्धियों से नहीं बल्कि दृढ़ता, चरित्र और विपरीत परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की क्षमता से हासिल होती है। समारोह के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा विकसित नवाचार परियोजनियों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इसमें ध्वनि आधारित गोलीबारी का पता लगाने और मानचित्र आधारित लोकेशन सिस्टम तथा एआई आधारित ऑफलाइन सेमांटिक सर्च इंजन को क्रमशः डीई-106 और टीईएस-45 पाठ्यक्रम की सर्वश्रेष्ठ परियोजनियों के रूप में चुना गया। इन परियोजनाओं ने रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता और उभरती तकनीकों के उपयोग को प्रदर्शित किया।

बकाया भुगतान न मिलने पर ठेकेदार ने स्कूल में लगाया ताला, छात्रों को परेशानी

खम्मम, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा बिल जारी करने में कथित विफलता को लेकर नाराज एक ठेकेदार ने सरकारी स्कूल में ताला लगा दिया। यह घटना खम्मम शहरी मंडल के दानवईगुडेम इलाके में हुई, जो खम्मम नगर निगम के 59वें डिवीजन के अंतर्गत आता है। सूत्रों के अनुसार, ठेकेदार चाल्ला अयोध्या ने सोमवार को स्कूल खुलने से पहले ही अंग्रेजी माध्यम मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय का मुख्य द्वार बंद कर दिया, जिससे छात्रों और कर्मचारियों को अंदर जाने से रोक दिया गया।

बताया गया कि ठेकेदार ने 'मन ऊरु-मन बाड़ी' कार्यक्रम के तहत स्कूल में लगभग 26 लाख रुपये के मरम्मत कार्य किए थे, लेकिन उसे करीब 11 लाख रुपये का भुगतान अभी तक नहीं मिला था। इसी भुगतान में देरी के विरोध में उसने स्कूल में ताला लगाया। ठेकेदार ने अपने परिवार के साथ स्कूल के सामने धरना भी दिया और सरकार से लंबित बिल तुरंत जारी करने की मांग की। स्कूल में ताला लगे रहने के कारण पहुंचे छात्रों और कर्मचारियों को पास के आंगनवाड़ी केंद्र में बैठाया गया।

सिगाची विस्फोट पीड़ितों के लिए 1 करोड़ मुआवजे की मांग

संगारेड्डी, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईटीयू नेताओं ने सरकार से सिगाची विस्फोट के पीड़ितों को तत्काल 1 करोड़ रुपये का मुआवजा जारी करने की मांग की है। विस्फोट की पहली बरसी से एक दिन पहले सोमवार को पशामिलाराम औद्योगिक क्षेत्र के बीपीएल जंक्शन पर सीआईटीयू नेताओं और हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर सीआईटीयू पशामिलाराम औद्योगिक क्लस्टर के संयोजक अथिमेला मानिक ने कहा कि सिगाची प्रबंधन ने मृतकों के 54 परिवारों को औसतन केवल 42 लाख रुपये प्रति परिवार मुआवजा दिया है, जबकि पहले 1 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया था।

रामागुंडम-1 अस्पताल में अत्याधुनिक हृदय कैथ लैब उद्घाटन के लिए तैयार

'गोल्डन ऑवर' में जीवन की रक्षा करने वाला महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा कैथ लैब : डॉ. किरण राज

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के मार्गदर्शन में तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने रामागुंडम-1 एरिया अस्पताल में अत्याधुनिक कार्डियक कैथेटराइजेशन (कैथ) लैब स्थापित की है। यह सुविधा अब औपचारिक उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है।

गोदावरीखनी में स्थापित यह कैथ लैब लगभग 33 हजार सिंगरेणी कर्मचारियों, उनके परिवारों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा आसपास के लोगों को लाभ पहुंचाएगी। इसके अलावा पेद्दापल्ली, मंचेरियल, कुमारम भीम आसिफाबाद और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों के निवासियों को भी इस अत्याधुनिक हृदय चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार हृदय रोग आज सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। हृदयाघात की स्थिति में पहला घंटा, जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है, मरीज की जान बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप से मरीज के बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अब तक सिंगरेनी के विभिन्न एरिया अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद उन्नत हृदय उपचार की व्यवस्था नहीं थी। गंभीर हृदय रोगियों को हैदराबाद, करीमनगर, वारंगल और अन्य शहरों में रेफर करना पड़ता था, जिससे बहुमूल्य समय नष्ट हो जाता था। इस आवश्यकता को देखते हुए गोदावरीखनी में अत्याधुनिक कैथ लैब स्थापित की गई है, जहां हृदयाघात के मरीजों को तत्काल जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। यह सुविधा कोयला क्षेत्र के लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली आपातकालीन हृदय चिकित्सा प्रदान करेगी। इस अवसर पर सिंगरेणी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण राज कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि गोदावरीखनी कैथ लैब 'गोल्डन ऑवर' के दौरान ही आपातकालीन उपचार उपलब्ध कराकर हजारों लोगों के जीवन की रक्षा करने वाला महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इससे मरीजों को दूर-दराज के शहरों में भेजने की आवश्यकता कम होगी और हृदयाघात से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.